नई दिल्ली । गुरुवार, 21 मई, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष पंचमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :135 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम ने सीरिज के आखिरी...
@ विचार तपती कक्षाएं और संवेदनहीन व्यवस्था क्या बच्चों और...
@ व्यापार पीएम मोदी के नेतृत्व में टियर-2 और 3 शहरों तक फैला...

संक्षिप्त खबर

सूर्यास्त्र' रॉकेट ने ओडिशा में साधा सटीक निशाना

भुवनेश्वर। भारत के रक्षा विनिर्माण क्षेत्र को बड़ी मजबूती देते हुए पुणे स्थित निजी कंपनी निबे लिमिटेड ने ओडिशा के चांदीपुर स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज में 18 और 19 मई को 'सूर्यास्त्र' लंबी दूरी की रॉकेट प्रणाली का सफल परीक्षण किया। इन परीक्षणों में भारतीय सेना के लिए विकसित 150 किलोमीटर और 300 किलोमीटर मारक क्षमता वाले दो अत्याधुनिक रॉकेटों ने बेहद सटीक निशाना साधकर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। कंपनी की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, 150 किलोमीटर रेंज वाले रॉकेट ने 1.5 मीटर की वृत्ताकार त्रुटि संभाव्यता (सीईपी) हासिल की, जबकि 300 किलोमीटर रेंज वाले संस्करण ने 2 मीटर सीईपी दर्ज की। रक्षा क्षेत्र में सीईपी को किसी भी मिसाइल या रॉकेट की सटीकता का सबसे महत्वपूर्ण पैमाना माना जाता है। इसका अर्थ है कि लक्ष्य के आसपास निर्धारित दायरे में आधे प्रक्षेप्य गिरने की संभावना रहती है।

सोल में बोले राजनाथ सिंह, 'ऑपरेशन सिंदूर' नए भारत की ताकत का प्रतीक

नई दिल्ली। 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत के एक मजबूत, आत्मविश्वासी और सक्षम राष्ट्र के रूप में उभरने का प्रमाण है। यह बात रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कही। वह दक्षिण कोरिया की राजधानी सोल में भारतीय समुदाय को संबोधित कर रहे थे। यहां उन्होंने कहा कि भारत किसी भी रूप में आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा और अब देश की सुरक्षा नीति पहले की तुलना में अधिक साहसिक, निर्णायक और प्रभावी हो चुकी है। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत एक जिम्मेदार परमाणु शक्ति के रूप में 'नो फर्स्ट यूज' नीति का पालन करता है, लेकिन देश की संयमित नीति को कमजोरी समझने की भूल नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत शांति के प्रति प्रतिबद्ध है, मगर किसी भी प्रकार की परमाणु ब्लैकमेलिंग को सहन नहीं करेगा।

दिल से मिले भारत-इटली

पीएम मोदी ने द्विपक्षीय संबंधों के लिए दिया नया मंत्र

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दो दिवसीय इटली दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साझा बयान में कहा कि पिछले लगभग साढ़े 3 सालों में मुझे कई बार प्रधानमंत्री मेलोनी से मिलने का मौका मिला है। यह भारत और इटली के बीच करीबी सहयोग और सामंजस्य को दर्शाता है। उनके नेतृत्व में हमारे संबंधों को नई गति, नई दिशा और नया आत्मविश्वास मिला है।

उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि हम अपने संबंधों को अपग्रेड करते हुए स्पेशल स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप की घोषणा कर रहे हैं। आज की बैठक में हमने हमारी भावी साझेदारी को और सशक्त बनाने के लिए विस्तृत रूप से चर्चा की। भारत-इटली ज्वाइंट स्ट्रेटेजिक एक्शन प्लान 2025-2029 हमारी साझेदारी को एक व्यवहारिक और फ्यूचरिस्टिक ढांचा प्रदान करता है। हम इस पर समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ रहे हैं।

'डिजाइन एंड डेवलप इन इंडिया एंड इटली एंड डिलीवर फॉर वर्ल्ड'

प्रधानमंत्री ने कहा कि इटली विश्व में डिजाइन और सटीकता के लिए जाना जाता है। भारत की पहचान स्केल, टेलेंट और अफोर्डेवल इनोवेशन के पावर हाउस की है। इसलिए हम डिजाइन एंड डेवलप इन इंडिया एंड इटली एंड डिलीवर फॉर वर्ल्ड सिद्धांत पर आगे बढ़ेंगे।

भारत और इटली के बीच कनेक्टिविटी स्वाभाविक है- पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्रों में करीबी सहयोग हमारे गहरे आपसी विश्वास का प्रतीक है। हमारी सेनाओं के साथ साथ दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच भी सहयोग बढ़ रहा है। हमारे डिफेंस इंडस्ट्रीयल रोडमैप से को-डेवलपमेंट और को-प्रोडेक्शन का मार्ग प्रशस्त हुआ है। समुद्री शक्तियों के रूप में भारत और इटली के बीच कनेक्टिविटी के क्षेत्र में करीबी सहयोग स्वाभाविक है। हम मिलकर शिपिंग, पोर्ट मॉर्डनाइजेशन, लॉजिस्टिक्स और ब्लू इकोनॉमी पर काम करेंगे।

आतंकवाद मानवता के लिए गंभीर चुनौती- पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि भारत और इटली एकमत हैं कि आतंकवाद मानवता के लिए गंभीर चुनौती है। टेरर फंडिंग के खिलाफ हमारी साझा पहल ने पूरे विश्व के सामने एक महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत किया है। भारत और इटली ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि जिम्मेदार लोकतंत्र केवल आतंकवाद की निंदा नहीं करतीं, बल्कि उसके वित्तीय चेन को तोड़ने के लिए ठोस कदम भी उठाती हैं।

समस्याओं का समाधान डायलॉग और डिप्लोमेसी से होना चाहिए- पीएम मोदी

यूक्रेन, पश्चिम एशिया तथा अन्य तनावों को लेकर हम लगातार संपर्क में रहे हैं। भारत का मत स्पष्ट है कि सभी समस्याओं का समाधान डायलॉग और डिप्लोमेसी के जरिए से होना चाहिए। हमारा रिश्ता केवल डिप्लोमेसी का नहीं, बल्कि साझी धरोहर का है। अगले वर्ष भारत और इटली के संबंधों की 80वीं एनिवर्सरी के उपलक्ष्य में ईयर ऑफ कल्चर मनाया जाएगा। इससे हमारे सांस्कृतिक संबंधों को और ताकत मिलेगी।

मेलोडी मोमेंट : पीएम मोदी और मेलोनी के वीडियो ने तोड़ा रिकॉर्ड, 112 मिलियन व्यूज

इटली दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी को भारत की मशहूर 'मेलोडी' टॉफी गिफ्ट की। इस छोटे लेकिन दिलचस्प पल का वीडियो सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो गया और कुछ ही घंटों में रिकॉर्ड व्यूज हासिल कर लिए। पीएम मोदी के इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस वीडियो को 112 मिलियन यानी 11.2 करोड़ से ज्यादा बार देखा जा चुका था। वीडियो ने कुछ ही घंटों में सोशल मीडिया पर रिकॉर्ड कायम कर दिया।

अमेरिकी संसद में जंग रोकने का प्रस्ताव पास

ट्रम्प के 4 सांसदों ने उनके खिलाफ वोटिंग की

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

अमेरिकी संसद में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सैन्य शक्तियों को सीमित करने वाला प्रस्ताव पास हो गया है। वोटिंग में 4 रिपब्लिकन सांसदों ने भी विपक्षी पार्टी डेमोक्रेट्स का साथ दिया। हालांकि 3 रिपब्लिकन सांसद वोटिंग में शामिल नहीं हुए।

यह प्रस्ताव 50-47 से पास हुआ, हालांकि इसे कानून बनने के लिए अभी कुछ और चरणों से गुजरना होगा। अगर यह प्रस्ताव कानून बनता है, तो ट्रम्प सरकार को ईरान के खिलाफ युद्ध जारी रखने के लिए कांग्रेस की मंजूरी लेनी होगी।

अभी सीनेट में इस पर अंतिम वोटिंग होनी बाकी है। इसके बाद इसे रिपब्लिकन बहुमत वाली हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स से मंजूरी लेनी होगी। हालांकि उसके बाद भी ट्रम्प इसके खिलाफ वीटो कर सकते हैं। फिर उस वीटो को रद्द करने के लिए सीनेट और हाउस दोनों में दो-तिहाई बहुमत चाहिए होगा, जो फिलहाल मुश्किल माना जा रहा है। अमेरिकी संसद के सीनेट में मंगलवार शाम को ईरान जंग रोकने को लेकर बैठक हुई। अमेरिकी संसद के सीनेट में मंगलवार शाम को ईरान जंग रोकने को लेकर बैठक हुई।

विपक्ष बोला- युद्ध शुरू करने का अधिकार संसद के पास हो

यह वोट विपक्ष के लिए बड़ी जीत माना जा रहा है जो कह रहे थे कि अमेरिका में युद्ध शुरू करने या सेना भेजने का अधिकार राष्ट्रपति नहीं बल्कि संसद के पास होना चाहिए। अमेरिकी संविधान में भी यही व्यवस्था दी गई है।

इस प्रस्ताव को वर्जीनिया के डेमोक्रेट सीनेटर टिम केन लेकर आए हैं। बहस के दौरान उन्होंने कहा कि अभी जब युद्धविराम की बात हो रही है, तब ट्रम्प को संसद के सामने आकर अपनी रणनीति बतानी चाहिए।

राहुल गांधी के 'देशद्रोही' वाले बयान पर बवाल

राहुल गांधी के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह और आरएसएस को 'गद्दार' कहने पर सियासी घमासान

एजेंसी ■ नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर दिए गए बयान पर सियासी घमासान छिड़ गया है। भाजपा ने राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उनकी भाषा पाकिस्तान और आतंकवादियों जैसी है। वहीं कांग्रेस नेता के बयान को लोकतांत्रिक मूल्यों का अपमान बताया गया है।

दरअसल, राहुल गांधी ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के रायबरेली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा था कि जब आरएसएस कार्यकर्ता नरेंद्र मोदी और अमित शाह की बात करें तो उन्हें जवाब देना चाहिए कि 'आपके प्रधानमंत्री गद्दार हैं, आपके गृह मंत्री गद्दार हैं और आपका संगठन गद्दार है।'

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि RSS और भाजपा ने संविधान, डॉ. भीमराव आंबेडकर और महात्मा गांधी के विचारों पर हमला किया है।

भाजपा का राहुल गांधी पर पलटवार

इसके बाद भाजपा नेताओं ने कांग्रेस सांसद पर पलटवार शुरू कर दिया। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी की भाषा किसी दुश्मन देश जैसी हो गई है। उन्होंने कहा कि देश की जनता और युवा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह के साथ खड़े हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने राहुल गांधी के बयान को लोकतंत्र का अपमान बताते हुए कहा कि उनकी भाषा पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों जैसी है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी राजनीतिक विरोधी की तरह नहीं, बल्कि भारतीय राज्य के खिलाफ लड़ने वाले व्यक्ति की तरह व्यवहार कर रहे हैं।

सीएम योगी ने राहुल गांधी पर साधा निशाना

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि कांग्रेस की 'विभाजनकारी और तुष्टिकरण की राजनीति' के 'युवराज' का बयान लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनकी अनादरपूर्ण सोच को दर्शाता है। योगी ने राहुल गांधी से पूरे देश से सार्वजनिक माफी मांगने की मांग की।

कांग्रेस संविधान को कमजोर कर रही- अनुराग ठाकुर

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस संविधान को कमजोर करने का काम कर रही है। उन्होंने इमरजेंसी का जिक्र करते हुए कहा कि लोकतंत्र पर सबसे बड़ा हमला कांग्रेस शासन में हुआ था। ठाकुर ने कहा कि आरएसएस ने हमेशा देशहित में काम किया है और भाजपा तथा संघ के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करना कांग्रेस की पुरानी आदत बन चुकी है।

राहुल गांधी ने क्या कहा ?

इस बीच राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर इटली दौरे के दौरान इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को 'मेलोडी' कैंडी देने वाले वायरल वीडियो को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है, किसान, युवा और छोटे व्यापारी परेशान हैं, जबकि प्रधानमंत्री 'रील बनाने और हंसने' में व्यस्त हैं।

फेक टेलीग्राम चैनलों पर होगी कड़ी कार्रवाई

नीट-यूजी रि-एग्जाम पर धर्मेंद्र प्रधान का बड़ा एक्शन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

आगामी नीट-यूजी पुनर्परीक्षा को सुरक्षित बनाने हेतु शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने एक उच्च-स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की और सोशल मीडिया पर गलत सूचना फैलाने वाले नेटवर्कों पर नकेल कसने का निर्देश दिया है। एनटीए और खुफिया एजेंसियों को फर्जी पेपर लीक का दावा करने वाले टेलीग्राम चैनलों को ब्लॉक कर परीक्षा प्रक्रिया में जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए कहा गया है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आगामी नीट-यूजी पुनर्परीक्षा के लिए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने और तैयारियों को मजबूत करने हेतु केंद्रीय सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने परीक्षा के सुरक्षित, निष्पक्ष और सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए कड़ी सतर्कता और मजबूत सुरक्षा उपायों की आवश्यकता पर बल दिया। शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी के महानिदेशक भी बैठक में उपस्थित थे। परीक्षा की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई, जिसमें संभावित कमजोरियों की पहचान करने और समय पर निवारक एवं सुधारात्मक उपाय सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

मेटा, गूगल और टेलीग्राम सहित प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के प्रतिनिधियों के साथ एक अलग बैठक में, अधिकारियों ने प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित गलत सूचनाओं के बढ़ते प्रसार पर चिंता व्यक्त की, विशेष रूप से टेलीग्राम चैनलों और गुमनाम ऑनलाइन समूहों के माध्यम से। अधिकारियों ने पाया कि कई ऐसे चैनल प्रमुख परीक्षाओं से पहले अत्यधिक सक्रिय हो जाते हैं, फर्जी पेपर लीक के दावे, क्लिकबेट सामग्री और अपुष्ट जानकारी फैलाते हैं, जिससे छात्रों और अभिभावकों में दहशत, चिंता और भ्रम की स्थिति पैदा होती है।

केरलम केबिनेट का बंटवारा

सीएम सतीशन ने पास वित्त-कानून, चेन्निथला बने गृह मंत्री

एजेंसी ■ तिरुवनंतपुरम

लोक भवन के अनुसार, केरलम के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशान ने बुधवार को अपनी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा सरकार में मंत्रियों को विभागों का आवंटन किया, जिसमें वित्त, कानून, सामान्य प्रशासन और बंदरगाह सहित प्रमुख विभाग बरकरार रखे गए। नए मंत्रिमंडल में वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला को गृह एवं सतर्कता विभाग के साथ-साथ तीन अन्य महत्वपूर्ण विभाग सौंपे गए हैं।

इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के नेता पी.के. कुन्हालीकुट्टी उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी और वस्त्र सहित सात विभागों का कार्यभार संभालेंगे। केरलम कांग्रेस अध्यक्ष सनी जोसेफ को विद्युत एवं पर्यावरण विभाग सौंपा गया है, जबकि वरिष्ठ कांग्रेस नेता के. मुरलीधरन को स्वास्थ्य एवं देवस्वम मंत्री बनाया गया है।

रोजी एम. जॉन उच्च शिक्षा विभाग संभालेंगे, जबकि एपी अनिल कुमार को भूमि एवं राजस्व विभाग आवंटित किया गया है। वहीं, क्रांतिकारी समाजवादी पार्टी के विधायक शिबू बेबी जॉन को वन एवं वन्यजीव संरक्षण एवं कौशल विकास विभाग सौंपा गया है। केरलम कांग्रेस (जोसेफ) के विधायक मॉन्स जोसेफ सिंचाई, भूजल, जल आपूर्ति एवं स्वच्छता एवं आवास विभागों का कार्यभार संभालेंगे।

केरलम कैबिनेट के सभी विभागों की पूरी सूची:- वी डी सतीशान: वित्त, विधि, सामान्य प्रशासन, बंदरगाह और 31 अन्य विभाग, रमेश चेन्निथला: गृह, सतर्कता और तीन अन्य विभाग, पी के कुन्हालीकुट्टी: उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी, वस्त्र और चार अन्य विभाग, सनी जोसेफ: विद्युत और पर्यावरण, के मुरलीधरन: स्वास्थ्य और देवस्वम, रोजी एम जॉन: उच्च शिक्षा, ए पी अनिल कुमार: भूमि और राजस्व, शिबू बेबी जॉन: वन और वन्यजीव संरक्षण, कौशल विकास, मॉन्स जोसेफ: सिंचाई, भूजल और आवास आदि विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

शुभम खैरनार की सीबीआई कस्टडी 5 दिन बढ़ी

नई दिल्ली। नीट यूजी पेपर लीक मामले की जांच लगातार तेज होती जा रही है। इस हाई-प्रोफाइल मामले में दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने मुख्य आरोपी माने जा रहे शुभम खैरनार की सीबीआई कस्टडी पांच दिनों के लिए बढ़ा दी है। वहीं, मामले में गिरफ्तार बाकी पांच आरोपियों को अदालत ने 2 जून तक न्यायिक हिरासत में भेजा है। दरअसल, सीबीआई ने पेपर लीक और परीक्षा में धांधली के आरोप में गिरफ्तार कुल छह आरोपियों को कोर्ट में पेश किया। इनमें महाराष्ट्र, राजस्थान और हरियाणा से गिरफ्तार आरोपी शामिल हैं। कोर्ट में पेश किए गए आरोपियों में नासिक निवासी शुभम खैरनार, जयपुर के मांगीलाल बिवाल, विकास बिवाल और दिनेश बिवाल, गुरुग्राम के यश यादव तथा महाराष्ट्र के अहिल्या नगर निवासी धनंजय लोखंडे के नाम शामिल हैं। सीबीआई ने कोर्ट से शुभम खैरनार की कस्टडी बढ़ाने की मांग की। एजेंसी का कहना था कि हाल ही में गिरफ्तार किए गए अन्य आरोपियों के साथ शुभम खैरनार का सामना कराना जरूरी है। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक सबूतों को लेकर भी उससे आगे पूछताछ की जानी है।

यूपी में तेज गर्मी से जन-जीवन प्रभावित

23 जिलों में लू का रेड अलर्ट जारी

एजेंसी ■ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में गर्मी का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है। बुंदेलखंड और प्रदेश के दक्षिणी जिलों में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों का घर से निकलना मुश्किल कर दिया है। बुधवार को बांदा, प्रयागराज, हमीरपुर और झांसी समेत कई जिलों में भीषण गर्मी और लू का असर देखने को मिला।

प्रदेश में सबसे अधिक तापमान बांदा में दर्ज किया गया, जहां पारा 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। दिनभर चलने वाली गर्म हवाओं से सड़कें सूनी रहीं और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार के लिए प्रदेश के 23 जिलों में लू का रेड अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा 13 अन्य जिलों में भीषण गर्मी को लेकर चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार कई जिलों में रात का तापमान भी सामान्य से अधिक रहेगा।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि अगले एक सप्ताह तक पूर्वी और दक्षिणी उत्तर प्रदेश में भीषण लू चलने की संभावना है। वहीं पश्चिमी यूपी के कई जिलों में गर्म रातें लोगों की परेशानी बढ़ा सकती हैं। मौसम विभाग ने लोगों को दोपहर में जरूरी होने पर ही घर से निकलने और पर्याप्त पानी पीने की सलाह दी है।

सर्वाधिक तापमान वाले जिले

बांदा- 48 डिग्री सेल्सियस
प्रयागराज-46.4 डिग्री सेल्सियस
हमीरपुर-46.2 डिग्री सेल्सियस
झांसी- 45.9 डिग्री सेल्सियस
आगरा- 45.3 डिग्री सेल्सियस

इन जिलों में है लू का रेड अलर्ट

बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, मिर्जापुर, भदोही, कानपुर देहात, कानपुर नगर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर व आस पास के क्षेत्र।

इन जिलों में है लू का ऑरेंज अलर्ट

प्रतापगढ़, सोनभद्र, चंदौली, वाराणसी, जौनपुर, फर्रुखाबाद, कन्नौज, उन्नाव, रायबरेली, बागपत, गाजियाबाद, गौतम बुद्ध नगर, कासगंज व आस पास के क्षेत्र ।

हैदराबाद पुलिस ने 'घोस्ट सिम' नेटवर्क को बनाया निशाना, 13 राज्यों में 66 लोग गिरफ्तार

हैदराबाद। देशभर में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों के खिलाफ हैदराबाद पुलिस ने 'घोस्ट सिम' नेटवर्क का खुलासा किया है। हैदराबाद नगर पुलिस ने 'ऑपरेशन ऑक्टोपस 3.0' के तहत 13 राज्यों में छापेमारी कर 66 लोगों को गिरफ्तार किया है। हैदराबाद पुलिस कमिश्नर वीसी सज्जनार ने बुधवार को इस बड़े ऑपरेशन की जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक, साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन (सीसीपीएस) हैदराबाद ने ऐसे 1,194 'घोस्ट सिम' की पहचान की, जिनका इस्तेमाल साइबर अपराधों में किया जा रहा था। इन सिम कार्ड्स का लिंक विभिन्न साइबर अपराध मामलों से मिला। इस नेटवर्क को तोड़ने के लिए 18 विशेष टीमों को 13 राज्यों में लगातार सात दिनों तक अभियान चलाने के लिए भेजा गया।

ऑपरेशन के दौरान हैदराबाद शहर से ही 544 सिम कार्ड बरामद किए गए। इनमें 432 सील बंद सिम थे, जिन्हें अभी साइबर अपराधों में इस्तेमाल के लिए एक्टिव नहीं किया गया था।

पुलिस कमिश्नर सज्जनार ने बताया कि इससे पहले 'ऑपरेशन ऑक्टोपस 1.0' में म्यूल अकाउंट धारकों पर कार्रवाई की गई थी, जबकि 'ऑपरेशन ऑक्टोपस 2.0' में साइबर फ्रॉड में मदद करने वाले बैंक अधिकारियों को निशाना बनाया गया था। अब 'ऑक्टोपस 3.0' के तहत उस 'घोस्ट सिम' नेटवर्क पर कार्रवाई की गई, जो पूरे देश में संगठित साइबर अपराधियों को अपनी पहचान छिपाने का आधार उपलब्ध कराता था। पुलिस के अनुसार, 'घोस्ट सिम' ऐसे मोबाइल कनेक्शन होते हैं, जिन्हें आम लोगों के नाम पर धोखाधड़ी से एक्टिव किया जाता है। साइबर अपराधी इन्हीं सिम कार्ड्स का इस्तेमाल अपनी असली पहचान छिपाने के लिए करते हैं।

गिरफ्तार किए गए 66 लोगों में 44 घोस्ट सिम धारक, 20 पीओएएस एजेंट और टेलीकॉम प्रमोटर तथा दो घोस्ट सिम सप्लायर शामिल हैं। गिरफ्तार पीओएस एजेंटों में 10 वोडाफोन आइडिया, 7 एयरटेल और 3 जियो से जुड़े बताए गए हैं।

पुलिस जांच में सामने आया कि कुछ पीओएस एजेंट मोबाइल नंबर पोर्टेबिलिटी यानी एमएनपी ईकेवाईसी प्रक्रिया के दौरान, ग्राहकों की जानकारी के बिना उनके नाम पर अतिरिक्त सिम एक्टिव कर देते थे।

लोकतांत्रिक निर्णयों का उपहास उड़ाकर अशांति पैदा करने वालों को जवाब हमारा 'विकसित भारत' देगा : बृजमोहन अग्रवाल

नई दिल्ली । रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने बुधवार को प्रधानमंत्री संग्रहालय में वरिष्ठ पत्रकार अतुल सिंघल जी की पुस्तकों '12 नवंबर 1996: चरखी दादरी विमान हादसा' (त्रासदी के समय RSS स्वयंसेवकों के निस्वार्थ सेवा कार्यों का ऐतिहासिक संकलन), जीवन चलने का नाम'(प्रो. सुरेश चंद जी सिंघल का जीवन वृतांत) और 'विकसित भारत 2047' (PM श्री Narendra Modi की दूरदर्शी नीतियों पर आधारित कॉफी टेबल बुक) का विमोचन किया। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा कि

लोकतांत्रिक निर्णयों का उपहास उड़ाकर अशांति पैदा करने वालों को जवाब हमारा 'विकसित भारत' देगा।

एक ऐसा भारत, जहाँ देश का गरीब से गरीब नागरिक भी संतुष्ट हो और अमीर के लिए भी प्रगति के रास्ते खुले हों।

2047 में भारत को फिर से 'सोने की चिड़िया' और 'विश्वगुरु' बनाने के इस महायज्ञ में आज देश के छात्र, मजदूर, व्यापारी और उद्योगपति, सभी अपने सुझावों के साथ सहयोग कर रहे हैं।

इस शुभ अवसर पर 'विकसित भारत 2047' पुस्तक के सारथियों को 'नमो इम्पैक्ट राष्ट्र शिल्पी सम्मान' से सम्मानित भी किया गया।समारोह में असम के पूर्व राज्यपाल जगदीश मुखी और राज्यसभा सांसद नरेश बंसल भी उपस्थित थे।

पश्चिम बंगाल सरकार ने 'बॉर्डर लैंड' बीएसएफ को सौंपना शुरू किया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने पड़ोसी बांग्लादेश के साथ बिना बाड़ वाली सीमाओं पर बाड़ लगाने के लिए बीएसएफ को भूमि सौंपने की प्रक्रिया बुधवार को शुरू कर दी।

मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने राज्य सचिवालय में मीडियाकर्मियों को बताया कि लगभग 27 किलोमीटर भूमि आधिकारिक तौर पर बीएसएफ को सौंप दी गई है।

उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि इस उद्देश्य के लिए आवश्यक पूरी भूमि सौंपने की प्रक्रिया अगले दो सप्ताह के भीतर पूरी हो जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल को आज 27 किलोमीटर भूमि का आधिकारिक रूप से सौंपना इस प्रक्रिया की मात्र शुरुआत है। पश्चिम बंगाल की देशभक्त जनता के सहयोग और अत्यंत कुशल एवं प्रतिभाशाली राज्य सरकार के अधिकारियों के कुशल संचालन के कारण पूरी प्रक्रिया अगले दो सप्ताह के भीतर पूरी होने की उम्मीद है।

उन्होंने यह भी कहा कि नई सरकार के सत्ता में आने के बाद से सीमा सुरक्षा बल और राज्य सरकार के अधिकारियों के बीच समन्वय बैठकों की एक श्रृंखला आयोजित की गई है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि अब से ऐसी समन्वय बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाएंगी। बुधवार को सीमा सुरक्षा बल को 27 किलोमीटर जमीन सौंपी गई। केंद्र सरकार इस जमीन के लिए धनराशि उपलब्ध कराएगी। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने यह भी विस्तार से बताया कि कैसे पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पिछली राज्य सरकार ने तृणमूल कांग्रेस के राजनीतिक एजेंडे को पूरा करने के लिए सीमा सुरक्षा बल को जमीन सौंपने से परहेज किया था।मुख्यमंत्री अधिकारी ने कहा कि बांग्लादेश के साथ भारत की कुल अंतरराष्ट्रीय सीमा 4,000 किलोमीटर से थोड़ी अधिक है, जिसमें से 2,000 किलोमीटर से थोड़ी अधिक पश्चिम बंगाल में है। पश्चिम बंगाल में ही लगभग 1,600 किलोमीटर सीमा पर कांटेदार बाड़ लगी है, जबकि शेष 600 किलोमीटर बिना बाड़ के है। यदि पिछली सरकार में सद्भावना होती, तो वह आसानी से कम से कम 555 किलोमीटर जमीन सीमा सुरक्षा बल को सौंप सकती थी। यह जानबूझकर तुष्टीकरण की संकीर्ण राजनीति के एजेंडे को पूरा करने के लिए नहीं किया गया था।

उनके अनुसार, यह देखा गया है कि कानून-व्यवस्था भंग, लव जिहाद, जबरन धर्म परिवर्तन और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसी असामाजिक गतिविधियों में पड़ोसी बांग्लादेश से आए अवैध घुसपैठियों की बड़ी भूमिका रही है।

उन्होंने यह भी कहा कि पिछले कुछ वर्षों से केंद्र सरकार ने पिछली राज्य सरकार से राज्य में गिरफ्तार किए गए अवैध घुसपैठियों को सीमा सुरक्षा बल को सौंपने का बार-बार अनुरोध किया था।

ओडिशा: कक्षा 12 के परिणाम घोषित, उत्तीर्ण प्रतिशत 85.85 रहा

भुवनेश्वर । विद्यालय एवं जन शिक्षा मंत्री नित्यानंद गोंड ने बुधवार को ओडिशा उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद (सीएचएसई) द्वारा इस वर्ष आयोजित 12वीं कक्षा की परीक्षाओं के परिणाम घोषित किए।

मंत्री ने सीएचएसई कार्यालय, ओडिशा में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में विज्ञान, कला, वाणिज्य और व्यावसायिक विषयों के परिणाम एक साथ घोषित किए। मंत्री ने बताया कि इस वर्ष कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 85.85 रहा।

विज्ञान विषय में उत्तीर्ण प्रतिशत 88.82, कला में 84.50, वाणिज्य में 88.07 और व्यावसायिक शिक्षा में 77.62 रहा। इस अवसर पर मंत्री नित्यानंद गोंड ने एक विशेष घोषणा करते हुए कहा कि पहली बार, सभी विषयों में उत्तीर्ण छात्रों को अपने अंकों में सुधार के लिए किसी एक विषय में सुधार परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाएगी।मंत्री ने कहा कि इससे छात्रों को अपने अंकों में सुधार करने का अच्छा अवसर मिलेगा। मंत्री ने राज्य भर में परीक्षाओं के सुचारू और पारदर्शी संचालन पर संतोष व्यक्त किया, जिसमें किसी भी प्रकार की बड़ी अनियमितता या व्यवधान की सूचना नहीं मिली।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष के प्रारंभ में आयोजित परीक्षाओं में नियमित और पूर्व-नियमित दोनों श्रेणियों के कुल 3,98,090 छात्र उपस्थित हुए थे।इस बीच, परीक्षा देने वाले कुल छात्रों में से 3,41,781 छात्र उत्तीर्ण हुए। कला स्ट्रीम में 2,14,738 छात्र उत्तीर्ण हुए, जबकि विज्ञान में 1,11,004, वाणिज्य में 21,393 और व्यावसायिक शिक्षा में 4,546 छात्र उत्तीर्ण हुए।कला स्ट्रीम में संबलपुर जिले का उत्तीर्ण प्रतिशत 89.48 प्रतिशत के साथ सबसे अधिक रहा, जबकि नबरंगपुर जिले का उत्तीर्ण प्रतिशत 77.14 प्रतिशत के साथ सबसे कम रहा। इसी प्रकार, विज्ञान स्ट्रीम में बालासोर जिले का उत्तीर्ण प्रतिशत 96.63 प्रतिशत के साथ सबसे अधिक रहा, जबकि कोरापुट जिले का उत्तीर्ण प्रतिशत 77.14 प्रतिशत के साथ सबसे कम रहा। बौध जिले ने 100 प्रतिशत परिणाम के साथ उच्चतम उत्तीर्ण प्रतिशत हासिल किया, जबकि बालांगीर में वाणिज्य स्ट्रीम में सबसे कम 77.25 प्रतिशत परिणाम दर्ज किया गया।

इस बीच, नबरंगपुर जिले में 100 प्रतिशत के साथ उच्चतम उत्तीर्ण प्रतिशत दर्ज किया गया, जबकि मलकानगिरी में व्यावसायिक शिक्षा श्रेणी में सबसे कम 55.22 प्रतिशत उत्तीर्ण प्रतिशत दर्ज किया गया।

फाल्टा विधानसभा में पुनर्मतदान की तैयारियां पूरी, 35 कंपनियों की सुरक्षा तैनात

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले की महत्वपूर्ण फाल्टा विधानसभा सीट पर गुरुवार को होने वाले पुनर्मतदान को लेकर अंतिम तैयारियां तेज कर दी गई हैं। बुधवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि डिस्पर्सल सेंटरों पर मतदानकर्मियों की तैनाती और अन्य व्यवस्थाएं सुचारू रूप से चल रही हैं।

सीईओ कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है। पूरे विधानसभा क्षेत्र में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की 35 कंपनियां तैनात की गई हैं, जो किसी एक विधानसभा क्षेत्र के लिए काफी बड़ी सुरक्षा व्यवस्था मानी जा रही है। फाल्टा विधानसभा सीट पर दो चरणों में संपन्न हुए चुनाव के दूसरे चरण में 29 अप्रैल को मतदान हुआ था। हालांकि मतदान के दिन कई बूथों से चुनावी गड़बड़ियों की शिकायतें सामने आई थीं। आरोप लगाया गया था कि कई ईवीएम मशीनों में भाजपा प्रत्याशियों के नाम और चुनाव चिन्ह वाले बटन सफेद टेप से ढके हुए थे।

इन शिकायतों के बाद विशेष चुनाव पर्यवेक्षक सुभ्रत गुप्ता, जो वर्तमान में मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के सलाहकार भी हैं, ने फाल्टा का दौरा कर मामले की जांच की थी। उनकी रिपोर्ट के आधार पर चुनाव आयोग ने पूरे फाल्टा विधानसभा क्षेत्र में पुनर्मतदान कराने का आदेश दिया। पुनर्मतदान 21 मई को होगा, जबकि मतगणना 24 मई को की जाएगी।

इस बीच तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार जहांगीर खान ने मंगलवार को घोषणा की थी कि वह मुख्यमंत्री अधिकारी द्वारा फाल्टा के लिए विकास पैकेज की घोषणा पर भरोसा जताते हुए इस बार चुनावी मुकाबले से हट रहे हैं।

हालांकि सीईओ कार्यालय ने स्पष्ट किया कि जहांगीर खान का नाम पुनर्मतदान में भी तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में ईवीएम में बना रहेगा। अधिकारी ने कहा कि 29 अप्रैल को मतदान पहले ही हो चुका है ।

वैश्विक ईंधन संकट का असर, मिजोरम में सरकारी कामकाज का नया मॉडल लागू

आइजोल । मिजोरम सरकार ने पश्चिम एशिया में चल रहे संकट और दुनिया भर में ईंधन की बढ़ती कीमतों को देखते हुए अर्थव्यवस्था और ईंधन बचाने के लिए कई अस्थायी उपायों की घोषणा की है। इन उपायों में सरकारी कर्मचारियों के लिए 'वर्क फ्रॉम होम' (घर से काम करने) की व्यवस्था, ऑफिस के समय में बदलाव और सरकारी यात्राओं पर रोक शामिल है।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी एक ऑफिस मेमोरैंडम के अनुसार, ये उपाय प्रधानमंत्री की ईंधन बचाने और आर्थिक समझदारी दिखाने की अपील के बाद अपनाए गए हैं। ऐसा इसलिए किया गया है क्योंकि 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' में रुकावटों के कारण दुनिया भर में तेल और गैस की सप्लाई पर असर पड़ रहा है। सरकार ने बताया कि भारत अपनी जरूरत का 85 प्रतिशत से ज्यादा कच्चा तेल आयात करता है, जिससे देश अंतरराष्ट्रीय सप्लाई में रुकावटों और कीमतों में बढ़ोतरी के प्रति संवेदनशील हो जाता है। नई गाइडलाइंस के तहत हर सरकारी विभाग में 20 प्रतिशत कर्मचारी वर्क फ्रॉम होम करेंगे। इसमें मेडिकल और आपातकालीन सेवाओं, पानी और बिजली की सप्लाई, परिवहन, आपदा राहत और कानून-व्यवस्था से जुड़े विभागों को छूट दी गई है। विभागों को निर्देश दिया गया है कि वे ड्यूटी रोस्टर तैयार करें, ताकि जनता को मिलने वाली सेवाएं बिना किसी रुकावट के जारी रहें। सरकार ने आइजोल में विभागों के लिए ऑफिस के समय में भी बदलाव किया है, ताकि ट्रैफिक जाम और ईंधन की खपत को कम किया जा सके।

वित्त मंत्री सीतारमण ने अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर से की मुलाकात

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने बुधवार को भारत-अमेरिका आर्थिक और वित्तीय साझेदारी को और मजबूत करने पर चर्चा की। इसमें फिनटेक सेक्टर में सहयोग, निवेश के अवसर और द्विपक्षीय सहयोग जैसे मुद्दे शामिल रहे। वित्त मंत्रालय ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी।

वित्त मंत्रालय के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच फिनटेक क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने, निवेश के अवसरों का विस्तार करने और भारत तथा अमेरिका के बीच द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा हुई।

वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, 'केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री ने आज राष्ट्रीय राजधानी में भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर से मुलाकात की। मंत्रालय ने आगे कहा, 'दोनों के बीच भारत-अमेरिका आर्थिक एवं वित्तीय साझेदारी को गहरा करने, भारत-अमेरिका फिनटेक सहयोग, निवेश के अवसरों और द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा हुई।

यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब दोनों देशों के बीच डिजिटल फाइनेंस, टेक्नोलॉजी और व्यापार जैसे क्षेत्रों में सहयोग लगातार बढ़ रहा है और दोनों देश रणनीतिक आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

बैठक के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अमेरिका के आगामी 250वें स्वतंत्रता दिवस के लिए सर्जियो गोर को शुभकामनाएं भी दीं। बता दें कि इसी महीने की शुरुआत में सर्जियो गोर ने कहा था कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन भारत के साथ व्यापार और निवेश संबंधों को और बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

11 मई को राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित सीआईआई 'एनुअल बिजनेस समिट 2026' को संबोधित करते हुए उन्होंने भारत-अमेरिका आर्थिक संबंधों की बढ़ती मजबूती पर जोर दिया था। गोर ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा था, 'हम व्यापार के अवसर बढ़ाने, नियामकीय बाधाओं को कम करने और भारतीय कंपनियों को अमेरिका में निवेश के लिए प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिससे दोनों देशों को लाभ होगा।

एलओसी के समीप सुंदरबनी सेक्टर पहुंचे उत्तरी कमान के आर्मी कमांडर

नई दिल्ली। भारतीय सेना की उत्तरी कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) के साथ सुंदरबनी सेक्टर के अग्रिम क्षेत्रों का दौरा किया है। इस दौरान उन्होंने वहां की मौजूदा सुरक्षा स्थिति और ऑपरेशनल तैयारियों की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने सीमा पर तैनात सैनिकों की सतर्कता, सामरिक तैनाती और किसी भी चुनौतीपूर्ण परिस्थिति से निपटने की क्षमता का आकलन किया। लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने भारतीय सेना तथा सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों से बातचीत की। सैन्य कमांडर ने कठिन परिस्थितियों में जवानों के साहस, दृढ़ संकल्प और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती इलाकों में तैनात सैनिकों का अनुभव, अनुशासन और सतत सतर्कता देश की सुरक्षा का मजबूत आधार है। लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने जवानों को बदलते युद्ध स्वरूप और आधुनिक सुरक्षा चुनौतियों के मद्देनजर नई एवं उभरती तकनीकों को तेजी से अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक युद्धक्षेत्र में तकनीकी दक्षता और त्वरित अनुकूलन क्षमता बेहद महत्वपूर्ण है, इसलिए सैनिकों को लगातार अपने कौशल को उन्नत करते हुए हर समय युद्ध के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने अग्रिम मोर्चों पर तैनात जवानों के उच्च मनोबल और पेशेवर प्रतिबद्धता की भी प्रशंसा की। लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने कहा कि भारतीय सेना हर परिस्थिति में राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए सीमाओं की सुरक्षा के लिए पूर्णत प्रतिबद्ध है। सेना और बीएसएफ के बीच बेहतर समन्वय और संयुक्त सतर्कता को रक्षा विशेषज्ञ राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानते हैं।

संक्षिप्त खबरें

हाउसिंग सोसायटियों के प्रभावी रखरखाव के लिए गाइडलाइन जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आवासीय सहकारी संस्थाओं के सुचारू संचालन हेतु आदर्श उपविधियां जारी की गई है। हाउसिंग सोसायटियों में व्याप्त अव्यवस्था को दूर करने के उद्देश्य से नए नियम बनाए गए हैं। आवासीय सहकारी संस्थाओं एवं कॉलोनियों के बेहतर रख-रखाव, पारदर्शी संचालन तथा सदस्यों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आयुक्त सहकारिता महादेव कावरे ने बुधवार को आवासीय सहकारी समितियों हेतु नई आदर्श उपविधियां जारी की गई हैं। प्रदेश में संचालित अनेक आवासीय सहकारी संस्थाओं एवं कॉलोनियों में मेंटेनेंस राशि की नियमित प्राप्ति नहीं होने के कारण रख-रखाव संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो रही थीं। कई मामलों में बिल्डरों द्वारा भी अपनी अविक्रयित इकाइयों की मेंटेनेंस राशि जमा नहीं किए जाने से सहकारी संस्थाओं एवं बिल्डरों के मध्य विवाद की स्थिति निर्मित हो रही थी। इन समस्याओं के निराकरण तथा संस्थाओं के प्रभावी संचालन के लिए नई उपविधियां लागू की गई हैं।

नई उपविधियों में निम्न महत्वपूर्ण प्रावधान शामिल किए गए हैं— बिल्डर द्वारा सहकारी संस्था गठन के समय कॉलोनी एवं प्रकोष्ठ भवनों में उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं के संबंध में वचन पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। ह्रासभी सदस्यों के लिए मेंटेनेंस राशि का भुगतान अनिवार्य किया गया है, ताकि कॉलोनी के रख-रखाव एवं मूलभूत सुविधाओं का संचालन सुचारू रूप से हो सके। बिल्डर अपनी इकाइयों के विक्रय से पूर्व संस्था के समस्त देय शुल्कों का भुगतान करने के पश्चात ही अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकेंगे। सहकारी संस्थाओं के कार्य संचालन से संबंधित शिकायतों की सुनवाई एवं निराकरण हेतु बोर्ड को आवश्यक अधिकार प्रदान किए गए हैं।

तीन शराब बनाने वाली कंपनियों की होगी जांच

रायपुर। बिलासपुर हाईकोर्ट ने पर्यावरण प्रदूषण को लेकर बड़ी सख्ती दिखाते हुए छत्तीसगढ़ की तीन शराब बनाने वाली कंपनियों की स्वतंत्र जांच के आदेश दे दिए हैं। कोर्ट ने साफ कहा है कि नदियों और जल स्रोतों के प्रदूषण की शिकायतों को हल्के में नहीं लिया जा सकता। इसी वजह से तीनों यूनिट्स का मौके पर जाकर निरीक्षण किया जाएगा। इसके लिए कोर्ट ने दो वकीलों को कोर्ट कमिश्नर नियुक्त किया है, जो संबंधित फैक्ट्रियों में जाकर जांच करेंगे और देखेंगे कि पर्यावरण नियमों का पालन हो रहा है या नहीं। एक फैक्ट्री पर पहले से ही गंभीर उल्लंघन के आरोप हैं, जिसमें गंदे पानी का सही ट्रीटमेंट न होना और नियमों की अनदेखी शामिल है। उस पर पहले ही लाखों का पर्यावरण जुर्माना भी लगाया जा चुका है। अब कोर्ट ने साफ कर दिया है कि पूरी सच्चाई स्वतंत्र जांच के बाद ही सामने आएगी और 30 दिन के अंदर रिपोर्ट पेश करना होगा।

पेयजल की नियमित जलापूर्ति और शुद्धता की जांच जरूरी- मुख्य सचिव

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत राज्य में नियमित जलापूर्ति और पेयजल की शुद्धता की निरंतर जांच कराने के कड़े निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए हैं। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में मंत्रालय (महानदी भवन) में राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन की अपेक्स कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में जल जीवन मिशन 2.0 के क्रियान्वयन की कार्ययोजना, पीएम जनमन कार्यक्रम के तहत पीवीटीजी बसाहटों में पेयजल व्यवस्था, आवश्यक संसाधन, प्रशिक्षण, जनभागीदारी, जल संरक्षण तथा सुजलम भारत डिजिटल प्लेटफॉर्म सहित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही, भू-जल के विवेकपूर्ण उपयोग और जल स्रोतों की सुरक्षा के लिए 'जल अर्पण' की नई पहल पर भी विचार-विमर्श किया गया।

बुनियादी ढांचे के बाद अब सुचारू संचालन और मॉनिटरिंग पर जोर

मुख्य सचिव ने कहा कि विभिन्न गांवों और बसाहटों में पानी की टंकियां तथा नल लगाने का काम पूरा होने के बाद अब सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी नियमित जलापूर्ति और पानी की गुणवत्ता बनाए रखना है। ग्राम पंचायतों को नल-जल योजनाओं के संचालन एवं रख-रखाव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके लिए गठित समितियों में महिलाओं की भागीदारी को अनिवार्य किया गया है। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को ग्राम पंचायतों के साथ बेहतर समन्वय बनाकर सहयोग करने के निर्देश दिए।

ऑनलाइन दवा बिक्री के खिलाफ 18 हजार मेडिकल स्टोर बंद

रायपुर-बिलासपुर में दुकानें नहीं खुलीं, स्वास्थ्य मंत्री बोले- मरीजों को नहीं हुई परेशानी

रायपुर। ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में देशभर में केमिस्ट संगठन हड़ताल पर रहे। छत्तीसगढ़ में करीब 18 हजार मेडिकल स्टोर बंद रहे, जिनमें थोक और रिटेल दोनों दुकानें शामिल रहे। रायपुर, बिलासपुर में सुबह से मेडिकल स्टोर नहीं खुले। हालांकि, रायपुर में धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर की ब्रांच में लोग दवाई लेने पहुंच रहे हैं।

सरगुजा में भी ऑनलाइन फॉर्मेसी के खिलाफ केमिस्ट संघ ने बाइक रैली निकाली, अपोलो फार्मेसी के सामने प्रदर्शन और नारेबाजी कर दुकान बंद कराई। बस्तर जिले में 300 और जगदलपुर शहर में करीब 120 मेडिकल दुकानें बंद हैं। हालांकि, मरीजों की सुविधा के लिए संचालकों ने ऑनलाइन नंबर जारी किए।

रायगढ़ में भी करीब 760 मेडिकल दुकानें बंद रहीं, दवा विक्रेताओं ने रामनिवास टॉकीज चौक पर प्रदर्शन किया और मरीजों की सुविधा के लिए इमरजेंसी नंबर जारी किए। सूरजपुर जिले में भी मेडिकल दुकानें बंद रही।

संगठनों का कहना है कि ऑनलाइन कंपनियों की भारी छूट से छोटे मेडिकल स्टोर्स का कारोबार प्रभावित हो रहा है। दवा व्यापारियों के इस आंदोलन को कैट, चेंबर ऑफ कॉमर्स और कांग्रेस के चिकित्सा प्रकोष्ठ ने समर्थन दिया।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि लोकतंत्र में सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है। हड़ताल से मरीजों को कोई परेशानी नहीं होगी और स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड पर है।

अमर बोले- स्थानीय बाजार व्यवस्था के संरक्षण का विषय

कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी ने कहा कि यह सिर्फ दवा कारोबार का मुद्दा नहीं, बल्कि छोटे व्यापारियों और स्थानीय बाजार को बचाने का मामला है।

डिस्ट्रिक्ट केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष विनय कृपलानी ने कहा कि ऑनलाइन दवा बिक्री और भारी छूट की वजह से स्थानीय मेडिकल स्टोर्स का कारोबार प्रभावित हो रहा है। इससे छोटे व्यापारियों पर संकट बढ़ रहा है।

स्थानीय व्यापारियों के हितों पर ध्यान दे सरकार

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के चिकित्सा प्रकोष्ठ ने भी दवा व्यापारियों की हड़ताल का समर्थन किया है। प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. राकेश गुप्ता ने कहा कि बड़ी ऑनलाइन और विदेशी कंपनियां भारी छूट देकर स्थानीय दवा कारोबार को नुकसान पहुंचा रही हैं।

उन्होंने कहा कि यह लड़ाई सिर्फ दवा व्यापारियों की नहीं, बल्कि छोटे कारोबारियों की भी है। कांग्रेस ने सरकार से मांग की है कि स्थानीय व्यापारियों और जनस्वास्थ्य को ध्यान में रखकर फैसले लिए जाएं।

कृषि महाविद्यालय में पूर्व अधिष्ठाताओं एवं पूर्व छात्रों का होगा सम्मान

22 मई को वार्षिक समारोह और छात्र संघ शपथ ग्रहण भी होगा

रायपुर। कृषि महाविद्यालय, रायपुर द्वारा महाविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर शुक्रवार को दोपहर 02 बजे से वार्षिक समारोह, छात्र संघ शपथ ग्रहण, पूर्व अधिष्ठाता सम्मान तथा पूर्व छात्र सम्मान समारोह का भव्य आयोजन कृषक सभागार इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल के मुख्य अतिथ्य में आयोजित महाविद्यालय स्थापना दिवस समारोह से होगी। इसके पश्चात नवगठित छात्र संघ के पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा जिसमें वे छात्र हित, अनुशासन एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करेंगे।

इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय, रायपुर के पूर्व अधिष्ठातों का सम्मान किया जाएगा, जिन्होंने अपने कार्यकाल में महाविद्यालय को शैक्षणिक, अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। साथ ही, विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल करने वाले महाविद्यालय के पूर्व छात्रों (Alumni) का भी सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित वार्षिक समारोह में कृषि महाविद्यालय, रायपुर के विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी जाएँगी, जो महाविद्यालय की प्रतिभा, सृजनशीलता और सांस्कृतिक समृद्धि का परिचय देंगी। महाविद्यालय परिवार ने सभी प्राध्यापकों, विद्यार्थियों, पूर्व छात्रों एवं अतिथियों से इस गरिमामय आयोजन में सहभागिता कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने का आग्रह किया है।

शहर को सुव्यवस्थित बनाने लगातार किए जा रहे कार्य : वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी

रायपुर। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने नगर पालिक निगम रायगढ़ क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास करते हुए कहा कि रायगढ़ शहर को सुव्यवस्थित, आधुनिक और जनसुविधाओं से समृद्ध बनाने के उद्देश्य से लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शहर के विकास में अधोसंरचना विस्तार, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सुविधाओं और युवाओं के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

साहू समाज सामुदायिक भवन का लोकार्पण

वित्त मंत्री चौधरी ने नगर निगम के वार्ड क्रमांक 28 में विधायक निधि से लगभग 20 लाख रुपये की लागत से निर्मित साहू समाज सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि सामुदायिक भवन सामाजिक गतिविधियों, बैठकों, सांस्कृतिक आयोजनों और पारिवारिक कार्यक्रमों के लिए महत्वपूर्ण केंद्र होते हैं।

नौतपा से पहले ही तपने लगा छत्तीसगढ़

अगले चार दिनों के लिए लू का अलर्ट

रायपुर। नौतपा के पहले ही छत्तीसगढ़ तपने लगा है। पिछले कुछ दिनों से प्रदेश में चटखने वाली गर्मी पड़ रही है। मंगलवार को भी राजधानी रायपुर का अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस था। लेकिन 45 डिग्री सेल्सियस जैसी गर्मी महसूस हो रही थी। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में तापमान में लगातार बढ़ोतरी और प्रदेश के मध्य व उत्तरी हिस्सों में भीषण गर्मी पड़ने की संभावना जताई है। इस बीच मौसम विभाग ने लू का अलर्ट भी जारी किया है और दोपहर को गर्मी से बचने की सलाह भी दी है।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अगले चार दिनों में अधिकतम तापमान में करीब चार डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि हो सकती है। इस दौरान पारा 45 डिग्री पार भी जा सकता है। इसके चलते कई जिलों में लू जैसी स्थिति बनने के आसार हैं। मंगलवार को बिलासपुर प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां तापमान 43.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान 25.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

राजधानी रायपुर में बुधवार को आसमान साफ रहने की संभावना जताई गई है। शहर का अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने लोगों को दोपहर के समय तेज धूप और गर्म हवाओं से बचने की सलाह दी है।

कब से प्रारंभ हो रहा है नौतपा?

छत्तीसगढ़ में इस वर्ष नौतपा की शुरुआत 25 मई से होगी। ज्योतिष और पंचांग के अनुसार, जब सूर्य देव रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं, तभी नौतपा प्रारंभ माना जाता है।

आकाशवाणी के 90 वर्ष : रायपुर में 22 मई को सजेगा 'स्वरोत्सव', लोक और शास्त्रीय संगीत की होगी विशेष प्रस्तुति

रायपुर। आकाशवाणी' भारतीय रेडियो प्रसारण के गौरवमयी 90 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आकाशवाणी रायपुर द्वारा 22 मई को राजधानी रायपुर में भव्य संगीत संध्या 'स्वरोत्सव' का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम रायपुर के शांति नगर स्थित विमतारा ऑडिटोरियम में सायं 6:30 बजे से रात्रि 10 बजे तक आयोजित होगा।

देश की समृद्ध प्रसारण परंपरा, सांस्कृतिक विरासत और जनसंचार में रेडियो की ऐतिहासिक भूमिका को समर्पित इस विशेष आयोजन में लोक, सुगम और शास्त्रीय संगीत की मनमोहक प्रस्तुतियां होंगी। आकाशवाणी ने कहा है कि पिछले नौ दशकों में रेडियो ने देश के सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सूचना, शिक्षा और मनोरंजन के सशक्त माध्यम के रूप में रेडियो ने गांव से लेकर महानगर तक करोड़ों लोगों को जोड़ने का कार्य किया है। बदलती तकनीक और डिजिटल युग के बावजूद आकाशवाणी आज भी विश्वसनीय और जनप्रिय प्रसारण माध्यम के रूप में अपनी पहचान बनाए हुए है।

'स्वरोत्सव' के माध्यम से आकाशवाणी रायपुर न केवल रेडियो की ऐतिहासिक यात्रा का उत्सव मनाएगा, बल्कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध संगीत परंपरा और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को भी नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास करेगा। कार्यक्रम में प्रदेश और देश के ख्यातिप्राप्त कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। सुगम संगीत प्रस्तुति में पद्मश्री सम्मान से अलंकृत सुप्रसिद्ध लोक कलाकार मदन चौहान मुख्य आकर्षण होंगे। वे अपनी विशिष्ट लोक शैली और लोकप्रिय गीतों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। उनके साथ जपत चौहान और करण साहू गायन में संगत देंगे, जबकि महेन्द्र चौहान तबले पर, कुनाल चौहान ढोलक पर, राहुल चौधरी सिंथेसाइजर पर तथा वैभव कुमार बरमल ऑक्टोपैड पर संगत करेंगे।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने मनाया विश्व मधुमक्खी दिवस

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसाधनों के संरक्षण और विवेकपूर्ण उपयोग के संदेश को आगे बढ़ाते हुए सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के अंतर्गत खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने बुधवार को 'विश्व मधुमक्खी दिवस-2026' वर्चुअल माध्यम से मनाया। इस अवसर पर आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार ने गांधी दर्शन कार्यालय से देशभर के राज्य एवं मंडलीय कार्यालयों, मधुमक्खी पालकों, वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों, अधिकारियों और लाभार्थियों को ऑनलाइन संबोधित किया। साथ ही केंद्रीय मधुमक्खी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, पुणे में आयोजित 'हनी प्रदर्शनी' का भी वर्चुअल शुभारंभ किया गया।

'Bee Together for People and the Planet' थीम पर आयोजित कार्यक्रम में मधुमक्खियों की पर्यावरण संरक्षण, कृषि उत्पादकता और जैव विविधता को सुदृढ़ बनाने में भूमिका पर विशेष जोर दिया गया। अध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री Narendra Modi के 'श्वेत क्रांति से स्वीट क्रांति' के विजन ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि मधुमक्खी पालन आज स्वरोजगार, खेती और पर्यावरण संरक्षण का सशक्त माध्यम बन चुका है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष विश्व मधुमक्खी दिवस का आयोजन वर्चुअल माध्यम से करने का निर्णय प्रधानमंत्री के ऊर्जा संरक्षण और कम संसाधनों में प्रभावी आयोजन के दृष्टिकोण के अनुरूप लिया गया। इससे अनावश्यक यात्रा और ईंधन की खपत में कमी आई तथा देशभर से अधिकाधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित हुई।

अध्यक्ष ने कहा कि जब पूरी दुनिया मधुमक्खियों के संरक्षण को लेकर चिंतित है, तब भारत ने इस दिशा में सकारात्मक पहल की है। उन्होंने याद दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2016 में गुजरात के बनासकांठा से 'स्वीट क्रांति' का आह्वान किया था।

उसी प्रेरणा से वर्ष 2017 में खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने 'हनी मिशन' शुरू किया, जो आज ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आत्मनिर्भरता का प्रभावी माध्यम बन चुका है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अनुसार 'हनी मिशन' के तहत वर्ष 2017-18 से 2025-26 तक देशभर में 2 लाख 46 हजार 99 बी-बॉक्स और बी-कालोनियों का वितरण किया गया है।

'गिफ्ट तिलापिया की वैज्ञानिक खेती' पर चिंतन शिविर आज

मत्स्य पालन मंत्री रामविचार नेताम करेंगे शिविर का शुभारंभ

रायपुर। समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण भारत सरकार के मत्स्य पालन विभाग और राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को राजधानी रायपुर के व्हीआईपी रोड स्थित होटल बेबीलॉन में 10 बजे से एक दिवसीय चिंतन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर का उद्घाटन कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम द्वारा किया जाएगा। गिफ्ट तिलापिया की वैज्ञानिक खेती विषय पर केंद्रित इस शिविर में राज्य के अंतर्देशीय जल संसाधनों को निर्यात की वैश्विक श्रृंखला से जोड़ने पर विस्तृत विचार-विमर्श किया जाएगा। छत्तीसगढ़ के लिए यह गौरव का विषय है कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित 34 कलस्टर्स में से छत्तीसगढ़ को देश के एकमात्र तिलापिया कलस्टर के रूप में पहचान मिली है। वर्ष 2025-26 में भारत का समुद्री उत्पाद निर्यात 72 हजार 325.82 करोड़ रुपये के ऐतिहासिक रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है, जिसे और गति देने के लिए अब तिलापिया जैसी प्रजातियों की वैज्ञानिक खेती पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कार्यक्रम में कृषि उत्पादन आयुक्त एवं सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी और विशेषज्ञ उपस्थित रहकर राज्य में मछली पालन की उत्पादन क्षमता और निर्यात की संभावनाओं पर मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

कर्मचारियों की सकारात्मक पहल, एक ही गाड़ी में पहुंचे अफसर- कर्मचारी

महासमुंद। छत्तीसगढ के महासमुंद बसना अनुविभाग मे सुशासन तिहार के दौरान एक प्रेरणादायी और अनोखी पहल देखने को मिली। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) हरिशंकर पैकरा, तहसीलदार के.के. साहू तथा जनपद पंचायत सीईओ पीयूष ठाकुर सहित 23 सदस्यीय अधिकारी-कर्मचारियों की टीम एक साथ बस में सफर कर सुशासन तिहार शिविर हेतु ग्राम नगौड़ी पहुँची।

यह केवल साधारण यात्रा तक सीमित नहीं रही, बल्कि वर्तमान समय में ईंधन संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा एवं शासकीय कार्यों में मितव्ययिता का एक सशक्त संदेश बनकर उभरा है। तत्कालीन सीएम डा रमन सिंह के कार्यकाल में भी कर्मचारी अधिकारी एक ही बस में शिविर में पहुंचते थे। बहराहाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग एवं जनहित में जिम्मेदार व्यवहार की अपील को व्यवहार में उतारते हुए बसना प्रशासन ने यह पहल किया। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर विनय लंगेह ने कल ही समय-सीमा की बैठक में सभी विभागों को शासकीय कार्यों में मितव्ययिता बरतने तथा अनावश्यक व्यय कम करने के निर्देश दिए थे। इन्हीं निर्देशों के पालन में बसना अनुविभाग की टीम ने सामूहिक बस यात्रा को अपनाया।

अनुविभागीय अधिकारी हरिशंकर पैकरा ने कहा कि प्रशासन का एक महत्वपूर्ण अंग होने के नाते हमारी जिम्मेदारी है कि शासन के निर्देशों का पालन करते हुए समाज के सामने सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि सामूहिक यात्रा से न केवल ईंधन की बचत होती है, बल्कि आपसी समन्वय और टीम भावना भी मजबूत होती है। इस यात्रा को अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सुखद और उपयोगी बताया। सभी ने इस पहल का स्वागत करते हुए भविष्य में भी सुशासन तिहार एवं अन्य शासकीय कार्यक्रमों में सामूहिक बस यात्रा को प्राथमिकता देने की बात कही।

संक्षिप्त खबरें

पीएम आवास का लिया पैसा, लेकर नहीं बनाया मकान, अब 455 हितग्राहियों को नोटिस जारी

तखतपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि लेकर वर्षों तक मकान निर्माण नहीं करने वाले हितग्राहियों पर अब नगर पालिका प्रशासन ने कड़ा रुख अपना लिया है। योजना की पहली किस्त हड़पकर बैठे 455 हितग्राहियों को अंतिम नोटिस जारी करते हुए 24 घंटे के भीतर निर्माण कार्य शुरू करने या सरकारी राशि वापस जमा करने का अल्टीमेटम दिया गया है। आदेश का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ एफआईआर, रिकवरी और कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। जानकारी के अनुसार वर्ष 2020-22 में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सैकड़ों हितग्राहियों को मकान निर्माण के लिए लगभग 55 से 56 हजार रुपये की प्रथम किस्त जारी की गई थी। लेकिन चार से पांच साल बीत जाने के बाद भी बड़ी संख्या में हितग्राहियों ने न तो मकान निर्माण शुरू किया और न ही राशि लौटाई। इस कारण योजना की करोड़ों रुपये की राशि फंस गई है। नगर पालिका प्रशासन के मुताबिक ऐसे 455 हितग्राहियों के पास करीब ढाई करोड़ रुपये से अधिक की सरकारी राशि अटकी हुई है। अब प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए सभी को अंतिम नोटिस जारी कर दिया है। नोटिस मिलते ही एक हितग्राही ने पूरी राशि वापस जमा कर दी, जबकि दो अन्य ने किस्तों में राशि लौटाने की अनुमति मांगी है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी अमरेश सिंह ने स्पष्ट कहा है कि जिन हितग्राहियों ने शासन की राशि लेने के बाद भी आवास निर्माण नहीं किया है, उनके खिलाफ अब किसी प्रकार की नरमी नहीं बरती जाएगी।

'एम सी बी जिले को मिली सुरक्षा की नई ताकत'

मनेन्द्रगढ़। मनेंद्रगढ़ स्थित कोतवाली थाना परिसर में सुरक्षा एवं आपातकालीन सेवाओं को नई मजबूती मिली, जब स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने डायल-112 फेज-2 (नेक्स्ट जेन) सेवा के तहत एमसीबी जिले को प्राप्त 8 अत्याधुनिक इमरजेंसी रिस्पॉन्स व्हीकल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने कहा कि आज एमसीबी जिले के लिए ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण दिन है। डायल-112 नेक्स्ट जेन सेवा के माध्यम से जिले को आधुनिक तकनीक से लैस इमरजेंसी रिस्पॉन्स व्हीकल एवं एम्बुलेंस की सौगात मिली है, जिससे आपातकालीन सेवाएं पहले से अधिक तेज, प्रभावी और भरोसेमंद बनेंगी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तथा गृह मंत्री विजय शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार नागरिकों की सुरक्षा और त्वरित राहत सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। नई व्यवस्था से दुर्घटना, अपराध, स्वास्थ्य आपातकाल, महिला सुरक्षा, अग्निकांड और अन्य संकट की स्थिति में लोगों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जा सकेगी।

हार्ट अटैक से सीआरपीएफ जवान की मौत, मेकॉज में उपचार के दौरान तोड़ा दम

बीजापुर। जिले के थाना भैरमगढ़ क्षेत्र अंतर्गत फुंदरी सीआरपीएफ कैंप में पदस्थ सीआरपीएफ जवान सुभाष डे का हार्ट अटैक से निधन हो गया। उपचार के दौरान मेकॉज में उन्होंने दम तोड़ दिया।

मिली जानकारी के अनुसार, पश्चिम बंगाल के बांकुरा जिले के शिमलापाल थाना क्षेत्र निवासी 32 वर्षीय सुभाष डे बीजापुर जिले में 165वीं बटालियन में आरक्षक के रूप में पदस्थ थे। वे 23 अप्रैल 2024 को 192वीं बटालियन से स्थानांतरित होकर बीजापुर आए थे। बताया गया कि 17 मई को अचानक उन्हें हार्ट अटैक आया, जिसके बाद उन्हें बीजापुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने पर बेहतर इलाज के लिए मेकॉज रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान 19 मई की देर रात उनकी मौत हो गई। आज बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद पार्थिव शरीर उनके गृहग्राम पश्चिम बंगाल भेजा जाएगा।

100 एकड़ पर चला बुलडोजर

सरकारी जमीन पर लंबे समय से अवैध कब्जा कर प्लाटिंग और व्यावसायिक कारोबार चल रहा था

राजनंदगांव। राजनांदगांव में प्रशासन ने अवैध कब्जों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 100 अवैध भूमि को खाली करा दिया है। इस कार्रवाई में अवैध प्लाटिंग, भव्य महल और अन्य इमारतों को बुलडोजर से हटा दिया गया। बताया जा रहा है कि यह कब्जा किए गए दुर्ग का एक बड़ा स्मारक था। प्रशासन का कहना है कि सरकारी जमीन पर लंबे समय से अवैध कब्जा कर प्लाटिंग और व्यावसायिक कारोबार किया जा रहा है। इस मामले में रजिस्ट्रार नियुक्त यादव के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के दौरान प्रशासन टीम ने अवैध रूप से बनाए गए महलों को भी ध्वस्त कर दिया। इसके अलावा जमीन से अवैध प्लाटिंग को पूरी तरह से हटा दिया गया। अधिकारियों के कहने पर बिना स्वामित्व और विरोध के स्तर पर बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जा रहा था। कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल भी मौजूद रहा ताकि किसी तरह की स्थिति न बनी रहे। स्थानीय लोगों की भी भीड़ लगी रही। जिले में अब तक बड़ी अवैध कार्रवाई पर विचार चल रहा है। प्रशासन का कहना है कि अवैध कारोबार और प्लाटिंग से सरकारी राजस्व को भारी नुकसान हो रहा है। अधिकारियों के अनुसार ज़मीन पर करोड़ों का इस्तेमाल नहीं बल्कि अरबों रुपयों का नुकसान प्रशासन को किया जा रहा था। जांच में कई दस्तावेजों की जानकारी सामने आने के बाद कार्रवाई का निर्णय लिया गया। प्रशासन अब इस मामले में जमीन और जमीन से जुड़े रिकॉर्ड की भी जांच कर रहा है। मामले के बाद जिलों में अन्य अवैध कब्जों पर भी कार्रवाई की चर्चा तेज हो गई है। इस कार्रवाई के बाद जिलास्तर पर पंचायत प्रतिनिधि यादव का उत्पीड़न हुआ है। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। अधिकारियों का कहना है कि रेलवे को सौंपे गए निर्माण कार्य में किसी भी तरह की कोई आपत्ति नहीं होगी। इस कार्रवाई के बाद कई अन्य अवैध निर्माण करने वाले लोगों को भी रोका गया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन की कार्रवाई का समर्थन करते हुए कहा कि लंबे समय से इस जमीन को लेकर चर्च की जा रही थी।

घर घुसकर महिलाओं से बदमाशों ने की मारपीट, रंजिश का मामला

कोरबा। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत सीतामढ़ी इलाके में मंगलवार देर शाम पुरानी रंजिश को लेकर जमकर बवाल हो गया। 15 से 20 की संख्या में पहुंचे बदमाशों ने एक घर में घुसकर महिलाओं, बच्चों और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मारपीट की। पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी वायरल हो रह है, जिसमें आरोपियों की बर्बरता दिखाई दे रही है।

जानकारी के मुताबिक, बदमाश लाठी-डंडों से लैस होकर सीतामढ़ी स्थित नैना गोस्वामी के घर पहुंचे। आरोप है कि आरोपियों ने पहले घर का दरवाजा तोड़ा और फिर जबरन अंदर घुसकर परिवार पर हमला कर दिया। इस दौरान नैना गोस्वामी, उसकी बहन, बच्चों और जीजा के साथ बेरहमी से मारपीट की गई। महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार किए जाने का भी आरोप है। वायरल वीडियो में लहूलुहान हालत में दिख रही पीड़िता नैना गोस्वामी ने बताया कि पुरानी रंजिश के चलते आरोपियों ने इस वारदात को अंजाम दिया। उन्होंने कहा कि हमलावरों ने घर में घुसते ही गाली-गलौज शुरू कर दी और विरोध करने पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घटना में नैना गोस्वामी और उसकी बहन को गंभीर चोटें आई हैं। पीड़ित परिवार ने मामले की शिकायत कोरबा पुलिस के कोतवाली थाना और पुलिस अधीक्षक कार्यालय में दर्ज कराई है। परिवार ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

एजेंसी के झांसे में लेकर कारोबारी से ठगे 7.87 लाख

बिलासपुर। एफएमसीजी कारोबार से जुड़े एक व्यापारी को बड़ी बिस्किट कंपनी की चैनल सेल्स एजेंसी दिलाने का सपना दिखाकर करीब 7.87 लाख रुपये की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि खुद को कंपनी का नेशनल सेल्स हेड और डायरेक्टर बताने वाले लोगों ने कारोबारी से एडवांस रकम जमा कराई, लेकिन वादे के मुताबिक माल नहीं भेजा। जो सामान पहुंचा भी, वह दूसरी कंपनियों का निकला।

सरकंडा क्षेत्र निवासी माधव अग्रवाल 'माधव इंटरप्राइजेस' के नाम से एफएमसीजी उत्पादों की डिस्ट्रीब्यूशन और चैनल सेल्स एजेंसी का काम करते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि नवंबर-दिसंबर 2025 के दौरान सुरेश साव नामक व्यक्ति ने उनसे संपर्क किया। उसने खुद को 'बंगाल फूड एंड बेवरेज कंपनी' का नेशनल सेल्स हेड बताते हुए बिलासपुर क्षेत्र की अधिकृत सीएसए एजेंसी देने का प्रस्ताव रखा।

इसके बाद कुमार सिन्हा और राकेश सिन्हा नाम के लोगों से भी बातचीत कराई गई। आरोपियों ने कंपनी का बड़ा नेटवर्क और अच्छे कारोबार का भरोसा दिलाकर एडवांस राशि मांगी। माधव अग्रवाल ने अलग-अलग तारीखों में आरटीजीएस समेत अन्य माध्यमों से कुल 7 लाख 87 हजार 156 रुपये कंपनी के खाते में जमा कर दिए। रकम मिलने के बाद आरोपियों ने फर्जी सेल्स बिल और ई-वे बिल भेजे, ताकि सौदा असली लगे। काफी इंतजार के बाद जो माल पहुंचा, उसमें दूसरी कंपनियों के बिस्किट और अन्य उत्पाद निकले। शेष माल कभी भेजा ही नहीं गया। विरोध करने पर आरोपियों ने फोन उठाना बंद कर दिया। मामले की शिकायत पर सरकंडा पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अमाडांड गांव के लोगों ने देखा सफेद रंग का भालू, हुए रोमांचित

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। मरवाही वन मंडल अमाडांड गांव के आसपास लोगों ने काले भालुओं के बीच एक सफेद रंग के भालू को देखा, जिसके बाद उसे देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ जंगल की ओर पहुंचने लगी वहीं डर का माहौल भी बना हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सफेद भालू ने अचानक लल्लू ड्राइवर नामक ग्रामीण पर हमला कर दिया। इस हमले में उसके हाथों में चोट आई है। घायल को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। ग्रामीणों का कहना है कि इस इलाके में पहली बार पूरी तरह सफेद रंग का भालू देखा गया है। खबर फैलते ही आसपास के गांवों से भी लोग मौके पर पहुंचने लगे। कई लोग मोबाइल से फोटो और वीडियो बनाने के लिए जंगल की ओर जा रहे हैं। वन विभाग ने लोगों से सतर्क रहने और भालू के पास न जाने की अपील की है। अधिकारियों ने कहा है कि अकेले जंगल में प्रवेश न करें और वन्यजीवों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें।

वन्यजीव विशेषज्ञों के मुताबिक यह कोई अलग प्रजाति नहीं, बल्कि एल्बोनिज्म नामक आनुवंशिक स्थिति का मामला है। इसमें शरीर में रंग बनाने वाले पिगमेंट की कमी या अभाव के कारण जानवर सफेद दिखाई देता है।

45 वर्षों से अटकी प्रस्तावित बोधघाट परियोजना का नया सर्वे तय करेगा दिशा

जगदलपुर। दंतेवाड़ा जिले के बारसुर के पास इंद्रावती नदी पर प्रस्तावित बोधघाट बहुउद्देशीय परियोजना को छत्तीसगढ़सरकार पुनर्जीवित करने के फैसले के बाद दिल्ली की वेपकोस लिमिटेड ने एक बार फिर सर्वे शुरू कर दिया है। यह परियोजना विगत 45 वर्षों से विकास की फाइलों और विस्थापन के डर के बीच अटकी हुई है, लेकिन अब इसे बस्तर की नई लाइफ लाइन बनाने की तैयारी में है। बोधघाट प्रोजेक्ट का इतिहास जितना पुराना है, इसकी लागत का ग्राफ भी उतनी ही तेजी से बढ़ा है। 1979 में जब योजना पहली बार आई, तब इसका स्वरूप और बजट आज के मुकाबले बेहद कम था। लेकिन समय के साथ तकनीकी बदलावों और महंगाई के कारण इस प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत अब 49 हजार करोड़ रुपए के पार जा चुकी है। वर्तमान में वेपकोस लिमिटेड की ओर से किया जा रहा नया सर्वे इस परियोजनाकी दिशा तय करेगा। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार अगले तीन महीनों के भीतर सर्वे का काम पूरा कर लिया जाएगा। इसी आधार पर डीपीआर मतलब नई विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार होगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय स्वयं इस परियोजनाकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं। इससे साफ है कि सरकार इस बार इसे निर्णायक मोड़ तक ले जाने के मूड में है। वेपकोस लिमिटेड द्वारा तेजी से सर्वे कार्य जारी है। इसके बाद प्रशासनिक स्तर पर विस्थापन एवं पुनर्वास नीति पर काम होगा। हालांकि, 45 साल बाद भी प्रशासन की मूल चुनौतियां वही हैं जिसके कारण प्रस्तावित बोधघाटपरियोजना अटकी हुई थी। गौरतलब है कि 1979 में मध्यप्रदेश के दौर में केंद्र सरकार ने इंद्रावती नदी पर बोधघाट प्रोजेक्ट मंजूर किया गया था, तब इसका उद्देश्य 500 मेगावाट बिजली उत्पादन का था। वर्ष 2020 के आस-पास इसे पुनर्जीवित करने की कोशिशें शुरू हुईं। अब इसका स्वरूप बिजली उत्पादन से बदलकर बहुउद्देशीय कर दिया है, वर्तमान में इसकी लागत लगभग 49 हजार करोड़ रुपए हो गई है।

लोक निर्माण विभाग के सचिव ने कुरुद-सिर्री-चटौद सड़क का किया निरीक्षण

धमतरी। लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने धमतरी शहर में बनने वाले दो फोरलेन सड़कों की जगह देखी। लोक निर्माण विभाग द्वारा रत्नाबांधा चौक से कांकेर बायपास तक पांच किलोमीटर तथा सिहावा चौक से नगरी रोड में पांच किलोमीटर सड़क का फोरलेन के रूप में उन्नयन किया जा रहा है। इन दोनों सड़कों का काम जल्दी ही शुरू होगा। बंसल ने अच्छी गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए दोनों सड़कों के काम समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश कार्यपालन अभियंता को दिए।

विभागीय सचिव ने धमतरी जिले में कुरुद-चरमुड़िया-गोबरा-सिवनी-चिंवरी-सिर्री सड़क के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण कार्य का निरीक्षण किया। लोक निर्माण विभाग द्वारा 30 करोड़ 38 लाख रुपए से अधिक की लागत से इस 9.3 किमी सड़क का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण किया जा रहा है। इसे फरवरी-2027 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है।

बंसल ने सिर्री-फुसेरा-करगा-चटौद सड़क चौड़ीकरण के कार्यों को भी देखा। उन्होंने अच्छी गुणवत्ता के साथ सड़क का काम तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए। विभाग द्वारा 15 करोड़ 53 लाख रुपए की लागत से 9.6 किमी सड़क का चौड़ीकरण किया जा रहा है। धमतरी के कलेक्टर अबिनाश मिश्रा और लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता वी.के. भतपहरी भी दोनों सड़कों के निरीक्षण के दौरान मौजूद थे।

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में जगदलपुर के मेडिकल स्टोर बंद रहे

जगदलपुर। ऑनलाइन दवाइयों की बिक्री और भारी डिस्काउंट के विरोध में देशभर के मेडिकल स्टोर संचालकों ने बुधवार को दुकानें बंद रखीं। हड़ताल का आह्वान ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट और रिटेलर डिस्ट्रीब्यूटर एंड केमिस्ट अलायंस (आरडीसीए) ने किया था। दिल्ली समेत कई राज्यों में मेडिकल स्टोर संचालकों से हड़ताल में शामिल होने की अपील की गई है। ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स बुधवार को देशभर में मेडिकल स्टोर बंद रखने का आह्वान किया है। लेकिन अस्पतालों के बाहर स्थित मेडिकल स्टोर खुले रहे। छतीसगढ़ में इस बंद का असर देखने को मिला। जगदलपुर में भी मेडकल स्टोर बंद नजर आए।

डॉ. बसंत गोयल ने बताया कि ऑनलाइन दवा बिक्री के खिलाफ कई वर्षों से सरकार से शिकायत की जा रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

उन्होंने कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए दवाइयों की बिक्री नियमों के खिलाफ है और इससे छोटे मेडिकल स्टोर कारोबारियों को भारी नुकसान हो रहा है। उन्होने बताया कि ड्रग एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट 1940 के अनुसार दवाई केवल डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन पर और लाइसेंस प्राप्त मेडिकल स्टोर से फार्मासिस्ट द्वारा ही दी जा सकती है।

बिना प्रिस्क्रिप्शन दवाई देना कानूनन गलत है। इसके बावजूद कई ऑनलाइन कंपनियां नियमों का उल्लंघन कर दवाइयों की डिलीवरी कर रही हैं। मेडिकल स्टोर संचालकों का कहना है कि पहले लोग सीधे मेडिकल स्टोर पर दवाई लेने आते थे, लेकिन अब ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के बढ़ते इस्तेमाल से उनका कारोबार प्रभावित हो रहा है। उन्होंने सरकार से ऑनलाइन दवा बिक्री पर रोक लगाने की मांग की है।

जशपुर में नशामुक्ति केंद्र एवं सियान गुड़ी के हितग्राहियों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

जशपुर। राज्य शासन की जनकल्याणकारी सोच के अनुरूप समाज के संवेदनशील वर्गों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से जिला जशपुर में स्वास्थ्य विभाग एवं समाज कल्याण विभाग के समन्वय से विशेष स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पहल के तहत जिला अस्पताल की विशेषज्ञ चिकित्सा टीम ने नशामुक्ति केंद्र तथा सियान गुड़ी पहुंचकर वहां रह रहे हितग्राहियों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक जांच की।

शिविर के दौरान चिकित्सकों द्वारा सामान्य स्वास्थ्य जांच, रक्तचाप, शुगर सहित विभिन्न आवश्यक परीक्षण किए गए। साथ ही हितग्राहियों को चिकित्सकीय परामर्श, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन एवं आवश्यक स्वास्थ्य सलाह प्रदान की गई। कार्यक्रम में मनोवैज्ञानिक काउंसिलिंग के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। विशेषज्ञों ने मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाने, आत्मविश्वास बढ़ाने तथा सामाजिक पुनर्वास की दिशा में भी मार्गदर्शन दिया।

सियान गुड़ी में वरिष्ठ नागरिकों को नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार, समय पर दवा सेवन एवं सक्रिय दिनचर्या बनाए रखने संबंधी जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ऐसे संयुक्त प्रयासों से जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच मजबूत हो रही है तथा नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण को बढ़ावा मिल रहा है।

संपादकीय

चीन-अमेरिका की निकटता से भारत के सामने वैश्विक चुनौतियाँ

ललित गर्ग

आज अमेरिका और चीन मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 44 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित करते हैं। विश्व व्यापार, तकनीकी विकास, ऊर्जा बाजार, वैश्विक निवेश, वित्तीय संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक निर्णयों पर इन दोनों देशों का गहरा प्रभाव है। ऐसे में इनके संबंधों में किसी भी प्रकार का बदलाव पूरी दुनिया की दिशा बदलने की क्षमता रखता है।

दुनिया एक बार फिर ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है जहाँ दो महाशक्तियों-अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते संवाद, आपसी मुलाकातों और कूटनीतिक समीकरणों को केवल द्विपक्षीय संबंधों के रूप में नहीं देखा जा सकता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच संवाद और संभावित समझौतों को लेकर पूरी दुनिया में चर्चाओं का दौर चल रहा है। एक वर्ग इसे विश्व अर्थव्यवस्था के लिए राहतकारी कदम मान रहा है, क्योंकि इससे बढ़ती महंगाई, व्यापारिक अवरोधों और युद्धजन्य संकटों में कमी आने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है, वहीं दूसरी ओर अनेक विशेषज्ञों का मानना है कि यह निकटता भविष्य में एक ऐसे विश्व संरचना को जन्म दे सकती है जहाँ दुनिया की दिशा पुन: कुछ महाशक्तियों के हाथों में सिमट जाए और विकासशील तथा अर्धविकसित देशों के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी हो जाएँ। भारत जैसे देशों के लिए यह परिस्थिति अवसर और चुनौती दोनों लेकर आई है।

आज अमेरिका और चीन मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 44 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित करते हैं। विश्व व्यापार, तकनीकी विकास, ऊर्जा बाजार, वैश्विक निवेश, वित्तीय संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक निर्णयों पर इन दोनों देशों का गहरा प्रभाव है। ऐसे में इनके संबंधों में किसी

भी प्रकार का बदलाव पूरी दुनिया की दिशा बदलने की क्षमता रखता है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध, टैरिफ विवाद, तकनीकी प्रतिबंध और ताइवान से जुड़े तनावों ने विश्व अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाला। कोरोना महामारी के बाद वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएँ टूट गईं, रूस-यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा संकट बढ़ाया और पश्चिम एशिया के संघर्षों ने दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेला। इन परिस्थितियों में यदि अमेरिका और चीन संवाद और सहयोग की दिशा में आगे बढ़ते हैं तो इससे वैश्विक आर्थिक स्थिरता को बल मिल सकता है।

विश्व अर्थव्यवस्था के संदर्भ में देखा जाए तो अमेरिका और चीन के बीच तनाव कम होने से सबसे पहले वैश्विक बाजारों को राहत मिलेगी। निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा, आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुधार होगा और इलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा, तकनीक तथा विनिर्माण क्षेत्रों में लागत घट सकती है। इससे महंगाई पर भी नियंत्रण संभव है। किंतु यह केवल तस्वीर का एक पक्ष है। दूसरा पक्ष यह है कि यदि दोनों महाशक्तियाँ वैश्विक व्यापारिक नियमों और आर्थिक नीतियों को अपने हितों के अनुसार तय करने लगें तो छोटे देशों की आर्थिक स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। दुनिया पहले भी उपनिवेशवाद और आर्थिक नियंत्रण की राजनीति देख चुकी है, अब आशंका यह है कि कहीं आर्थिक वैश्वीकरण का नया स्वरूप महाशक्तियों के संयुक्त वर्चस्व में परिवर्तित न हो जाए। इसी संदर्भ में 'जी-2' यानी अमेरिका और चीन केंद्रित विश्व व्यवस्था की चर्चा तेज हुई है। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विश्व धीरे-धीरे बहुध्रुवीय व्यवस्था से हटकर दो महाशक्तियों के प्रभाव वाले ढाँचे की ओर बढ़ सकता है। यदि ऐसा हुआ तो वैश्विक नीतियों, व्यापारिक समझौतों और सुरक्षा संबंधी निर्णयों में छोटे देशों की भूमिका सीमित हो सकती है। यह स्थिति भारत जैसे देशों के लिए विशेष चिंता का विषय है क्योंकि भारत हमेशा से बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था और सामूहिक वैश्विक नेतृत्व का समर्थक रहा है। भारत की स्थिति यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत न तो पूरी तरह अमेरिकी खेमे में है और न ही चीन के प्रभाव क्षेत्र में। भारत ने लंबे समय से रणनीतिक स्वायत्तता की नीति अपनाई है। अमेरिका के साथ भारत के रक्षा, तकनीकी और आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। क्वाड जैसे मंचों में भारत की सक्रिय भूमिका है। दूसरी ओर चीन भारत का पड़ोसी देश है और दोनों देशों के बीच सीमा विवादों के बावजूद व्यापारिक संबंध व्यापक हैं। यही कारण है कि अमेरिका और चीन की बढ़ती निकटता भारत के लिए केवल बाहरी घटना नहीं बल्कि रणनीतिक पुनर्मूल्यांकन का विषय है। भारत और चीन की तुलना करें तो चीन ने पिछले तीन दशकों में विनिर्माण, निर्यात, आधारभूत संरचना और तकनीकी उत्पादन के माध्यम से स्वयं को वैश्विक उत्पादन केंद्र के रूप में स्थापित किया। चीन की आर्थिक नीति केंद्रीकृत और तीव्र निर्णय क्षमता वाली रही है। इसके विपरीत भारत का विकास लोकतांत्रिक व्यवस्था, विविधता और संस्थागत संतुलन पर आधारित रहा है।

तपती कक्षाएँ और संवेदनहीन व्यवस्था क्या बच्चों और शिक्षकों को गर्मी नहीं लगती?

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत इस समय भीषण गर्मी के दौर से गुजर रहा है। हर वर्ष तापमान नए रिकॉर्ड बना रहा है। मौसम विभाग लगातार हीट वेव की चेतावनियाँ जारी करता है। लोग घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं। सरकारी कार्यालयों, निजी कंपनियों, बैंक, मॉल और बड़े संस्थानों में कूलर और एयर कंडीशनर की व्यवस्था सामान्य बात हो चुकी है। कर्मचारियों की सुविधा और कार्यक्षमता के लिए वातानुकूलित वातावरण को आवश्यक माना जाता है। लेकिन जब बात स्कूलों की आती है तो तस्वीर अचानक बदल जाती है। देश के लाखों बच्चे और शिक्षक आज भी तपती हुई कक्षाओं में बैठकर दिन बिताने को मजबूर हैं। ऐसा लगता है मानो व्यवस्था ने यह मान लिया हो कि केवल स्कूल के बच्चों और मास्टरों को ही गर्मी नहीं लगती।

यह केवल एक व्यंग्यात्मक टिप्पणी नहीं, बल्कि हमारे शिक्षा तंत्र की दुखद सच्चाई है। जिस देश में बच्चों को 'राष्ट्र का भविष्य' कहा जाता है, वहीं उन्हीं बच्चों को बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखा जाता है। शिक्षा के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, स्मार्ट क्लास, डिजिटल इंडिया और नई शिक्षा नीति की बातें होती हैं, लेकिन जब कोई सरकारी स्कूल की वास्तविक स्थिति देखता है तो सारे दावे खोखले दिखाई देते हैं। गर्मी के दिनों में कई सरकारी स्कूलों की स्थिति किसी भट्ठी से कम नहीं होती। कहीं टीन की छतें धूप में तपकर आग उगलती हैं, कहीं छोटे-छोटे कमरों में दर्जनों बच्चे ठूँस दिए जाते हैं। कई स्कूलों में पंखे खराब पड़े रहते हैं, तो कहीं बिजली की ही व्यवस्था नहीं होती। खिड़कियाँ या तो टूटी होती हैं या इतनी छोटी कि हवा का प्रवेश ही न हो सके। ऐसे वातावरण में बच्चे घंटों बैठकर पढ़ाई करने की कोशिश करते हैं।

कल्पना कीजिए, जब बाहर तापमान 45 डिग्री के पार हो और भीतर बैठा बच्चा पसीने से तरबतर हो, तब उसका ध्यान किताबों में कैसे लगेगा? छोटे बच्चे बार-बार पानी पीने के लिए उठते हैं, कुछ बच्चों को चक्कर आने लगते हैं, कई बच्चे थकान और बेचैनी से परेशान हो जाते हैं। कई बार हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन जैसी घटनाएँ भी सामने आती हैं। इसके बावजूद शिक्षा व्यवस्था में बैठे लोगों को यह समस्या शायद उतनी गंभीर नहीं लगती। शिक्षकों की स्थिति भी इससे अलग नहीं है। उन्हें उसी गर्म वातावरण में लगातार कई पीरियड लेने होते हैं। बोर्ड पर लिखना, बच्चों को संभालना और पढ़ाना, यह सब आसान नहीं होता। लेकिन विडंबना यह है कि जिन शिक्षकों पर भविष्य निर्माण की जिम्मेदारी है, उनकी कार्य परिस्थितियों पर सबसे कम ध्यान दिया जाता है।

यदि किसी सरकारी कार्यालय का एसी खराब हो जाए तो शिकायत तुरंत दर्ज होती है और मरम्मत की

व्यवस्था भी जल्दी हो जाती है। कर्मचारियों की सुविधा को 'कार्य दक्षता' से जोड़कर देखा जाता है। लेकिन स्कूलों में बच्चों और शिक्षकों के लिए कूलर या एसी की बात होते ही अक्सर यह कह दिया जाता है कि 'इतनी सुविधाएँ संभव नहीं हैं' या 'यह अनावश्यक खर्च है।' सवाल यह है कि क्या बच्चों का स्वास्थ्य और शिक्षा कम महत्वपूर्ण है? यदि आरामदायक वातावरण किसी कर्मचारी की कार्यक्षमता बढ़ा सकता है, तो वही वातावरण बच्चों की सीखने की क्षमता और मानसिक एकाग्रता को क्यों नहीं बढ़ाएगा?

आज बड़े शहरों के निजी स्कूलों में एयर कंडीशनर युक्त कक्षाएँ आम होती जा रही हैं। वहाँ पढ़ने वाले बच्चों को आधुनिक सुविधाएँ मिलती हैं। दूसरी ओर सरकारी स्कूलों के बच्चे बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष करते हैं। यह केवल सुविधा का अंतर नहीं, बल्कि सामाजिक असमानता का जीवंत उदाहरण है। एक तरफ अमीर बच्चों के लिए ठंडी और स्मार्ट कक्षाएँ हैं, दूसरी तरफ गरीब परिवारों के बच्चे तपती दीवारों और पसीने भरे कमरों में बैठने को मजबूर हैं। शिक्षा में समानता की बातें करने वाला समाज इस असमानता पर अक्सर चुप दिखाई देता है।

शिक्षा केवल किताबों, परीक्षाओं और पाठ्यक्रम का नाम नहीं है। सीखने के लिए एक स्वस्थ और सकारात्मक वातावरण भी उतना ही आवश्यक होता है। मनोवैज्ञानिक और शिक्षा विशेषज्ञ लंबे समय से यह बताते आए हैं कि अत्यधिक गर्मी बच्चों की एकाग्रता, स्मरण शक्ति और मानसिक सक्रियता को प्रभावित करती है। गर्म वातावरण में बच्चा जल्दी थक जाता है और उसकी सीखने की क्षमता कम हो जाती है। जब बच्चा पूरे समय गर्मी से परेशान रहेगा, तो वह पाठ पर ध्यान कैसे केंद्रित करेगा? शिक्षा का उद्देश्य केवल बच्चों को स्कूल भेजना नहीं, बल्कि उन्हें ऐसा वातावरण देना है जहाँ वे शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहकर सीख सकें।

विडंबना यह है कि सरकारें शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए करोड़ों रुपये डिजिटल योजनाओं पर खर्च करती हैं, लेकिन कक्षाओं के तापमान पर शायद ही कभी चर्चा होती है। जबकि सच्चाई यह है कि गर्मी से जूझता बच्चा स्मार्ट बोर्ड से अधिक एक ठंडी हवा की जरूरत महसूस करता है। ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों की स्थिति तो और भी अधिक चिंताजनक है। कई गाँवों में बिजली की आपूर्ति ही नियमित नहीं होती। कुछ स्कूलों में आज भी पर्याप्त कमरे नहीं हैं। बच्चे पेड़ों के नीचे या खुले बरामदों में बैठकर पढ़ते हैं। ऐसे स्थानों पर कूलर या एसी की कल्पना करना भी कठिन लगता है। कई स्कूलों में पीने के पानी की समस्या भी गंभीर होती है। गर्मियों में पानी के टैंक सूख जाते हैं या पानी इतना गर्म हो जाता है कि पीना मुश्किल हो जाता है। बच्चों को कई बार दूर से पानी लाना पड़ता है। यह स्थिति केवल असुविधा नहीं, बल्कि बच्चों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है।

हर वर्ष शिक्षक दिवस, बाल दिवस और स्वतंत्रता दिवस पर नेताओं के भाषणों में शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया जाता है। 'बच्चे देश का भविष्य हैं' जैसी पंक्तियाँ बार-बार दोहराई जाती हैं। लेकिन वास्तविक प्राथमिकताएँ स्कूलों की स्थिति देखकर समझी जा सकती हैं। यदि वास्तव में बच्चे देश का भविष्य हैं, तो क्या उन्हें कम से कम इतना अधिकार नहीं मिलना चाहिए कि वे सम्मानजनक वातावरण में शिक्षा प्राप्त कर सकें? क्या यह उचित है कि कार्यालयों की सुविधाएँ प्राथमिकता बन जाएँ और बच्चों की मूलभूत आवश्यकताएँ उपेक्षित रह जाएँ?

यह समस्या केवल संसाधनों की नहीं, बल्कि सोच की भी है। हमारे समाज में अक्सर बच्चों और शिक्षकों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया जाता। यह मान लिया गया है कि स्कूलों में थोड़ी असुविधा 'सामान्य' है। यही सोच सबसे बड़ी समस्या है। जलवायु परिवर्तन के कारण भारत में गर्मी लगातार बढ़ रही है। कई शहरों में तापमान 47-48 डिग्री तक पहुँच चुका है। विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले वर्षों में हीट वेव की घटनाएँ और अधिक बढ़ेंगी। ऐसे में स्कूलों की पारंपरिक व्यवस्था अब पर्याप्त नहीं रह गई है। आज आवश्यकता है कि स्कूल भवनों का निर्माण मौसम के अनुसार किया जाए। पर्याप्त वेंटिलेशन, हरे पेड़, ठंडे छत डिज़ाइन, स्वच्छ पेयजल और तापमान नियंत्रण जैसी सुविधाएँ अनिवार्य हों। यह विलासिता नहीं, बल्कि आवश्यकता है।

सरकार यदि चाह ले तो चरणबद्ध तरीके से सरकारी स्कूलों में कूलर और बेहतर पंखों की व्यवस्था की जा सकती है।

नौतपा और भारतीय जीवन दर्शन

महेन्द्र तिवारी

भारतीय उपमहाद्वीप की जलवायु विश्व की सबसे विविध और जटिल जलवायु प्रणालियों में गिनी जाती है। यहाँ ऋतुओं का परिवर्तन केवल मौसम का बदलाव नहीं होता, बल्कि यह कृषि, अर्थव्यवस्था, समाज और मानव जीवन की गति को भी निर्धारित करता है। ग्रीष्म ऋतु के अंतिम चरण में उत्तर और मध्य भारत जिस भीषण गर्मी का सामना करते हैं, उसे लोक परंपरा में नौतपा कहा जाता है। यह वह समय होता है जब सूर्य की तपिश अपने चरम पर पहुँच जाती है और धरती का बड़ा भाग भट्टी की तरह तपने लगता है। वर्ष 2026 में नौतपा 25 मई से 2 जून तक रहने वाला है। इन 9 दिनों को भारतीय मौसम चक्र का सबसे कठिन और चुनौतीपूर्ण दौर माना जाता है, क्योंकि इस समय तापमान कई क्षेत्रों में 45 से 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच जाता है और वातावरण में ऐसी गर्मी भर जाती है जो सामान्य जीवन को बुरी तरह प्रभावित कर देती है।

नौतपा केवल एक लोक मान्यता नहीं है, बल्कि इसके पीछे स्पष्ट वैज्ञानिक और भौगोलिक कारण मौजूद हैं। पृथ्वी सूर्य के चारों ओर परिक्रमा करती है और मई के अंतिम सप्ताह तक सूर्य की स्थिति कर्क रेखा के समीप पहुँच जाती है। कर्क रेखा भारत के मध्य भाग से होकर गुजरती है, इसलिए इस समय सूर्य की किरणें भारतीय भूभाग पर लगभग सीधी पड़ती हैं। जब सूर्य की किरणें सीधे धरती पर गिरती हैं तो उनकी ऊर्जा कम क्षेत्र में केंद्रित हो जाती है और तापमान तेजी से बढ़ता है। इसके विपरीत तिरछी किरणें बड़े क्षेत्र में फैल जाती हैं, जिससे गर्मी की तीव्रता कम हो जाती है। यही कारण है कि मई और जून के बीच उत्तर भारत की धरती अत्यधिक गर्म हो जाती है।

भारतीय मौसम विभाग ने वर्ष 2026 के लिए कई राज्यों में सामान्य से अधिक गर्मी और लू की संभावना व्यक्त की है। राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के अनेक क्षेत्रों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुँचने की आशंका जताई गई है। कुछ मरुस्थलीय इलाकों में यह आँकड़ा 48 डिग्री सेल्सियस के पार भी जा सकता है।

नौतपा के दिनों में केवल दिन ही गर्म नहीं होते, बल्कि रातें भी असहनीय हो जाती हैं। मई और जून के इस दौर में दिन लगभग 13 से 14 घंटे लंबे हो जाते हैं। इतने लंबे समय तक सूर्य की किरणें लगातार धरती को गर्म करती रहती हैं। मिट्टी, चट्टानें, सड़कें और कंक्रीट की इमारतें दिनभर ऊष्मा को अपने भीतर सोखती रहती हैं। सूर्यास्त के बाद यही ऊष्मा धीरे धीरे वातावरण में वापस निकलती है। चूँकि रातें छोटी होती हैं, इसलिए धरती को ठंडा होने का पर्याप्त समय नहीं मिल पाता। परिणामस्वरूप अगले दिन तापमान और अधिक बढ़ जाता है। यही संचयी प्रक्रिया नौतपा के दूसरे और तीसरे दिन के बाद गर्मी को और अधिक खतरनाक बना देती है।

इस समय एक और महत्वपूर्ण परिवर्तन देखने को मिलता है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से नमी युक्त हवाएँ धीरे धीरे भारतीय भूभाग की ओर बढ़ने लगती हैं। जब यह नमी अत्यधिक गर्म मैदानी क्षेत्रों में पहुँचती है, तब हवा में आर्द्रता बढ़ जाती है। इसके कारण शरीर से निकलने वाला पसीना जल्दी नहीं सूखता। सामान्यत: पसीने का वाष्पीकरण शरीर को ठंडा करता है, लेकिन नमी बढ़ने पर यह प्रक्रिया बाधित हो जाती है। परिणामस्वरूप व्यक्ति को वास्तविक तापमान से कहीं अधिक गर्मी महसूस होती है। कई बार 45 डिग्री सेल्सियस का तापमान शरीर को 50 से 55 डिग्री सेल्सियस जैसा महसूस होता है। यही कारण है कि उमस भरी गर्मी शुष्क गर्मी से अधिक खतरनाक मानी जाती है।

मानव शरीर सामान्य परिस्थितियों में अपना आंतरिक तापमान लगभग 37 डिग्री सेल्सियस बनाए रखता है। जब बाहरी तापमान अत्यधिक बढ़ जाता है, तब शरीर स्वयं को ठंडा रखने के लिए अधिक मात्रा में पसीना निकालता है। यदि शरीर को पर्याप्त पानी और आवश्यक लवण न मिलें, तो डिहाइड्रेशन की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

इससे चक्कर आना, कमजोरी, सिरदर्द, मांसपेशियों में ऐंठन और रक्तचाप में असंतुलन जैसी समस्याएँ शुरू हो जाती हैं।

बोध कथा

ना जाने किस रूप में नारायण मिल जाए

हरिहर एक सीधा-साधा किसान था। वह दिन भर खेतों में मेहनत से काम करता और शाम को प्रभु का गुणगान करता। उसके मन की एक ही साध थी। वह उडुपि के भगवान श्री कृष्ण के दर्शन करना चाहता था। उडुपि दक्षिण कन्नड़ जिले का प्रमुख तीर्थ था। प्रतिवर्ष जब तीर्थयात्री वहां जाने को तैयार होते तो हरिहर का मन भी मचल जाता किंतु धन की कमी के कारण उसका जाना न हो पाता। इसी तरह कुछ वर्ष बीत गए। हरिहर ने कुछ पैसे जमा कर लिए। घर से निकलते समय उसकी पत्नी ने बहुत-सा खाने-पीने का सामान बाँध दिया। उन दिनों यातायात के साधनों का अभाव था। तीर्थयात्री पैदल ही जाया करते। रास्ते में हरिहर की भेंट एक बूढ़े व्यक्ति से हुई। बूढ़े के कपड़े फटे-पुराने थे और पाँव में जूते तक न थे। अन्य तीर्थयात्री उससे कतराकर निकल गए किंतु हरिहर से न रहा गया। उसने बूढ़े से पूछा-'बाबा, क्या आप भी उडुपि जा रहे हैं?'बूढ़े की आँखों में आँसू आ गए। उसने रुँधे स्वर में उत्तर दिया- 'मैं भला तीर्थ कैसे कर सकता हूँ? एक बच्चा तो बीमार है और दूसरे बेटे ने तीन दिन से कुछ नहीं खाया।' हरिहर भला व्यक्ति था। उसका मन पसीज गया। उसने निश्चय किया कि वह उडुपि जाने से पहले बूढ़े के घर जाएगा। बूढ़े के घर पहुँचते ही हरिहर ने सबको भोजन खिलाया। बीमार बच्चे को दवा दी। बूढ़े के खेत, बीजों के अभाव में खाली पड़े थे।

व्यंग्य केसरी

बहानेबाज़ माननीय!

बेबाक बनारसी

यदि इस दुनिया में 'बहाना बनाने' को ओलंपिक खेल घोषित कर दिया जाए, तो हमारे देश के माननीय नेता हर बार गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज... तीनों मेडल अकेले ही उठा लाएंगे। सामान्य इंसान बहाने तब बनाता है जब वह दफ्तर लेट पहुंचता है या स्कूल का होमवर्क नहीं करता।

लेकिन हमारे माननीय नेता बहाने तब बनाते हैं, जब पूरा का पूरा देश उनसे जवाब मांग रहा होता है। उनकी इस कला के आगे तो गिरगिट भी रंग बदलने की ट्यूशन लेने आ जाए। ?नेताओं के बहानों की अपनी एक समृद्ध डिक्शनरी होती है।

इनका एक जुमला होता है, ?'बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया'. नेताओं का सबसे प्रिय और अचूक ब्रह्मास्त्र। नेताजी कैमरे के सामने चीख-चीख कर कुछ ऐसा बोल जाएंगे जिससे दंगा भड़क जाए। लेकिन जैसे ही कोर्ट या जनता का डंडा चलता है, वे मासूम चेहरा बनाकर कहते हैं— 'मेरे बयान को संदर्भ से काटकर दिखाया गया है।' कोई इनसे पूछे कि भाई, आपकी बात का सही संदर्भ क्या था? क्या आप वहां प्रेम रस की कविता सुना रहे थे?

यह जुमला भी कि ?'विपक्ष की गहरी साजिश' है.शहर के सारे नाले जाम हैं, सड़कें गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं और पानी की जगह नलों से कीचड़ आ रहा है? चिंता मत कीजिए, इसके पीछे नगर निगम की नाकामी नहीं है। नेताजी के पास तैयार बहाना है— 'यह हमारे विकास को बदनाम करने की विपक्ष की एक अंतरराष्ट्रीय साजिश है।' ऐसा लगता है मानो विपक्ष के लोग रात को चुपके से आते हैं और नेताजी के क्षेत्र की सड़कों पर खुद फावड़ा लेकर गड्ढे खोद जाते हैं।

जब पांच साल सत्ता में रहने के बाद भी कोई काम न हो, तो नेताजी इतिहासकार बन जाते हैं। वे अपनी नाकामी का ठीकरा सीधे सत्तर साल पुरानी सरकारों पर फोड़ देते हैं। 'पिछली सरकारों ने सिस्टम को खोखला कर दिया था, हम तो बस कचरा साफ कर रहे हैं।' जनता सोचती है कि पांच साल में आपने कचरा साफ किया या सिर्फ बहानों का नया ढेर लगाया.

अब तो डिजिटल इंडिया में बहानों का भी डिजिटलीकरण हो चुका है। पहले के नेता बात कहकर मुकर जाते थे, आज के नेता ट्वीट करके डिलीट कर देते हैं। जब किसी विवादित ट्वीट पर चारों तरफ से थू-थू होने लगती है, तो अगले ही घंटे एक और ट्वीट आता है— 'अत्यंत खेद है, मेरा ट्विटर अकाउंट हैक हो गया था। यह मेरी तकनीकी टीम की गलती थी।'

इस देश में नेताओं के सोशल मीडिया अकाउंट्स जितनी बार 'हैक' होते हैं, उतनी बार तो नासा की वेबसाइट पर भी साइबर अटैक नहीं होता। कमाल की बात यह है कि हैकर हमेशा वैसी ही बातें लिखता है जो नेताजी के दिल के सबसे करीब होती हैं!

नेताओं की इस अद्भुत बहानेबाज़ी का सबसे खूबसूरत पहलू यह है कि वे कभी हार नहीं मानते। चुनाव जीत जाएं, तो कहते हैं— 'यह जनता का प्यार है।' चुनाव हार जाएं, तो कहते हैं— 'ईवीएम हैक हो गई थी।' यानी चित भी मेरी, पट भी मेरी, और सिक्का मेरे बाप का!

इतिहास

20 मई का इतिहास दुनिया और भारत में कई महत्वपूर्ण घटनाओं, आविष्कारों और प्रसिद्ध हस्तियों के जन्म-मृत्यु का गवाह रहा है। आज के दिन (20 मई) की मुख्य ऐतिहासिक घटनाएँ:1498: पुर्तगाली नाविक वास्को डि गामा भारत के कालीकट (कोझिकोड) पहुँचा। वह समुद्र के रास्ते भारत पहुँचने वाले पहले यूरोपीय थे।1873: जींस बनाने वाले लेवी स्ट्रॉस और जैकब डेविस को पैटेंट प्राप्त हुआ था।1940: द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नाज़ियों के यातना शिविर, ऑशविट्ज़ में पहले कैदी लाए गए थे।1950: अंतरराष्ट्रीय समयानुसार 'वर्ल्ड मीटियोरोलॉजिकल ऑर्गनाइजेशन' की स्थापना हुई थी।2006: दुनिया के सबसे बड़े जलविद्युत प्रोजेक्ट, चीन के 'थ्री गोर्जेस डैम' का निर्माण आधिकारिक तौर पर पूरा हुआ।आज के दिन जन्मे प्रसिद्ध व्यक्ति:1799: प्रसिद्ध ब्रिटिश अर्थशास्त्री और दार्शनिक जॉन स्टुअर्ट मिल का जन्म हुआ।

पीएम मोदी के नेतृत्व में टियर-2 और 3 शहरों तक फैला स्टार्टअप इकोसिस्टम : केंद्रीय मंत्री

इंदौर। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्टार्टअप इकोसिस्टम टियर-2 और 3 शहरों तक फैल गया है और देश में स्टार्टअप की संख्या दो लाख से अधिक हो गई है।

ब्रिक्स यूथ एंटरप्रेन्योरशिप वर्किंग ग्रुप मीटिंग 2026 के साइडलाइन में समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए खडसे ने कहा कि पीएम मोदी के विजन के अनुरूप, केंद्र ने स्टार्टअप, इनोवेशन और उद्यमशीलता को लेकर कई निर्णय लिए गए हैं। इससे देश में पूरा एक स्टार्टअप इकोसिस्टम विकसित हुआ है। इससे स्टार्टअप बड़े शहरों से बाहर निकलकर टियर 2 और टियर 3 शहरों में भी खुले हैं। उन्होंने आगे बताया कि पिछली बार जब कॉन्फ्रेंस हुई थी तो भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम के अनुभव को सभी ब्रिक्स देशों के साथ साझा करने पर सहमति बनी थी। इसे लेकर ही ब्रिक्स यूथ एंटरप्रेन्योरशिप वर्किंग ग्रुप मीटिंग 2026 का आयोजन किया गया है। इससे सभी देशों को फायदा होगा। खडसे ने आगे बताया कि यह एक दो-दिवसीय बैठक है, जिसकी शुरुआत आज हुई है। इसमें कई देशों से लोग भाग ले रहे हैं और मध्य पूर्व में संकट के कारण कुछ लोग नहीं जुड़ पाए हैं, जो वर्चुअल माध्यम से जुड़ेंगे। बीते हफ्ते, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत की अध्यक्षता में आयोजित ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक सत्र को संबोधित करते हुए संगठन के 20 वर्षों के सफर, उपलब्धियों और भविष्य की दिशा पर बात की। उन्होंने कहा कि 'ब्रिक्स-20: मजबूती, नवाचार, सहयोग और स्थिरता का निर्माण' विषय पर आधारित यह सत्र ब्रिक्स सदस्य देशों के साथ-साथ पार्टनर देशों को भी साथ लाया है।

एस. जयशंकर ने कहा कि पिछले 20 वर्षों के अनुभव को ध्यान में रखते हुए, हम आज अपने सहयोग की प्रकृति और उसके भविष्य की दिशा पर चर्चा कर रहे हैं। पार्टनर देशों की मौजूदगी ने हमारे सामूहिक प्रयासों को और मजबूत किया है और आपसी जुड़ाव को गहरा किया है। अपनी सामूहिक ताकत का इस्तेमाल करके हम ब्रिक्स को और ज्यादा मजबूत, तेज और बदलती परिस्थितियों के मुताबिक ढलने वाला बना सकते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि समय के साथ ब्रिक्स का दायरा और महत्व दोनों बढ़े हैं। यह उभरती अर्थव्यवस्थाओं और विकासशील देशों की उस इच्छा को दर्शाता है, जिसमें वे एक ज्यादा संतुलित और समावेशी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था चाहते हैं। बदलती वैश्विक परिस्थितियों के अनुसार, ब्रिक्स ने अपने एजेंडे और सदस्यता दोनों का विस्तार किया है।

डॉलर में तेजी से सोना और चांदी धराशाई

मुंबई । सोने और चांदी की कीमतों में बुधवार को कमजोरी देखी जा रही है। दोनों कीमती धातुओं का दाम एक प्रतिशत से अधिक फिसल गया है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 05 जून 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,59,080 रुपए के मुकाबले 106 रुपए की मामूली गिरावट के साथ 1,58,974 रुपए पर खुला।

हालांकि, शुरुआती कारोबार में ही गिरावट बढ़ गई और सुबह 10 बजे यह 736 रुपए या 0.46 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,58,344 रुपए पर था।

सोने ने अब तक के कारोबार में 1,57,959 रुपए का न्यूनतम स्तर और 1,60,378 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ।

सोने के साथ चांदी में भी गिरावट देखी जा रही है। चांदी के 3 जुलाई 2026 के कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,70,119 रुपए के मुकाबले 2,889 रुपए या 1.06 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,67,230 रुपए पर खुला।

खबर लिखे जाने तक चांदी 2,894 या 1.07 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,67,225 रुपए पर थी।

चांदी ने अब तक के कारोबार में 2,66,850 रुपए का न्यूनतम स्तर और 2,68,464 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में कमजोरी देखी जा रही है। सोना 0.49 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,462 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 73.868 डॉलर प्रति औंस पर थी। सोने और चांदी में कमजोरी की वजह डॉलर इंडेक्स का ऊपर जाना है और यह 99.29 के स्तर पर पहुंच गया है।

डॉलर इंडेक्स, अमेरिकी मुद्रा डॉलर की दुनिया की छह बड़ी मुद्राओं- यूरो, जापानी येन, पाउंड स्टर्लिंग, कैनेडियन डॉलर, स्वीडिश क्रोना और स्विस फ्रैंक- के मुकाबले स्थिति को दिखाता है।

दूसरी तरफ, भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी। दोनों मुख्य सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में आधा प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ कारोबार हो रहा।

इस गिरावट का नेतृत्व रियल्टी और बैंकिंग शेयर कर रहे थे।

मध्य पूर्व संकट के बीच सरकारी कंपनी बीपीसीएल ने रूस से कच्चे तेल की खरीद बढ़ाई, अमेरिका और वेनेजुएला से भी आयात जारी

नई दिल्ली। मध्य पूर्व संकट के बीच सरकारी तेल कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) रूस से कच्चे तेल की खरीद बढ़ रही है और मौजूद समय में कंपनी के कुल आयात में रूसी कच्चे तेल की हिस्सेदारी करीब 41 प्रतिशत पहुंच गई है, जो कि वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही (जनवरी से मार्च) में 31 प्रतिशत थी। यह जानकारी कंपनी के डायरेक्टर फाइनेंस वीआरके गुप्ता ने बुधवार को दी।

मीडिया से बातचीत में गुप्ता ने बताया कि मध्य पूर्व में तनाव के चलते कंपनी ने विविध स्रोतों विशेषकर रूस से कच्चे तेल की खरीद को बढ़ाया है।

इससे पहले वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर से दिसंबर 2025) में कंपनी के आयात बास्केट में रूसी कच्चे तेल की हिस्सेदारी करीब 25 प्रतिशत थी।

वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही के नतीजों के बाद कॉन्फ्रेंस कॉल में गुप्ता ने कहा कि हमने इस वर्ष आठ नए ग्रेड के कच्चे तेल में विविधता लाई है, जो चार भौगोलिक क्षेत्रों को कवर करती है। मैं पक्षकारों को यह भी आश्वस्त करना चाहता हूं कि जुलाई 2026 तक कच्चे तेल की आपूर्ति सुनिश्चित कर ली गई है।

इसके अतिरिक्त, गुप्ता ने कहा कि कंपनी रूस के अलावा अमेरिका और वेनेजुएला जैसे देशों से भी कच्चे तेल की खरीद कर रही है।

कंपनी ने वित्त वर्ष 27 के लिए 25,000 करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्च का लक्ष्य रखा है, जो कि वित्त वर्ष 26 में हुए 20,400 करोड़ रुपए से पूंजीगत खर्च से काफी अधिक है। ३

इससे पहले बीपीसीएल ने मंगलवार को वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम तिमाही के नतीजे जारी किए।

मार्च तिमाही में कंपनी का कंसोलिडेटेड मुनाफा सालाना आधार पर 28 प्रतिशत बढ़कर 5,624.54 करोड़ रुपए हो गया है, जो पिछले वित्त वर्ष में 4,391.83 करोड़ रुपए था। क्रामिक आधार पर कंपनी के मुनाफे में 22 प्रतिशत की गिरावट आई है और वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही में 7,188.40 करोड़ रुपए था।

भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ हरे निशान में बंद, सेंसेक्स 118 प्रतिशत उछला

मुंबई । पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों के बीच वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों के चलते बुधवार के कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार उतार-चढ़ाव के बाद मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ।

इस दौरान, सेंसेक्स 117.54 अंकों यानी 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 75,318.39 पर बंद हुआ, तो वहीं निफ्टी 50 41 अंकों यानी 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,659 पर बंद हुआ।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 74,806.49 पर खुलकर 75,406.18 का इंट्रा-डे हाई और 74,529.41 का लो बनाया। वहीं एनएसई निफ्टी 23,457.25 पर खुलकर 23,690.90 का दिन का हाई और 23,397.30 का लो बनाया।

व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.49 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.04 प्रतिशत की मामूली बढ़त दर्ज की गई।

वहीं सेक्टरवार देखें तो, ऑयल एंड गैस में सबसे ज्यादा 1.59 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इसके साथ ही निफ्टी ऑटो, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी मेटल में भी तेजी दर्ज की गई। वहीं, निफ्टी मीडिया में 1.45 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। इसके बाद निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी आईटी और निफ्टी फार्मा में भी गिरावट दर्ज की गई।

निफ्टी50 इंडेक्स में हिंडाल्को, बजाज-ऑटो, ग्रासिम, ट्रेंट, एक्सिस बैंक, विप्रो और इंडिगो के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली, जबकि इसके विपरीत बीईएल, टेक महिंद्रा, इटरनल, टाटा स्टील, एसबीआई लाइफ और डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली।

इस दौरान, बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल मार्केट कैप पिछले सत्र के 459 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 461 लाख करोड़ रुपए हो गया, जिससे निवेशकों को इस सत्र में करीब 2 लाख करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, हाल के दिनों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में हुई बढ़ोतरी से तेल कंपनियों को बढ़ती लागत का बोझ ग्राहकों तक पहुंचाने में मदद मिली है, जिससे उनके मुनाफे की संभावनाएं बेहतर हुई हैं। वहीं दूसरी ओर ब्रेंट क्रूड, जो इस सप्ताह की शुरुआत में पश्चिम एशिया तनाव के कारण 111-112 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था।

भारत के दोपहिया क्षेत्र की वृद्धि दर वित्त वर्ष 27 में 5 प्रतिशत रहने की उम्मीद: रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत के दोपहिया क्षेत्र की वॉल्यूम ग्रोथ वित्त वर्ष 27 में सालाना आधार पर 5 प्रतिशत तक रहने की उम्मीद है। इसकी वजह जीएसटी कम होना, रिप्लेसमेंट मांग का बढ़ाना है। यह जानकारी बुधवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

आईसीआरए द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया कि घरेलू दोपहिया वाहनों की थोक वॉल्यूम में अप्रैल में सालाना आधार पर 29.2 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली थी और इस दौरान यह 1.9 मिलियन यूनिट्स रही। इसकी वजह जीएसटी 2.0 का लागू होना है।

हालांकि, रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि उच्च आधार प्रभाव, अल नीनो के कारण मानसून के कमजोर पूर्वानुमान, ईंधन की कीमतों में वृद्धि और इनपुट लागत में बढ़ोतरी के कारण आने वाले महीनों में ग्रोथ धीमी हो सकती है।रिपोर्ट में बताया गया है कि खुदरा मांग भी इस महीने स्वस्थ बनी रही, जिसमें सालाना आधार पर 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह वृद्धि उम्मीद से कम मूल्य वृद्धि, मजबूत कृषि उत्पादन के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में नकदी प्रवाह में स्थिरता और मई के मध्य तक चलने वाले शादी के सीजन के कारण संभव हुई।

इसके अलावा, इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर (ई2डब्ल्यू) सेगमेंट की रफ्तार लगातार बढ़ती रही, क्योंकि अप्रैल 2026 में टू-व्हीलर सेगमेंट की खुदरा बिक्री 1,54,337 यूनिट रही, जो पिछले वर्ष की तुलना में 68.1 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्शाती है।

वित्त वर्ष 2026 के लिए, ई2डब्ल्यू की बिक्री में लगभग 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि अप्रैल 2026 में समग्र टू-व्हीलर बाजार में इसकी हिस्सेदारी 8.1 प्रतिशत तक पहुंच गई।रिपोर्ट के अनुसार, सेगमेंट की स्थिर वृद्धि बढ़ती उपभोक्ता स्वीकृति को दर्शाती है, जिसे उत्पादों की बढ़ती उपलब्धता और बेहतर लागत प्रतिस्पर्धा का समर्थन प्राप्त है।इसके अतिरिक्त, निर्यात उद्योग के लिए एक प्रमुख विकास कारक बना रहा, कुछ विदेशी बाजारों में चुनौतियों के बावजूद अप्रैल में मासिक निर्यात मात्रा में पिछले वर्ष की तुलना में 38.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई।वित्त वर्ष 2026 के लिए, समग्र टू-व्हीलर निर्यात में 23.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसे उत्पाद पोर्टफोलियो के विस्तार और भारतीय टू-व्हीलर ब्रांडों की बढ़ती वैश्विक पहचान का समर्थन प्राप्त है।हालांकि, रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया है कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं, विशेष रूप से पश्चिम एशिया में जारी तनाव, आपूर्ति श्रृंखलाओं और निर्यात प्रदर्शन के लिए जोखिम पैदा करना जारी रख सकते हैं।

भारत में खुदरा ऋण पोर्टफोलियो 16.6 प्रतिशत बढ़ा, गोल्ड लोन में तेजी से हो रहा इजाफा: रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत का खुदरा ऋण पोर्टफोलियो मार्च 2026 तक बढ़कर 170.2 लाख करोड़ रुपए हो गया है। इसमें सालाना आधार पर 16.6 प्रतिशत और तिमाही आधार पर 4.6 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। यह जानकारी बुधवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

सीआरआईएफ हाई मार्क की रिपोर्ट में कहा गया है कि उपभोग ऋणों में सालाना आधार पर 15.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह बढ़कर 118.6 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जिसे गोल्ड लोन, पर्सनल लोन और कंज्यूमर ड्यूरेबल लोन में तेज वृद्धि का समर्थन मिला है।

गोल्ड लोन की मांग में तेज वृद्धि देखने को मिल रही है और कुल बकाया पोर्टफोलियो 18.6 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। इसमें सालाना आधार पर 50.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

वहीं, पर्सनल लोन का पोर्टफोलियो सालाना आधार पर 12.9 प्रतिशत, कंज्यूमर ड्यूरेबल लोन का पोर्टफोलियो सालाना आधार पर 20.8 प्रतिशत और व्हाइट ऑटो और दो-पहिया लोन में सालाना आधार पर क्रमश: 13.9 प्रतिशत और 15.1 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।

रिपोर्ट में उत्पादों में प्रीमियम उत्पादों की निरंतर वृद्धि, परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार और सुरक्षित ऋण खंडों की ओर निरंतर रुझान का भी जिक्र किया गया।

रिपोर्ट में बताया गया है कि खुदरा ऋण वृद्धि तेजी से सुरक्षित ऋण की ओर बढ़ रही है, जबकि अर्ध-शहरी और ग्रामीण बाजारों में इसकी पहुंच लगातार बढ़ रही है।

गृह ऋणों की गति स्थिर बनी रही, बकाया पोर्टफोलियो 44.4 लाख करोड़ रुपए रहा, जिसमें वार्षिक आधार पर 9.4 प्रतिशत और तिमाही आधार पर 3.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

हालांकि, क्रेडिट कार्डों का प्रदर्शन सुस्त रहा, शेष राशि वार्षिक आधार पर स्थिर रही और तिमाही आधार पर नकारात्मक रही।

इस वृद्धि के साथ पोर्टफोलियो प्रदर्शन में भी सुधार हुआ, अधिकांश खंडों में चूक का स्तर कम हुआ, जो निरंतर विस्तार के साथ-साथ मजबूत परिसंपत्ति गुणवत्ता को दर्शाता है।

मारुति सुजुकी इंडिया ने लखनऊ में कौशल विकास के लिए स्मार्ट फैक्ट्री लैब को शुरू किया

लखनऊ। मारुति सुजुकी इंडिया ने बुधवार को ऐलान किया कि उसने अपनी कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) पहल के तहत लखनऊ के सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज में एक स्मार्ट फैक्ट्री लैब स्थापित की है। इसका उद्देश्य डिप्लोमा छात्रों को एडवांस मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना है।

यह लैब अपने पहले वर्ष में लगभग 400 छात्रों को प्रशिक्षण देगी और इस सुविधा को आधुनिक उत्पादन प्रणालियों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है, इससे अकादमिक शिक्षा और उद्योग की आवश्यकताओं के बीच के अंतर को पाटने में मदद मिलेगी।

कंपनी ने प्रेस रिलीज में कहा कि यह अत्याधुनिक लैब छात्रों को स्वचालन, उद्योग 4.0, औद्योगिक इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईआईओटी), न्यूमेटिक्स, ऊर्जा मापन और गति नियंत्रण प्रणालियों सहित एडवांस, उद्योग से जुड़ी टेक्नोलॉजी का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करती हैं। कंपनी ने आगे बताया कि रियल वर्ल्ड मैन्युफैक्चरिंग की नकल करने के लिए डिजाइन की गई इन लैब्स का उद्देश्य डिप्लोमा छात्रों के बीच व्यावहारिक शिक्षा और तकनीकी दक्षता को मजबूत करना है।कंपनी ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य उद्योग के लिए आवश्यक सही मानसिकता विकसित करना, रोजगार क्षमता बढ़ाना, तकनीकी दक्षताओं को मजबूत करना और छात्रों को उद्योग के लिए तैयार पेशेवर बनाना है, जिससे वे भविष्य के लिए तैयार कार्यबल में योगदान दे सकें।मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के कॉर्पोरेट मामलों के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी राहुल भारती ने कहा, 'सुविधाओं को स्मार्ट फैक्ट्री लैब में अपग्रेड करके, हम सरकार के स्किल इंडिया मिशन के अनुरूप भविष्य के लिए तैयार पेशेवर तैयार कर रहे हैं। ये लैब मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र की बदलती जरूरतों को पूरा करने, कौशल अंतर को कम करने और छात्रों में उद्योग-विशिष्ट उपकरणों के उपयोग में आत्मविश्वास पैदा करने के लिए अनुभवात्मक शिक्षण के अवसर प्रदान करेंगी।

तेज गर्मी में नारियल पानी या बेल का शरबत, आपके लिये क्या है ज्यादा फायदेमंद? जानिये

गर्मी में नारियल पानी और बेल का शरबत दोनों फायदेमंद, नारियल पानी हाइड्रेशन और तुरंत ऊर्जा के लिए बेहतर, बेल का शरबत पाचन और ठंडक के लिए ज्यादा असरदार

तेज गर्मी में नारियल पानी या बेल का शरबत, आपके लिये क्या है ज्यादा फायदेमंद?

गर्मियों में शरीर को ठंडा और हाइड्रेट रखने के लिए नारियल पानी और बेल का शरबत दोनों ही बेहतरीन प्राकृतिक पेय हैं. लेकिन कौन ज्यादा फायदेमंद है, यह आपके शरीर की जरूरत पर निर्भर करता है. आइए दोनों के फायदे समझें.

नारियल पानी के फायदे

नारियल पानी एक नेचुरल इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक है. इसमें पोटैशियम, सोडियम और मैग्नीशियम जैसे मिनरल्स होते हैं, जो शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) को जल्दी दूर करते हैं।

यह तुरंत ऊर्जा देता है और शरीर को हाइड्रेट रखता है.

गर्मी में पसीने से निकलने वाले मिनरल्स की कमी पूरी करता है.

किडनी और हार्ट के लिए फायदेमंद होता है.

ब्लड प्रेशर नियंत्रित रखने में सहायक हो सकता है.

हल्का और आसानी से पचने वाला पेय है.

बेल का शरबत के फायदे

बेल का शरबत आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर होता है और खासकर पेट के लिए बहुत लाभकारी माना जाता है.

यह शरीर को अंदर से ठंडा करता है और लू से बचाता है.

पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है

कब्ज, गैस और अपच से राहत देता है इम्युनिटी बढ़ाने में मदद करता है लंबे समय तक ऊर्जा देता है और कमजोरी कम करता है.

जिन लोगों को पेट की समस्या, कब्ज या पाचन खराब रहता है, उनके लिए बेल का शरबत ज्यादा फायदेमंद है।

कौन है बेहतर?

दोनों ही पेय अपने-अपने तरीके से फायदेमंद हैं:

डिहाइड्रेशन और तुरंत ऊर्जा के लिए: नारियल पानी बेहतर

पाचन सुधार और शरीर को ठंडक देने के लिए: बेल का शरबत बेहतर

बीमार या कमजोर शरीर के लिए: नारियल पानी हल्का होने के कारण ज्यादा उपयुक्त

पेट की समस्याओं के लिए: बेल का शरबत अधिक असरदार

निष्कर्ष

अगर तुलना की जाए तो कोई एक पूरी तरह 'ज्यादा फायदेमंद' नहीं है, बल्कि यह आपकी जरूरत पर निर्भर करता है. रोजाना हाइड्रेशन के लिए नारियल पानी अच्छा है, जबकि पाचन और ठंडक के लिए बेल का शरबत बेहतरीन है. गर्मियों में दोनों का संतुलित सेवन आपके शरीर को स्वस्थ और तरोताजा रख सकता है।

भारत के इस जादुई गांव के आगे स्विट्ज़रलैंड भी लगेगा फीका, बादलों के बीच छिपी खूबसूरती देख रह जाएंगे दंग

हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले में बसा Kalpa अपनी शांत वादियों, बर्फ से ढके पहाड़ों, सेब के बागों और तारों से भरी खूबसूरत रातों के लिए जाना जाता है. बादलों के बीच बसा यह छोटा सा गांव प्रकृति प्रेमियों के लिए किसी सपनों की जगह जैसा महसूस होता है. यहां का सुकूनभरा माहौल और किन्नौर कैलाश के शानदार नजारे हर साल बड़ी संख्या में पर्यटकों को अपनी ओर खींचते हैं. कल्पा घूमने का सबसे अच्छा समय अप्रैल से जून और सितंबर से नवंबर के बीच माना जाता है। अगर आप ऐसी जगह घूमना चाहते हैं जहां शोर कम और प्रकृति ज्यादा महसूस हो, तो Kalpa आपके लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन हो सकता है. हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले में बसा यह छोटा सा गांव अपनी शांत वादियों, बर्फीले पहाड़ों और बादलों से ढके नजारों के लिए जाना जाता है. यहां पहुंचते ही ऐसा लगता है जैसे किसी पेंटिंग के अंदर आ गए हों. चारों तरफ फैली हरियाली, ठंडी हवा और पहाड़ों के पीछे छिपते बादल इस जगह को बेहद खास बना देते हैं। कल्पा की सुबह बाकी जगहों से काफी अलग महसूस होती है. जैसे ही सूरज की किरणें पहाड़ों पर पड़ती हैं, पूरी घाटी सुनहरी रोशनी से चमक उठती है. दूर दिखाई देने वाली बर्फ से ढकी चोटियां और उनके आसपास तैरते बादल ऐसा दृश्य बनाते हैं जिसे देखकर लोग लंबे समय तक बस खड़े रह जाते हैं. यहां की हवा में एक अलग तरह की ताजगी महसूस होती है, जो शहरों में शायद ही कहीं मिले।

छोटे गांव की बड़ी खूबसूरती

यह गांव भले ही छोटा हो, लेकिन इसकी खूबसूरती किसी बड़े विदेशी टूरिस्ट स्पॉट से कम नहीं लगती. यहां के पारंपरिक घर, लकड़ी की बालकनी और पहाड़ी रास्ते लोगों का ध्यान तुरंत खींच लेते हैं. गांव में चलते हुए आपको हर कुछ कदम पर ऐसा दृश्य मिलेगा जिसे कैमरे में कैद करने का मन करेगा. यहां की सादगी ही इसकी सबसे बड़ी पहचान मानी जाती है.

सेब के बागों से घिरा है पूरा इलाका

कल्पा अपने सेब के बागों के लिए भी काफी मशहूर है. गर्मियों और बारिश के बाद यहां के बाग बेहद खूबसूरत दिखाई देते हैं. सड़क किनारे लगे सेब के पेड़ और उनके पीछे खड़े ऊंचे पहाड़ पूरे रास्ते को पोस्टकार्ड जैसा लुक दे देते हैं. कई पर्यटक यहां सिर्फ प्रकृति के बीच समय बिताने और शांत माहौल का आनंद लेने पहुंचते हैं.

रात में और भी जादुई लगता है गांव

दिन के मुकाबले कल्पा की रातें और भी ज्यादा खूबसूरत लगती हैं. आसमान में साफ दिखाई देने वाले तारे और चारों तरफ फैली शांति इस जगह को बेहद खास बना देती है. ठंडी हवा के बीच पहाड़ों के सामने बैठकर चाय पीने का अनुभव यहां आने वाले लोग कभी नहीं भूल पाते. यही वजह है कि जो लोग एक बार यहां आते हैं, उनका दोबारा आने का मन जरूर करता है.

घूमने का सही समय

अगर आप कल्पा घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो अप्रैल से जून और सितंबर से नवंबर के बीच का समय सबसे अच्छा माना जाता है. इस दौरान मौसम सुहावना रहता है और पहाड़ों का नजारा भी बेहद साफ दिखाई देता है. बर्फ देखने के शौकीन लोग सर्दियों में भी यहां पहुंचते हैं, जब पूरा गांव सफेद चादर में ढका नजर आता है।

लगातार ईयरबड्स इस्तेमाल करने से सिर्फ कान नहीं, दिमाग भी हो सकता है प्रभावित! जानिए कैसे

लंबे समय तक तेज आवाज में ईयरबड्स इस्तेमाल करने से हियरिंग लॉस, टिनिटस, नींद और मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है. लगातार इस्तेमाल दिमाग की फोकस क्षमता को भी प्रभावित कर सकता है. आइए जानते हैं वजह....

ईयरबड्स का ज्यादा इस्तेमाल कान और दिमाग को नुकसान पहुंचा सकता है.

आजकल ईयरबड्स लगभग हर किसी की लाइफ का हिस्सा बन चुके हैं. ऑफिस में काम करते समय, जिम में वर्कआउट करते हुए या सफर के दौरान लोग घंटों तक इन्हें कानों में लगाए रखते हैं. वायरलेस ईयरबड्स ने जिंदगी आसान जरूर बना दी है, लेकिन इन्हें लंबे समय तक तेज आवाज में इस्तेमाल करना नुकसानदायक भी हो सकता है. Healthline की रिपोर्ट के मुताबिक लगातार हाई वॉल्यूम में गाने या ऑडियो सुनने से सिर्फ कान ही नहीं, दिमाग पर भी असर पड़ सकता है.

जब हम लंबे समय तक तेज आवाज सुनते हैं, तो कानों के अंदर मौजूद छोटे-छोटे सेंसिटिव सेल्स पर दबाव बढ़ने लगता है. यही सेल्स आवाज को दिमाग तक पहुंचाने का काम करते हैं. लगातार लाउड म्यूजिक सुनने से ये सेल्स कमजोर हो सकते हैं, जिससे फोकस करने में दिक्कत, मानसिक थकान और चिड़चिड़ापन महसूस हो सकता है. कई एक्सपर्ट्स का मानना है कि लगातार नॉइज में रहने से दिमाग को ठीक से आराम नहीं मिल पाता.

सुनने की क्षमता पर पड़ सकता है असर

ईयरबड्स का सबसे बड़ा नुकसान हियरिंग पर देखा जाता है. कई लोग बाहर की आवाज से बचने के लिए वॉल्यूम बहुत ज्यादा बढ़ा लेते हैं, जो धीरे-धीरे कानों को नुकसान पहुंचा सकता है. लगातार तेज आवाज सुनने से कानों में सीटी या घंटी बजने जैसी समस्या, यानी टिनिटस, भी हो सकती है. शुरुआत में लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन बाद में यह परेशानी बढ़ सकती है.

विशेषज्ञों के अनुसार ईयरबड्स का लगातार तेज आवाज में उपयोग किस स्वास्थ्य समस्या का मुख्य कारण बन सकता है?

सुनने की क्षमता में कमी

नींद और मूड भी हो सकते हैं प्रभावित

अगर आप रात में सोने से पहले लंबे समय तक ईयरबड्स लगाकर गाने सुनते हैं, तो इसका असर आपकी नींद पर भी पड़ सकता है।

दिमाग लगातार ऑडियो प्रोसेस करता रहता है, जिससे उसे रिलैक्स होने का मौका कम मिलता है. खराब नींद की वजह से तनाव, चिंता और मूड स्विंग जैसी समस्याएं भी महसूस हो सकती हैं.

संक्रमण का भी रहता है खतरा

हर समय ईयरबड्स लगाए रखने से कानों में नमी और गर्माहट बढ़ सकती है, जिससे बैक्टीरिया पनपने लगते हैं. अगर ईयरबड्स साफ न हों या किसी और के साथ शेयर किए जाएं, तो संक्रमण का खतरा और बढ़ सकता है. कई लोगों को कान में खुजली, दर्द या भारीपन भी महसूस होने लगता है.

कैसे करें सुरक्षित इस्तेमाल

विशेषज्ञ अक्सर 60/60 नियम अपनाने की सलाह देते हैं. यानी वॉल्यूम 60 प्रतिशत से ज्यादा न रखें और लगातार 60 मिनट से ज्यादा ईयरबड्स इस्तेमाल न करें. बीच-बीच में कानों को आराम देना भी जरूरी माना जाता है. अगर कानों में दर्द, आवाज गूंजना या सुनने में दिक्कत महसूस हो, तो डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर होता है।

अगर सुबह सपने में दिखे ये 5 चीजें, तो समझिए अच्छे दिन आने वाले हैं, जानिए कौन सा सपना क्या बताता है

सुबह के समय दिखाई देने वाले सपनों को स्वप्न शास्त्र में बेहद खास माना गया है. मंदिर, साफ पानी, सोना, उड़ना या गाय-हाथी जैसे सपने जीवन में सुख, सफलता, धन लाभ और सकारात्मक बदलावों के संकेत माने जाते हैं.

सुबह के समय देखे गए सपनों को लेकर लोगों के मन में हमेशा एक अलग उत्सुकता रही है. कई बार ऐसा होता है कि कोई सपना आंख खुलने के बाद भी लंबे समय तक याद रहता है और मन बार-बार उसी के बारे में सोचता रहता है. स्वप्न शास्त्र और ज्योतिष मान्यताओं में माना गया है कि भोर के समय दिखाई देने वाले सपने सिर्फ कल्पनाएं नहीं होते, बल्कि वे आने वाले समय के संकेत भी दे सकते हैं. खास बात यह है कि सुबह का समय मन और चेतना के सबसे शांत दौरों में गिना जाता है, इसलिए इस दौरान दिखने वाले सपनों का असर और महत्व अधिक माना जाता है. कुछ सपने जीवन में सुख, धन और सफलता की ओर इशारा करते हैं, जबकि कुछ मानसिक शांति और नए अवसरों का संकेत देते हैं.

कई लोग अपने निजी अनुभवों में भी बताते हैं कि किसी शुभ सपने के कुछ दिनों बाद उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिले. ऐसे में अगर आपको भी सुबह के समय कुछ खास सपने दिखाई देते हैं, तो उन्हें नजरअंदाज करने के बजाय उनके संकेतों को समझना दिलचस्प हो सकता है.

सपने में मंदिर या भगवान दिखना देता है शुभ संकेत

स्वप्न शास्त्र के अनुसार यदि सुबह के समय सपने में मंदिर, भगवान, आरती, घंटियों की आवाज या पूजा-पाठ दिखाई दे, तो इसे बेहद शुभ माना जाता है. ज्योतिष मान्यताओं में ऐसे सपनों को सकारात्मक ऊर्जा और ईश्वरीय कृपा का संकेत माना गया है. कहा जाता है कि इस तरह के सपने जीवन में चल रही परेशानियों के धीरे-धीरे खत्म होने का इशारा दे सकते हैं. कई लोगों का मानना है कि ऐसे सपनों के बाद मानसिक शांति बढ़ती है और रुके हुए काम बनने लगते हैं. खासकर जब कोई व्यक्ति लंबे समय से तनाव या असफलता से गुजर रहा हो, तब इस तरह का सपना उम्मीद जगाने वाला माना जाता है.

मन की शांति और नए अवसरों का संकेत

अगर सुबह के सपने में बहता हुआ साफ पानी, नदी, झरना या बारिश दिखाई दे, तो इसे भी शुभ माना गया है. ज्योतिष विशेषज्ञों के अनुसार साफ पानी जीवन में संतुलन, शांति और सकारात्मक बदलाव का प्रतीक होता है. ऐसे सपने इस बात की ओर इशारा कर सकते हैं कि व्यक्ति की मानसिक उलझनें कम होने वाली हैं. कुछ मान्यताओं में इसे आर्थिक स्थिरता और रिश्तों में सुधार से भी जोड़कर देखा जाता है. ग्रामीण इलाकों में आज भी बुजुर्ग साफ पानी वाले सपनों को 'अच्छे दिनों की आहट' मानते हैं.

सपने में सोना या पैसा दिखना क्या बताता है

सुबह के समय सपने में सोना, गहने, सिक्के या खजाना दिखाई देना धन लाभ का संकेत माना जाता है. स्वप्न शास्त्र में कहा गया है कि ऐसे सपने भविष्य में आर्थिक अवसर मिलने की तरफ इशारा कर सकते हैं.

सेहत, रिलेशनशिप, लाइफ या धर्म-ज्योतिष से जुड़ी है कोई निजी उलझन तो हमें करें WhatsApp, आपका नाम गोपनीय रखकर देंगे जानकारी.

हालांकि ज्योतिष में एक दिलचस्प मान्यता यह भी है कि ऐसे सपनों का जिक्र हर किसी से नहीं करना चाहिए. माना जाता है कि ज्यादा चर्चा करने से सपने की सकारात्मक ऊर्जा कमजोर हो सकती है. कई लोग इसे अचानक

Hair Tips: दीपिका पादुकोण के न्यूट्रिशनिस्ट ने बताया बालों की 3 बड़ी समस्या का अचूक उपाय

यदि आप हेयर फॉल,हेयर थिनिंग या डेंड्रफ से परेशान है तो दीपिका पादुकोण की न्यूट्रिशनिस्ट श्वेता शाह का सुझाया नेचुरल हेयर स्प्रे ट्राई करें. उनका दावा है कि इससे सिर्फ 3 हफ्तों में जबरदस्त बदलाव आप अपने बालों में देख सकते हैं.एक समय ऐसा था जब एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण के बाल काफी पतले और कमजोर दिखाई देते थे. उनके बालों में चमक भी कम थी और वे डैमेज लगते थे. लेकिन अब उनके बाल पहले से ज्यादा घने, चमकदार और हेल्दी नजर आते हैं. इसकी वजह कोई महंगा हेयर ट्रीटमेंट नहीं, बल्कि एक आसान घरेलू नुस्खा बताया जाता है.

एक इंटरव्यू में सेलिब्रिटी न्यूट्रिशनिस्ट और दीपिका की पर्सनल कोच श्वेता शाह ने बताया कि अच्छे और मजबूत बाल पाने के लिए महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स खरीदना जरूरी नहीं है. उन्होंने कहा कि हमारी रसोई में मौजूद कुछ साधारण चीजें बालों की कई समस्याओं को दूर करने में मदद कर सकती हैं. अगर आप बाल झड़ने, बाल पतले होने, डैंड्रफ या स्कैल्प इंफेक्शन जैसी परेशानियों से जूझ रहे हैं, तो सिर्फ 3 घरेलू चीजों से तैयार किया गया नेचुरल हेयर स्प्रे बालों के लिए काफी फायदेमंद होता है.

बालों के लिए कैसे बनाएं नेचुरल हेयर स्प्रे

सामग्री

3 चम्मच काली मिर्च

3 चम्मच रोजमेरी

3 चम्मच मैथी

बनाने की विधि

नेचुरल हेयर स्प्रे बनाने के लिए एक पतीले को गैस स्टोव पर रखें. फिर इसमें सभी सामग्री को डालकर इन्हें 300 एमएल पानी में उबालें. अब तैयार मिश्रण को एक ठंडा करने के बाद छानकर एक स्प्रे बोतल में स्टोर कर लें.

इस्तेमाल का तरीका

एक्सपर्ट के अनुसार तैयार किए गए हेयर स्प्रे को रोज सुबह बालों की जड़ में स्प्रे करना है. इस बात को भी सुनिश्चित करें कि आप स्प्रे की बोतल को हर तीसरे दिन रीफिल कर रहे हो. रोजाना इस्तेमाल से सिर्फ 3 हफ्ते में ही आपको अपने बालों में अच्छे बदलाव नजर आने लगेंगे।

कैमिकल वाले आम से कैसे निकालें जहर? खाने से पहले करें 1 छोटा काम, मिनटों में दूर करेगा सारा खतरा

आजकल मुनाफे के चक्कर में व्यापारी आमों को समय से पहले पकाने के लिए कैल्शियम कार्बाइड (Calcium Carbide) जैसे खतरनाक केमिकल्स का धड़ल्ले से इस्तेमाल कर रहे हैं. इस केमिकल से निकलने वाली एसिटिलीन गैस आम को चमकीला और पीला तो बना देती है, लेकिन यह हमारे लिवर, पेट और नर्वस सिस्टम के लिए बेहद नुकसानदेह है. तो जहर को निकालें कैसे? जानें तरीका.

बाजार में मिलने वाले ये रसीले आम आपकी सेहत के लिए एक धीमा जहर भी साबित हो सकते हैं.

गर्मियों का मौसम आते ही बाजारों में फलों के राजा 'आम' की

बहार आ जाती है. दशहरी, लंगड़ा, चौंसा हो या अल्फोंसो, आम का नाम सुनते ही मुंह में पानी आना लाज़मी है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि बाजार में मिलने वाले ये रसीले आम आपकी सेहत के लिए एक धीमा जहर भी साबित हो सकते हैं? आजकल मुनाफे के चक्कर में व्यापारी आमों को समय से पहले पकाने के लिए कैल्शियम कार्बाइड (Calcium Carbide) जैसे खतरनाक केमिकल्स का धड़ल्ले से इस्तेमाल कर रहे हैं. इस केमिकल से निकलने वाली एसिटिलीन गैस आम को चमकीला और पीला तो बना देती है, लेकिन यह हमारे लिवर, पेट और नर्वस सिस्टम के लिए बेहद नुकसानदेह है.

बस 1 छोटा काम करेगा सारा केमिकल साफ!

केमिकल वाले आम से जहर (टॉक्सिन्स) निकालने का सबसे अचूक और वैज्ञानिक तरीका है हाइड्रेशन यानी आम को पानी में भिगोना. इसके लिए सबसे पहले बाजार से आम लाने के बाद उन्हें सीधे फ्रिज में न रखें और न ही तुरंत काटें. अब एक बड़े बर्तन या बाल्टी में साफ पानी भरें और इन आमों को उस पानी में कम से कम 2 से 3 घंटे के लिए डूबने दें। अगर आपके पास समय कम है, तो पानी में 1 चम्मच बेकिंग सोडा (मीठा सोडा) या सेब का सिरका (Apple Cider Vinegar) मिला दें. बेकिंग सोडा केमिकल के असर को बेअसर करने में सबसे आगे है. इस घोल में आम को 20-30 मिनट भिगोना भी काफी होगा. भिगोने के बाद आम को साफ पानी से रगड़कर धो लें और पोंछकर सर्व करें.

पानी में भिगोना क्यों है ज़रूरी?

-आयुर्वेद और मॉडर्न साइंस दोनों मानते हैं कि आम की तासीर गर्म होती है (Thermogenic Effect). पानी में भिगोकर रखने से इसकी अतिरिक्त गर्मी निकल जाती है।

जब सपनों को पूरा करने के लिए फरहाना भट्ट को चुकानी पड़ी बड़ी कीमत, बोलीं- आसान नहीं होता...

मुंबई। सलमान खान के रियलिटी टीवी शो 'बिग बॉस 19' की चर्चित कंटेस्टेंट रहीं फरहाना भट्ट ने अपने जीवन के सबसे मुश्किल और भावुक फैसले के बारे में खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने बताया कि वह अपने सपनों को अहमियत देती हैं। इसी वजह से उन्होंने अपने परिवार से रिश्ता तोड़ लिया और उनसे कहा कि वे उन्हें सार्वजनिक रूप से बेदखल कर दें। फरहाना ने यह कदम अपने सपनों को पूरा करने के लिए उठाया।

कश्मीर की रहने वाली फरहाना भट्ट को 'बिग बॉस 19' में अपने बेबाक और निडर व्यक्तित्व के कारण खूब चर्चा मिली। शो के दौरान उनकी अभद्र भाषा पर काफी ट्रोलिंग भी हुई। शो के बाद फरहाना सिंगर और कंपोजर अमाल मलिक के साथ एक म्यूजिक वीडियो में भी नजर आईं। अब वह रोहित शेट्टी के स्टंट बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' के 15वें सीजन में हिस्सा लेने की तैयारी कर रही हैं। फरहाना ने अपनी भावनात्मक उथल-पुथल का जिक्र करते हुए बताया कि खून के रिश्तों यानी अपनों से उम्मीदें रखना स्वाभाविक है लेकिन जब सबसे मुश्किल वक्त में कोई साथ नहीं देता तो फैसला लेना और भी कठिन हो जाता है। आईएएनएस से खास बातचीत में फरहाना ने बताया, 'मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा जोखिम यह था कि मैंने खुद को अपने करीबी खून के रिश्तों से पूरी तरह अलग कर लिया। मैंने उनसे कह दिया कि आप सार्वजनिक रूप से ऐलान कर सकते हैं कि 'वह हमारी नहीं है' या उससे हमारा कोई रिश्ता नहीं है।' फरहाना ने बताया कि सपनों को पूरा करने के लिए उन्हें बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। परिवार से दूरी का फैसला लेना आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने अकेले लड़ने की हिम्मत जुटाई।

रिद्धि डोगरा ने बताया खुद से प्यार करने का हुनर, कहा- अकेले रहना कमजोरी नहीं, ताकत है

मुंबई । अभिनेत्री रिद्धि डोगरा टेलीविजन और ओटीटी की दुनिया का जाना-माना नाम हैं। बुधवार को अभिनेत्री ने बताया कि अकेले रहना कोई कमजोरी नहीं, बल्कि ताकत है।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की। इस तस्वीर में वह लाल रंग की साड़ी पहने एक कैफे में बैठी नजर आ रही हैं। रिद्धि ने लिखा, 'जब आप अकेले किसी कैफे में जाकर खाना खाने, अकेले फिल्म देखने या खुद के साथ वक्त बिताने से डरना बंद कर देते हैं, तो दुनिया आपको खतरनाक समझने लगती है। ऐसा इसलिए क्योंकि आप समाज की बनाई पुरानी सोच से अलग हटकर जीना शुरू कर देते हैं। उन्होंने आगे लिखा, 'जब आप खुद के साथ खुश रहना सीख जाते हैं, तो आप दूसरों को खुश करने या उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने के दबाव से आजाद हो जाते हैं। तब आप दूसरों को खुश करने के लिए अपनी जिंदगी नहीं जीते।'

अभिनेत्री ने बताया कि इस दौरान आपको लोग पसंद तो आते हैं, लेकिन आप उन्हें बांधकर रखने की जिद नहीं करते और जरूरत पड़ने पर उन्हें छोड़ना भी सीख जाते हैं। फिर भी आपके दिल में उनके लिए प्यार कम नहीं होता।

उन्होंने लिखा, 'ज्यादातर लोग इस तरह नहीं सोचते, इसलिए उन्हें समझ नहीं आता कि आपके साथ कैसे पेश आएं।

रिद्धि ने पोस्ट के अंत में लिखा, 'ऐसा नहीं है कि जिंदगी ने आपको अकेलापन नहीं दिया, बल्कि आपने उस अकेलेपन को अपना दोस्त बना लिया। उसके साथ वक्त बिताया और उसे अपनी छोटी-सी खूबसूरत कहानी बना लिया।'

रिद्धि डोगरा की इस पोस्ट को उनके फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। लोग कमेंट्स में तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

रिद्धि डोगरा कई लोकप्रिय रियलिटी शो में भी हिस्सा ले चुकी हैं। वह अपने तत्कालीन पति राकेश बापट के साथ डांस रियलिटी शो नच बलिए 6 (2013-14) और स्टंट आधारित शो फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 6 (2015) में नजर आ चुकी हैं। हाल ही में वह द 50 में भी दिखाई दी थीं। यह शो कलर्स टीवी और जियोसिनेमा पर प्रसारित हुआ था।

खुद को स्क्रीन पर नहीं देख पाते एडम ड्राइवर, बोले- 'फिल्म शुरू होते ही मैं छिप जाता हूं'

मुंबई । हॉलीवुड अभिनेता एडम ड्राइवर इन दिनों अपनी आने वाली क्राइम ड्रामा फिल्म 'पेपर टाइगर' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म के प्रीमियर के लिए वह कान्स फिल्म फेस्टिवल में पहुंचे और एक दिलचस्प खुलासा किया। उन्होंने बताया कि वह अपनी ही एक्टिंग को स्क्रीन पर देखने से बचने की कोशिश करते हैं। एडम ड्राइवर ने बताया, 'जब फिल्म शुरू होने वाली होती है, तब मैं थिएटर के अंदर बैठने के बजाय चुपके से ऐसी जगह चला जाता हूं, जहां से बाहर का नजारा दिखाई देता हो, और फिर वापस थिएटर में आ जाता हूं। मैं कोशिश करता हूं कि किसी का ध्यान मेरी तरफ न जाए, ताकि फिल्म खत्म होने के समय मैं वहां मौजूद रह सकूं। बता दें कि एडम ड्राइवर हॉलीवुड के सबसे सफल और चर्चित अभिनेताओं में गिने जाते हैं, लेकिन इसके बावजूद उनके अंदर यह झिझक आज भी बनी हुई है। उन्होंने अपने करियर में कई बड़ी फिल्में दी हैं, जिसमें 'दिस इज व्हेयर आई लीव यू', 'पैटरसन', 'साइलेंस', 'हाउस ऑफ गुच्ची', 'व्हाइट नॉइज' और 'फेरारी' जैसी फिल्में शामिल हैं। लेकिन इन सब के बावजूद वह खुद को स्क्रीन पर देखकर पूरी तरह सहज महसूस नहीं कर पाते। एडम ने बताया, ''पहले मैं इस घबराहट को कम करने के लिए थोड़ी ड्रिंक लेता था, लेकिन ज्यादा नहीं पी पाता था, क्योंकि अगर स्क्रीन पर लोग रो रहे हों और आप बहुत ज्यादा उत्साहित होकर थिएटर में लौटें, तो वह स्थिति अजीब लग सकती है।

सोशल मीडिया पर छाया 'मेलोडी' का खुमार, कृति खरबंदा ने टॉफी वाली पोस्ट से लूट ली महफिल!

मुंबई। सोशल मीडिया पर इन दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी के नाम को मिलाकर 'मेलोडी' ट्रेंड छाया हुआ है। इस मजेदार मीम फेस्ट में अब अभिनेत्री कृति खरबंदा भी शामिल हो गई हैं।

बुधवार को कृति ने इंस्टाग्राम पर भूरे (ब्राउन) रंग की खूबसूरत ड्रेस में अपनी तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसका रंग बिल्कुल 'मेलोडी' टॉफी से मिल रहा है। अभिनेत्री ने मजा लेते हुए कैप्शन भी कुछ ऐसा डाला कि सभी का ध्यान उनके कैप्शन की ओर खींचा चला गया।

कृति लिखती हैं, 'ये मेलोडी इतनी चॉकलेटी क्यों है?' कृति की पोस्ट सभी को बहुत पसंद आ रही हैं। उनके फैंस कमेंट सेक्शन पर जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

बता दें कि 'मेलोडी' शब्द को सोशल मीडिया यूजर्स अक्सर इस्तेमाल करके वैश्विक मंचों पर इन दोनों नेताओं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी, के बीच हुई हल्की-फुल्की बातचीत को हाईलाइट करते हैं।

इस वायरल ट्रेंड को तब रफ्तार मिली, जब इटली के दौरे पर पीएम मोदी ने जॉर्जिया मेलोनी को भारत की मशहूर 'मेलोडी' चॉकलेट/टॉफी गिफ्ट की थी। मेलोनी ने इस क्यूट जेस्चर के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद देते हुए अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो भी शेयर किया था, जो इंटरनेट पर आते ही छा गया।

इस मजेदार ट्रेंड के साथ-साथ यह ऑनलाइन ट्रेंड दोनों देशों के बीच मजबूत हो रही कूटनीतिक और व्यापारिक साझेदारी को भी प्रदर्शित करता है। अभिनेत्री कृति खरबंदा पिछली बार फिल्म राणा नाइडू-2 में नजर आई थी। यह एक एक्शन-क्राइम ड्रामा फिल्म है।

अभिनेत्री हाल ही में फिल्म 'हाउसफुल 5' में नजर आई थीं। तरुण मनसुखानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, डिनो मोरिया, जैकलीन फर्नांडीज, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चित्रांगदा सिंह, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, रंजीत, सौंदर्या शर्मा और आकाशदीप साबिर जैसे स्टार्स शामिल हैं।

अहाना कुमरा ने माता-पिता के दिन को बनाया खास, स्टेडियम में लाइव मैच दिखाकर दिया अनोखा तोहफा

मुंबई । अभिनेत्री अहाना कुमरा हाल ही में परिवार के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का लाइव मैच देखने स्टेडियम पहुंचीं, जहां उन्होंने खास अंदाज में डबल सेलिब्रेशन किया। बुधवार को अभिनेत्री ने आईपीएल मैच की झलकियां सोशल मीडिया पर शेयर कीं।

इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीरों में अभिनेत्री परिवार संग फुर्सत के पल बिताती नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों को पोस्ट करते हुए अहाना ने बताया कि यह मौका उनके पिता के 75वें जन्मदिन और माता-पिता की शादी की सालगिरह का था। इस खास अवसर को यादगार बनाने के लिए वे जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम पहुंचीं।

अहाना ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए लिखा, 'मेरे पापा के जीवन के 75 साल पूरे हो गए। इस खास मौके पर हमने उनकी पुरानी इच्छा पूरी की। उनकी तमन्ना थी कि वे एक बार स्टेडियम में बैठकर लाइव क्रिकेट मैच देखें। 75वें जन्मदिन के मौके पर जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच मुकाबला देखना हम सभी के लिए बेहद शानदार और यादगार अनुभव रहा। अहाना ने बताया कि लाइव मैच के दौरान बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी के बल्ले से निकले शानदार छक्के देखना उनके पिता के लिए किसी बड़े तोहफे से कम नहीं था। उन्होंने लिखा, 'इसी के साथ मेरे माता-पिता की सालगिरह का जश्न भी था, जिसने इस दिन को हमारी जिंदगी की सबसे खूबसूरत यादों में शामिल कर दिया। इतने बड़े आयोजन में माता-पिता की सुविधा का ध्यान रखने और आफ्टर पार्टी के खास इंतजाम के लिए भी अभिनेत्री ने ड्रीमसेटगो की टीम का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने लिखा, 'मेरे पापा उस दिन छोटे बच्चे की तरह खुश नजर आए। कुछ दिन जिंदगी में हमेशा के लिए याद बन जाते हैं और सच में, जब हम अपने माता-पिता को खास महसूस कराने के लिए छोटी-सी कोशिश भी करते हैं, तो हर बच्चे का दिल खुशी से भर जाता है।' बता दें कि अभिनेत्री अहाना कुमरा एक प्रतिष्ठित परिवार से आती हैं। उनके पिता सुशील कुमरा ल्यूपिन लिमिटेड (दवा क्षेत्र की जानी-मानी कंपनी) के पूर्व उपाध्यक्ष हैं, जबकि मां सुरेश कुमरा वाराणसी की पूर्व डीएसपी रह चुकी हैं। उन्हें राष्ट्रपति पदक से भी सम्मानित किया जा चुका है।

एक्टर्स के लिए 'संघर्ष' को जरूरी मानते हैं दिव्येंदु शर्मा, बोले- यही निखारता और मजबूत बनाता है

मुंबई। 'प्यार का पंचनामा', 'बत्ती गुल मीटर चालू' जैसी फिल्में देने वाले और 'मिर्जापुर' में मुन्ना भैया के आइकॉनिक रोल के लिए मशहूर दिव्येंदु शर्मा ने अपनी मेहनत और अलग-अलग भूमिकाओं से फिल्म इंडस्ट्री में एक मजबूत जगह बनाई है। अब वह रामचरण स्टारर फिल्म 'पेड्डी' में अलग अंदाज में नजर आएंगे। इस बीच दिव्येंदु ने एक्टर्स के संघर्ष पर खुलकर बात की।

दिव्येंदु शर्मा ने अपने करियर के शुरुआती संघर्ष पर बात करते हुए बताया कि बॉलीवुड में शुरू से शुरू करने की एक कीमत चुकानी पड़ती है और यही संघर्ष किसी अभिनेता को सच्चा बनाता है। आईएएनएस से बातचीत में दिव्येंदु ने कहा, 'स्क्रैच से शुरू करना बहुत जरूरी है। इसके पीछे एक कीमत होती है। इसलिए मेरे लिए वहीं से शुरू करना बहुत महत्वपूर्ण था।'

उन्होंने जोर देकर कहा कि संघर्ष ही एक अभिनेता को निखारता है और मजबूत बनाता है। दिव्येंदु ने बताया कि वे हमेशा ऐसे प्रोजेक्ट्स चुनते हैं जिनमें उन्हें अलग-अलग तरह के किरदार और कहानियां मिल सकें। उन्होंने कहा, 'मैं इस बात का बहुत ध्यान रखता हूं कि जितने भी प्रोजेक्ट्स करूं, उनमें अलग-अलग किरदार और अलग-अलग कहानियों का हिस्सा बन सकूं। इससे मुझे खुद को लगातार चुनौती देने का मौका मिलता है।'

बिना किसी बड़े इंडस्ट्री सपोर्ट या बैकिंग के अपनी सफलता पर विचार करते हुए दिव्येंदु ने कहा कि वह खुद को बहुत लकी और विनम्र महसूस करते हैं। उन्होंने बताया, मैं बहुत ब्लेस्ड और हंबल्ड महसूस करता हूं। बिना किसी बैकिंग के आज जहां पहुंचा हूं, वह मेरे सपने को पूरा करना है।

भारत-दक्षिण कोरिया मित्रता का संदेश, राजनाथ सिंह ने वीरों को किया नमन

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया की आधिकारिक यात्रा पर पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को सियोल स्थित राष्ट्रीय समाधि स्थल 'नेशनल सेमेट्री ऑफ कोरिया' पहुंचकर देश के वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस दौरान उन्होंने पुष्प अर्पित कर उन सैनिकों को नमन किया, जिन्होंने अपने राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान दिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि इन वीर जवानों का साहस, समर्पण और देशभक्ति की भावना आने वाली पीढ़ियों के लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी। भारत, कोरिया गणराज्य के साथ उसके वीर नायकों की विरासत का सम्मान करने और उनके बलिदान को स्मरण करने में पूरी एकजुटता के साथ खड़ा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने समाधि स्थल पर दक्षिण कोरिया के सैन्य इतिहास तथा वहां के सैनिकों के योगदान को सम्मानपूर्वक याद किया। गौरतलब है कि राजनाथ सिंह तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर दक्षिण कोरिया में हैं। वह यहां दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री आन ग्यू-बैक के साथ व्यापक द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। बैठक में दोनों देश रक्षा साझेदारी की मौजूदा स्थिति की समीक्षा करेंगे और सैन्य सहयोग, रक्षा उद्योग, समुद्री सुरक्षा, प्रौद्योगिकी साझेदारी और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे विषयों पर नई पहलों पर चर्चा करेंगे। इसके साथ ही साझा क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान होगा। यह यात्रा 19 मई से प्रारंभ हुई है और 21 मई तक जारी रहेगी। इस यात्रा का उद्देश्य भारत और कोरिया गणराज्य के बीच रक्षा सहयोग, रणनीतिक साझेदारी और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समन्वय को और मजबूत करना है।

रक्षा मंत्री की यह यात्रा भारत और दक्षिण कोरिया के बीच मजबूत होते सामरिक एवं रक्षा संबंधों के संदर्भ में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग, समुद्री सुरक्षा, रक्षा उत्पादन, तकनीकी साझेदारी और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे मुद्दों पर लगातार सहयोग बढ़ रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि राजनाथ सिंह द्वारा राष्ट्रीय समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित करना न केवल वीर सैनिकों के प्रति सम्मान का प्रतीक है, बल्कि यह भारत और दक्षिण कोरिया के बीच साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, शांति और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। भारत और दक्षिण कोरिया के बीच पिछले कुछ वर्षों में रक्षा और रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हुई है। दोनों देश इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति, स्थिरता और नियम-आधारित व्यवस्था को बनाए रखने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

ट्रंप का दावा: बहुत जल्द खत्म कर देंगे युद्ध, ईरान समझौते के लिए बेताब, वे थक चुके हैं

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि हाल ही में अमेरिकी सैन्य हमलों के बाद ईरान 'समझौता करने के लिए बहुत बेताब है।' उन्होंने दावा किया कि तेहरान की सैन्य क्षमता काफी हद तक खत्म कर दी गई है। साथ ही उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

ट्रंप व्हाइट हाउस के सालाना कांग्रेसनल पिकनिक में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने राजनीतिक रैली जैसी शैली में अर्थव्यवस्था, विदेश नीति और अपनी सरकार के एजेंडे पर भी बात की और बार-बार ईरान और मध्य पूर्व में तनाव का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हम इस युद्ध को बहुत जल्दी खत्म कर देंगे। वे समझौता करना बहुत चाहते हैं। वे इससे थक चुके हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका ने कार्रवाई इसलिए की क्योंकि 'उनके दिमाग में परमाणु हथियार हैं और हम उन्हें यह हथियार नहीं लेने देंगे।'

उन्होंने कहा कि हमने बहुत अच्छा काम किया है और मुझे लगता है हम बहुत जल्दी यह पूरा कर लेंगे और उनके पास परमाणु हथियार नहीं होगा। उम्मीद है हम इसे अच्छे तरीके से हल करेंगे। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान की सैन्य ताकत को बहुत नुकसान पहुंचा है।

उन्होंने कहा कि हमने उनकी नौसेना खत्म कर दी। उनकी एयरफोर्स खत्म हो गई। उनकी एंटी-एयरक्राफ्ट क्षमता भी खत्म हो गई। उनके पास युद्ध में इस्तेमाल होने वाला सारा सामान खत्म हो गया। उन्होंने कहा, 'मैं यह नहीं कहना चाहता कि उनके नेता खत्म हो गए हैं, क्योंकि यह कहना अच्छा नहीं लगता, लेकिन सच यही है।' ये बयान व्हाइट हाउस के दक्षिण लॉन पर हुए एक उत्सव जैसे कार्यक्रम के दौरान दिए गए, जिसमें कांग्रेस के सदस्य, कैबिनेट अधिकारी और उनके परिवार शामिल थे।

संक्षिप्त खबर

भारत ने सुरक्षा परिषद की सुधार प्रक्रिया पर उठाए सवाल, बहुमत की राय को दबाने का आरोप

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार को लेकर चल रही बातचीत के रिकॉर्ड रखने के तरीके पर सवाल उठाए हैं। भारत का कहना है कि पिछली बैठक के दस्तावेज में स्थायी और अस्थायी सदस्यता बढ़ाने के समर्थन को सही तरीके से नहीं दिखाया गया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी हरीश ने कहा कि ज्यादातर सदस्य देश सुरक्षा परिषद में दोनों तरह की सदस्यता बढ़ाने के पक्ष में हैं, लेकिन दस्तावेज में इसे सिर्फ 'महत्वपूर्ण समर्थन' बताना बहुमत की राय को सही ढंग से नहीं दिखाता।

वह सुरक्षा परिषद सुधारों पर हुई इंटरगवर्नमेंटल नेगोशिएशंस (आईजीएन) की बैठक में जी4 समूह की ओर से बोल रहे थे। जी4 में भारत, ब्राजील, जर्मनी और जापान शामिल हैं। ये देश सुरक्षा परिषद में सुधार और खुद को स्थायी सदस्य बनाने की मांग का समर्थन करते हैं। हरीश ने कहा, 'जी-4 चाहता है कि इस सत्र का एलिमेंट्स पेपर सदस्य देशों की राय और भावना को सही और निष्पक्ष तरीके से दिखाए।' उन्होंने कहा कि अभी तक बातचीत के लिए कोई आधिकारिक ड्राफ्ट टेक्स्ट तैयार नहीं हो पाया है, क्योंकि कुछ देशों का छोटा समूह इसका विरोध कर रहा है। ऐसे में 'एलिमेंट्स पेपर' ही बातचीत को आगे बढ़ाने का एकमात्र तरीका बन गया है, जिसमें अलग-अलग सुधार प्रस्तावों के समर्थन का जिक्र किया जाता है।

पिछले सत्र में अफ्रीकी देशों की संयुक्त मांग पर चर्चा हुई थी, जिसमें स्थायी और अस्थायी दोनों तरह की सीटें बढ़ाने की बात कही गई थी। इस प्रस्ताव को काफी देशों का समर्थन मिला था। 'यूनाइटिंग फॉर कंसेंसस' (यूएफसी) नाम का एक छोटा समूह स्थायी सदस्यता बढ़ाने का विरोध करता है। यह समूह प्रक्रिया से जुड़े नियमों का इस्तेमाल करके बातचीत के आधिकारिक ड्राफ्ट को आगे बढ़ने से रोकता रहा है। इस समूह की अगुवाई इटली करता है और पाकिस्तान भी इसका खुलकर समर्थन करने वाले देशों में शामिल है। हरीश ने कहा कि जी4 पहले ही साफ कर चुका है कि एक संयुक्त मॉडल तैयार करके टेक्स्ट आधारित बातचीत शुरू होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसा मॉडल पूरी निष्पक्षता से तैयार होना चाहिए और इसमें अलग-अलग देशों और समूहों की राय शामिल होनी चाहिए।

यूएफसी का कहना है कि जब तक पूरी सहमति न बने, तब तक कोई बातचीत का टेक्स्ट तैयार नहीं हो सकता। इस पर जवाब देते हुए हरीश ने कहा कि संयुक्त मॉडल बातचीत की शुरुआत है, अंत नहीं। इसे केवल सहमति या सबसे कम साझा राय तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि अलग-अलग समूहों और देशों के बीच पुल बनाने वाले प्रस्ताव और नए सुझाव टेक्स्ट आधारित बातचीत से ही निकल सकते हैं। हरीश ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर टेक्स्ट आधारित बातचीत जल्द शुरू नहीं हुई, तो आईजीएन प्रक्रिया में कोई असली प्रगति नहीं हो पाएगी। उन्होंने कहा कि सुधारों के पक्षधर समूह के तौर पर जी4 एक बार फिर कहता है कि बिना और देरी किए टेक्स्ट के आधार पर बातचीत शुरू होनी चाहिए।

आतंकवाद के खिलाफ बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास 'प्रगति', 12 मित्र देशों की सेनाएं शामिल

नई दिल्ली। भारत में एक महत्वपूर्ण बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास 'प्रगति 2026' शुरू किया गया है। भारतीय सेना द्वारा आयोजित यह सैन्य अभ्यास बुधवार को मेघालय के उमरोई मिलिट्री स्टेशन में प्रारंभ हुआ। इस दो सप्ताह लंबे सैन्य अभ्यास में भारत सहित 12 मित्र देशों - भूटान, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, मालदीव, म्यांमार, नेपाल, फिलीपींस, सेशेल्स, श्रीलंका और वियतनाम की सैन्य टुकड़ियां हिस्सा ले रही हैं।

दो सप्ताह तक चलने वाला यह सैन्य अभ्यास अर्ध-पहाड़ी और जंगल क्षेत्रों में आतंकवाद-रोधी अभियानों पर केंद्रित रहेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत संयुक्त योजना निर्माण, सामरिक स्तर के अभ्यास और समन्वित अभियान चलाए जाएंगे। ये अभियान इसलिए हैं ताकि भाग विभिन्न देशों के सैनिकों की अनुकूलन क्षमता, सहनशक्ति और सामरिक दक्षता को और बेहतर बनाया जा सके। कठिन परिस्थितियों में संचालन के दौरान शारीरिक फिटनेस, अनुशासन और आपसी समन्वय पर विशेष जोर दिया जाएगा। 'रिजॉल्यूट, रिलेंटलेस एंड यूनाइटेड' थीम पर आधारित 'प्रगति' पहली एक्सरसाइज है। इसका उद्देश्य विभिन्न मित्र देशों के बीच सैन्य सहयोग, समन्वय और आपसी समझ को मजबूत करना है। यहां सभी विदेशी सैन्य दलों का भारतीय सेना ने पारंपरिक और सांस्कृतिक तरीके से स्वागत किया। 'प्रगति' यानी पार्टनरशिप ऑफ रीजनल आर्मीज फॉर ग्रोथ एंड ट्रांसफॉर्मेशन इन द इंडियन ओशन रीजन को समानता, मित्रता और आपसी सम्मान की भावना के साथ आयोजित किया जा रहा है। यह अभ्यास विभिन्न सेनाओं को पेशेवर अनुभव साझा करने, एक-दूसरे की कार्यप्रणाली को समझने और सैन्य सहयोग को मजबूत करने के लिए एक साझा मंच प्रदान करेगा। बुधवार को हुई इस शुरुआत में भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारी और विभिन्न देशों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस अवसर पर भारतीय सेना के अतिरिक्त महानिदेशक इन्फैंट्री मेजर जनरल सुनील श्योराण ने सभी सैन्य दलों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक सहभागिता और सहयोग अत्यंत आवश्यक है।

पूर्वी चीन सागर में 6.0 तीव्रता का तेज भूकंप, स्थानीय प्रशासन सतर्क

नई दिल्ली। बुधवार सुबह पूर्वी चीन सागर में 6.0 तीव्रता का तेज भूकंप आया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनएससी) ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि भूकंप का केंद्र 27.523 डिग्री उत्तर अक्षांश और 128.418 डिग्री पूर्वी देशांतर पर था।

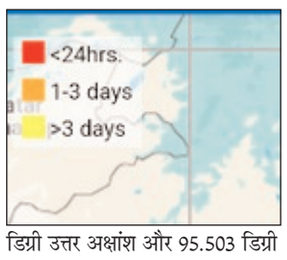

भूकंप के केंद्र की गहराई 33 किलोमीटर दर्ज की गई। भूकंप का केंद्र जापान के नागासाकी शहर से लगभग 597 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम (एसएसडब्ल्यू) दिशा में पूर्वी चीन सागर में था। भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 8 बजकर 16 मिनट पर आया। फिलहाल किसी जान-माल की हानि या सुनामी की कोई खबर नहीं है, लेकिन इस क्षेत्र में कई द्वीप और तटीय इलाके होने के कारण स्थानीय प्रशासन सतर्क है। इससे कुछ देर पहले भारतीय समयानुसार सुबह 7.33 पर हिंद महासागर में भी 4.4 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। इसका केंद्र 1.437 डिग्री उत्तर अक्षांश और 95.503 डिग्री पूर्वी देशांतर पर था। भूकंप की गहराई मात्र 10 किलोमीटर थी। यह स्थान भारत के अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के कैंपबेल खाड़ी से लगभग 644 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण-पूर्व (एसएसई) दिशा में था। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर दोनों भूकंपों की विस्तृत जानकारी साझा की। विशेषज्ञों के अनुसार, 6.0 तीव्रता का भूकंप मध्यम श्रेणी का माना जाता है। यदि यह जमीन के अंदर होता तो नुकसान हो सकता था, लेकिन समुद्र में होने के कारण इसका प्रभाव मुख्य रूप से समुद्री तरंगों तक सीमित रह सकता है।

अमेरिका का दावा: सैन्य कार्रवाई के बाद ईरान की ताकत हुई कमजोर, रक्षा ढांचे का 90 प्रतिशत तबाह

वाशिंगटन। एडमिरल ब्रैड कूपर ने ट्रंप प्रशासन के ईरान के खिलाफ चलाए गए सैन्य अभियान का बचाव करते हुए सांसदों से कहा कि मध्य पूर्व में कई हफ्तों तक चली अमेरिकी अगुवाई वाली सैन्य कार्रवाई के बाद ईरान की सैन्य ताकत 'काफी हद तक कमजोर' हो चुकी है।

हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी के सामने पेश होते हुए, अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रमुख कूपर ने बार-बार कहा कि 'एपिक फ्यूरी' और 'मिडनाइट हैमर' नाम के ऑपरेशनों ने ईरान की क्षेत्र में ताकत दिखाने की क्षमता को काफी हद तक खत्म कर दिया है।

कूपर ने तीखी बहस के दौरान कहा कि अमेरिकी सेना की कार्रवाई की वजह से हम अब पहले से ज्यादा सुरक्षित हैं।

यह सुनवाई ऐसे समय में हुई जब लगभग तीन महीने से चल रहे ईरान संघर्ष, बढ़ती तेल कीमतों और होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही में रुकावट को लेकर राजनीतिक दबाव बढ़ रहा है। कूपर ने लॉ-मेकर्स से कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान की बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन क्षमताओं को काफी नुकसान पहुंचाया है और उनके रक्षा उद्योग के 90 प्रतिशत हिस्से को तबाह कर दिया है, जिससे ईरान कई वर्षों तक दोबारा अपनी ताकत नहीं बना पाएगा।

उन्होंने कहा कि ईरान के क्षेत्रीय सहयोगी और प्रॉक्सी नेटवर्क भी काफी कमजोर हो चुके हैं। कूपर ने गवाही में कहा कि आज हमास, हिज्बुल्लाह और हूती जैसे समूह ईरान से मिलने वाले हथियारों और समर्थन से कट चुके हैं। कूपर के मुताबिक, हालिया सैन्य अभियान शुरू होने से पहले पिछले ढाई वर्षों में ईरान समर्थित समूहों ने अमेरिकी सैनिकों और राजनयिकों पर 350 से ज्यादा हमले किए थे।

सेंटकॉम कमांडर ने ईरान के आसपास जारी अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी का भी बचाव किया और कहा कि यह बातचीत में अमेरिका के लिए बड़ा दबाव बनाने का तरीका है। उन्होंने कहा कि अब तक हमने 88 जहाजों को वापस भेजा है।

दुनिया जंगलराज की ओर बढ़ रही, लड़ाई रोकना बेहद जरूरी : जिनपिंग

बीजिंग। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बुधवार को अहम बैठक की। वार्ता का आयोजन ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में किया गया था। इस दौरान आपसी संबंधों को बेहतर बनाने पर चर्चा हुई, 20 समझौतों पर हस्ताक्षर हुए इसके साथ ही मध्य एशिया के बिगड़े हालात पर भी मंथन हुआ।

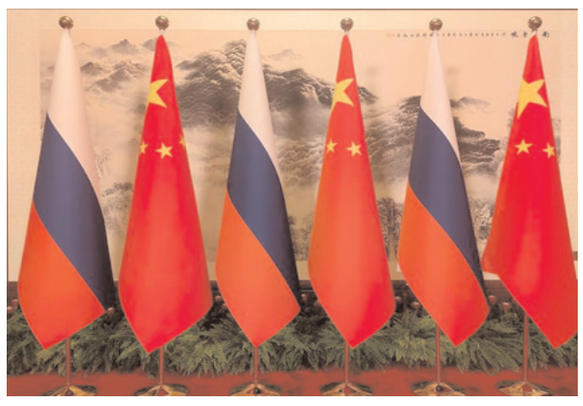

समाचार एजेंसी सिंहुआ के अनुसार, चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग ने पुतिन के साथ बैठक के दौरान मध्य पूर्व में सभी शत्रुता को तुरंत समाप्त करने का फिर से आह्वान किया। शी ने कहा कि खाड़ी क्षेत्र की स्थिति 'युद्ध और शांति के बीच एक निर्णायक मोड़' पर है। वहीं संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिनपिंग ने मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध को लेकर चेतावनी दी। बैठक में उन्होंने कहा कि दुनिया फिर जंगलराज की तरफ बढ़ रही है। उन्होंने कहा, 'अगर लड़ाई नहीं रुकी तो अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और वैश्विक स्थिरता पर बड़ा असर पड़ेगा।' उन्होंने कहा कि एकतरफा सैन्य कार्रवाई और लंबे समय तक चलने वाला युद्ध दुनिया को ऐसे दौर में ले जा सकता है, जहां अंतरराष्ट्रीय नियम कमजोर पड़ जाएं। ऐसी स्थिति में लड़ाई रोकना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा, 'हम विश्व शासन की एक नई, अधिक तर्कसंगत और निष्पक्ष प्रणाली बनाने, दुनिया को समृद्धि की ओर ले जाने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर काम करने के लिए तैयार हैं। दुनिया में बहुध्रुवीय व्यवस्था होनी चाहिए और अंतरराष्ट्रीय रिश्तों के नए तरीके अपनाए जाने चाहिए।' इसके अलावा शी ने रूस-चीन संबंधों को लेकर भी व्यापक चर्चा की। उन्होंने कहा कि इस वर्ष चीन-रूस रणनीतिक समन्वय साझेदारी की 30वीं वर्षगांठ और चीन-रूस मित्र पड़ोसी और मैत्रीपूर्ण सहयोग संधि के हस्ताक्षर की 25वीं वर्षगांठ है।

भूख से लेकर खौफ तक: अफगान परिवार जिंदा रहने के लिए अपने बच्चों को बेच रहे

नई दिल्ली। कई अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्टों में अफगानिस्तान में गहराते मानवीय संकट का जिक्र किया गया है, जहां कथित तौर पर अत्यधिक गरीबी परिवारों को भोजन, इलाज या कर्ज से राहत पाने के लिए अपने बच्चों को बेचने पर मजबूर कर रही है।

रिपोर्ट्स बताती हैं कि ऐसी घटनाएं अब कोई इक्का-दुक्का मामले नहीं हैं बल्कि एक बड़े संकट का हिस्सा हैं, जिसमें अब तीन-चौथाई अफगान अपनी बुनियादी जरूरतें पूरी करने के लिए भी संघर्ष कर रहे हैं। अफगानिस्तान के बिगड़ते मानवीय संकट ने परिवारों को जिंदा रहने के लिए एक अकल्पनीय कदम उठाने पर मजबूर कर दिया है। अपने बच्चों को बेचना, और अक्सर अपनी बेटियों को भी। ये मीडिया रिपोर्ट्स अत्यधिक गरीबी, भूख, बेरोजगारी और अंतरराष्ट्रीय मदद में कटौती को इसके मुख्य कारणों के तौर पर दिखाती हैं, और तालिबान द्वारा महिलाओं और लड़कियों पर लगाई गई पाबंदियों ने इस स्थिति को और भी बदतर बना दिया है।

कैलिफोर्निया में भड़की 'सैंडी फायर', 17 हजार से ज्यादा लोगों को घर छोड़ने का आदेश

लॉस एंजिल्स। दक्षिणी कैलिफोर्निया के वेंचुरा काउंटी में लगी तेज और हवा से भड़कती 'सैंडी फायर' पर काबू पाने के लिए 750 से ज्यादा फायरफाइटर जुटे हुए हैं। इस आग की वजह से 17,000 से अधिक लोगों को इलाका खाली करने के आदेश दिए गए हैं।

सैंडी फायर सोमवार सुबह सिमी वैली में सैंडी एवेन्यू और रूडोल्फ ड्राइव के पास शुरू हुई। यह जगह लॉस एंजेलिस से करीब 48 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में है। सिमी वैली पुलिस विभाग के मुताबिक, सुबह करीब दस बजे एक व्यक्ति खेत/जमीन साफ करने के दौरान ट्रैक्टर चला रहा था। तभी ट्रैक्टर से एक पत्थर टकराया, जिससे चिंगारी निकली और आसपास की सूखी झाड़ियों में आग लग गई। कम नमी और तेज हवाओं की वजह से आग बहुत तेजी से फैल गई। मंगलवार सुबह तक यह करीब 1,385 एकड़ (लगभग 5.6 वर्ग किलोमीटर) इलाके में फैल चुकी थी, जबकि सिर्फ पांच प्रतिशत आग पर ही काबू पाया जा सका था।

फायर ब्रिगेड और इमरजेंसी टीमों ने आसपास की रिहायशी कॉलोनियों को बचाने के लिए जमीन और हवा दोनों तरफ से बड़े स्तर पर अभियान शुरू किया। रात में हवा थोड़ी कम होने से राहत मिली, जिससे फायरफाइटर्स को सुरक्षा लाइनें बनाने का मौका मिला। पानी गिराने वाले हेलिकॉप्टर पास की झील से लगातार पानी भरकर आग बुझाने में लगे हैं, जबकि जमीनी टीमें आग को पहाड़ियों के पार बस्तियों तक पहुंचने से रोकने की कोशिश कर रही हैं।

कैलिफोर्निया सरकार भी पूरी सतर्कता बरत रही है। गवर्नर गैविन न्यूसम ने सोमवार शाम बताया कि राज्य को फेडरल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी (एफईएमए) से फायर मैनेजमेंट असिस्टेंस ग्रांट मिल गई है। इससे स्थानीय एजेंसियों को आग बुझाने में होने वाले खर्च का 75 प्रतिशत तक वापस मिल सकेगा।

दिल्ली हाईकोर्ट ने केजरीवाल-सिसोदिया को चुनाव लड़ने से रोकने की मांग वाली याचिका की खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सौरभ भारद्वाज और दुर्गेश पाठक को चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित करने की मांग वाली जनहित याचिका खारिज कर दी।

यह याचिका सतीश कुमार अग्रवाल नाम के व्यक्ति ने दाखिल की थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि आम आदमी पार्टी (आप) के इन नेताओं ने दिल्ली आबकारी नीति मामले की सुनवाई कर रहीं जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा के खिलाफ सोशल मीडिया और सार्वजनिक बयानों के जरिए गलत माहौल बनाने की कोशिश की। याचिकाकर्ता का कहना था कि इस तरह की टिप्पणियां न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंचाती हैं।

याचिका में यह भी कहा गया कि दिल्ली हाईकोर्ट एक संवैधानिक संस्था है और किसी जज के खिलाफ कथित दुष्प्रचार करना अदालत की प्रतिष्ठा कम करने जैसा है। अग्रवाल का तर्क था कि आम आदमी पार्टी के नेताओं का यह आचरण 'जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951' की धारा 29ए का उल्लंघन है। इस कानून के तहत राजनीतिक दलों को संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति सच्ची निष्ठा रखने की शर्त पूरी करनी होती है। गौरतलब है कि यह पूरा मामला उन मीडिया रिपोर्टों पर आधारित हैं, जिनमें केजरीवाल, सिसोदिया और दुर्गेश पाठक ने जस्टिस शर्मा को लेकर बयान दिए थे। ये बयान तब आए थे, जब जस्टिस शर्मा ने आबकारी नीति मामले की सुनवाई से खुद को अलग करने की मांग वाली याचिकाएं खारिज कर दी थीं। याचिकाकर्ता ने कोर्ट से मांग की थी कि चुनाव आयोग को आम आदमी पार्टी का रजिस्ट्रेशन रद्द करने का निर्देश भी दिया जाए। साथ ही इन नेताओं को भविष्य में कोई भी चुनाव लड़ने से रोकने की मांग भी की गई थी।

इस मामले की सुनवाई जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस करिया की बेंच ने बुधवार को की। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने याचिका में उठाए गए मुद्दों पर विचार किया, लेकिन अंत में इसे खारिज कर दिया।

तेलंगाना ने केंद्र से एसएएससीआई योजना के तहत मांगे 5,000 करोड़ रुपए

हैदराबाद। तेलंगाना सरकार ने राज्यों को पूंजी निवेश के लिए विशेष सहायता योजना (एसएएससीआई) के तहत केंद्र सरकार से अतिरिक्त 5,000 करोड़ रुपए की विशेष वित्तीय सहायता की मांग की है।

उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात के दौरान यह अनुरोध किया।

वित्त विभाग संभाल रहे मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने निर्मला सीतारमण के साथ राज्य के विकास, शैक्षणिक ढांचे और पूंजीगत खर्च से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा की।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, उपमुख्यमंत्री ने तेलंगाना के लिए एसएएससीआई के तहत अतिरिक्त 5,000 करोड़ रुपए की विशेष वित्तीय सहायता मंजूर करने का अनुरोध किया। उन्होंने केंद्रीय वित्त मंत्री को शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण बुनियादी ढांचे और मानव संसाधन विकास क्षेत्रों में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे बड़े निवेश और कल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी दी। शिक्षा क्षेत्र में किए जा रहे बड़े निवेश, खासकर यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल्स (वाईआईआईआरएस) परियोजना का जिक्र करते हुए उन्होंने आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) द्वारा मंजूर बाहरी सहायता प्राप्त परियोजनाओं (ईएपी) को एफआरबीएम सीमा से छूट देने की अपील की।

पिछले वर्ष सितंबर में निर्मला सीतारमण के साथ हुई बैठक में भी विक्रमार्क ने राज्य के 30,000 करोड़ रुपए के यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल्स कार्यक्रम के लिए विशेष वित्तीय सहायता और एफआरबीएम छूट की मांग की थी। इस संबंध में विक्रमार्क के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन भी सौंपा था।

संक्षिप्त खबर

ट्विशा केस: 'न्याय की कोई उम्मीद नहीं', पिता बोले- शव लेने का दबाव बना रही पुलिस

भोपाल। ट्विशा शर्मा के पिता नवनीधि शर्मा ने बुधवार को कहा कि परिवार को भोपाल प्रशासन, पुलिस और न्यायपालिका से न्याय मिलने की अब कोई उम्मीद नहीं बची है। उन्होंने आरोप लगाया कि जानबूझकर देरी की गई, ताकि शव सड़ जाए। नवनीधि शर्मा ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'इन लोगों (आरोपियों) ने अपने मकसद में सफलता हासिल कर ली है। हमें डर था कि दूसरे पोस्टमार्टम की अनुमति देने में जानबूझकर देरी की जा रही है, ताकि शव सड़ जाए, और वही हुआ।'

दरअसल, भोपाल के कटारा हिल्स पुलिस थाने ने बुधवार को शर्मा परिवार को पत्र लिखकर ट्विशा के पार्थिव शरीर को एम्स भोपाल से ले जाने का आग्रह किया। पुलिस ने बताया कि एम्स भोपाल ने कहा है कि शव को सुरक्षित रखने के लिए माइनस 80 डिग्री सेल्सियस तापमान की जरूरत है, लेकिन अस्पताल में ऐसी सुविधा उपलब्ध नहीं है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए ट्विशा के पिता ने कहा, 'वे शव को सड़ाने में सफल हो गए। आज भोपाल प्रशासन ने भी कह दिया कि वे अब शव को सुरक्षित रखने में सक्षम नहीं हैं। यह हमारे साथ यातना जैसा व्यवहार है। हमें मजबूर किया जा रहा है कि हम शव को ले जाएं।' उन्होंने इसे 'न्याय व्यवस्था पर काला धब्बा' बताते हुए कहा, 'जानबूझकर लंबी न्यायिक प्रक्रिया चलाई गई, ताकि शव सड़ जाए। किसी ने भी स्वत: संज्ञान नहीं लिया। हमें एक अदालत से दूसरी अदालत तक भटकाया गया, जिससे गिरीबाला सिंह अपना उद्देश्य हासिल कर सकें, और आखिरकार वही हुआ।' नवनीधि शर्मा ने कहा कि परिवार दिल्ली में पोस्टमार्टम इसलिए कराना चाहता था, ताकि यह किसी राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान में हो सके। उन्होंने आरोप लगाया कि भोपाल पुलिस, प्रशासन और न्यायिक व्यवस्था से परिवार को कोई सहयोग नहीं मिला। उन्होंने कहा, 'ऐसा लगता है कि न्यायाधीश आरोपी पक्ष का पूरा सहयोग कर रहे हैं। अब हमें भोपाल से न्याय मिलने की कोई उम्मीद नहीं है।'

प्रेमिका ने शादी से किया इनकार, तो हाई वोल्टेज बिजली के खंभे पर चढ़ गया युवक

बेंगलुरु। कर्नाटक में प्रेमिका के शादी से इनकार करने पर प्रेमी बुधवार को एक बिजली के खंभे पर चढ़ गया, जिससे इलाके में अफरातफरी का माहौल हो गया। घटना बेंगलुरु के बाहरी इलाके अनेकल के चिन्नय्यनपाल्या गांव की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि सोमशेखर नाम के इस युवक का पिछले तीन साल से एक युवती के साथ संबंध था। युवती ने हाल ही में उससे शादी करने से इनकार कर दिया था और कथित तौर पर रिश्ता खत्म करने की कोशिश कर रही थी। इससे नाराज होकर, सोमशेखर ने कथित तौर पर युवती के घर की छत पर लगे शीट्स को नुकसान पहुंचाकर हंगामा किया और फिर पास के एक हाई-टेंशन वाले बिजली के खंभे पर चढ़ गया।

टीवीके के निमंत्रण पर विचार करेगी वीसीके, विजय की कैबिनेट में शामिल होने की अटकलें

चेन्नई। विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके) के अध्यक्ष थोल थिरुमावलवन ने बुधवार को संकेत दिया कि उनकी पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) द्वारा विजय के मंत्रिमंडल में शामिल होने के लिए दिए गए नए निमंत्रण पर विचार करेगी, क्योंकि ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि पार्टी को जल्द ही सरकार में मंत्री पद मिल सकता है।

यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब वीसीके ने पहले यह कहा था कि विजय सरकार को उसका बाहरी समर्थन बाहरी था और इसका उद्देश्य केवल राजनीतिक स्थिरता सुनिश्चित करना था, साथ ही सरकार के गठन की प्रक्रिया के दौरान भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के किसी भी संभावित हस्तक्षेप को रोकना था। थिरुमावलवन ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि टीवीके नेतृत्व ने उन्हें बताया है कि एआईएडीएमके के बागी विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया जाएगा।

यह स्पष्टीकरण इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वीसीके प्रमुख ने पहले ही चेतावनी दी थी कि अगर एआईएडीएमके के बागी नेताओं को मंत्रालय में जगह दी गई तो पार्टी को अपना समर्थन वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। उन्होंने टीवीके की ओर से वीसीके को सरकारी ढांचे में शामिल करने की इच्छा को सार्वजनिक रूप से दोहराने के लिए मंत्री आधव अर्जुन के प्रति आभार व्यक्त किया।

थिरुमावलवन ने याद दिलाया कि 'एल्लोरुक्कुमाना थलाइवर अंबेडकर' नामक पुस्तक के विमोचन के दौरान टीवीके अध्यक्ष विजय ने वीसीके को राजनीतिक रूप से हाथ मिलाने के लिए आमंत्रित किया था। उनके अनुसार, वीसीके ने उस बयान को एक महत्वपूर्ण राजनीतिक संकेत के रूप में माना है। हालांकि, उस समय की चुनावी परिस्थितियों ने पार्टी को टीवीके गठबंधन का हिस्सा बनने से रोक दिया था। वीसीके ने 8 मई को एक वर्चुअल उच्च स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की थी, जिसमें पार्टी के अधिकांश वरिष्ठ पदाधिकारियों ने कथित तौर पर सरकार में शामिल होने का समर्थन किया था। थिरुमावलवन ने कहा, 'हमने समर्थन देने की शर्त के रूप में मंत्री पद की मांग नहीं की थी। केवल दो सीटें जीतने के बावजूद हमने सरकार गठन के लिए बिना शर्त समर्थन दिया।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शासन में भागीदारी भी पार्टी की राजनीतिक दृष्टि का हिस्सा है और कहा कि वीसीके ने बिना किसी शर्त के टीवीके सरकार का समर्थन किया था।

खेलते-खेलते लिफ्ट बनी मौत का फंदा! 7 वर्षीय मासूम की दर्दनाक मौत

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में एक दिल दहलाने वाली घटना घटी है। यहां के सिंहगढ़ रोड क्षेत्र स्थित निंबजनगर के ऋद्धि सिद्धि अपार्टमेंट में खेलते समय लिफ्ट में फंसने से 7 वर्षीय मासूम शिवांश शैलेश धूत की दर्दनाक मौत हो गई। यह हृदयविदारक घटना सोमवार रात करीब साढ़े दस बजे हुई।

सिंहगढ़ पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विनय पाटणकर ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि सोमवार रात करीब 10:30 बजे शिवांश शैलेश धूत (उम्र 7 वर्ष) लिफ्ट के दोनों दरवाजों के बीच फंस गया, जिससे उसकी मौत हो गई। इस मामले में सिंहगढ़ रोड पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है। प्राथमिक जांच में लिफ्ट में किसी प्रकार की तकनीकी खराबी सामने नहीं आई है। मामले की आगे जांच जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस को सूचना दी गई। इसके बाद अग्निशमन दल की टीम मौके पर पहुंची और बच्चे को बाहर निकाला, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। इस दर्दनाक घटना के बाद परिसर में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार घटना के समय शिवांश सोसायटी परिसर में अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। खेलते-खेलते वह लिफ्ट के भीतर चला गया और उसने गलती से लिफ्ट का बटन दबा दिया और यह भायनक हादसा हो गया।

आरक्षण और पीडीए के मुद्दे पर बोले अखिलेश यादव, सत्ता में आए तो 90 दिन में पूरी करेंगे 69 हजार शिक्षक भर्ती

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश ने 69 हजार शिक्षक भर्ती में आरक्षण को लेकर सरकार पर निशाना साधा और कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर 90 दिनों के भीतर भर्ती प्रक्रिया पूरी कर अभ्यर्थियों को न्याय दिलाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि सत्ता में आते ही जातीय जनगणना कराई जाएगी।

लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में अखिलेश यादव ने 'पीडीए ऑडिट' नामक दस्तावेज जारी किया। उन्होंने दावा किया कि शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में पिछड़े, दलित और वंचित वर्गों के अधिकारों की अनदेखी की गई। सपा प्रमुख के अनुसार, 2019 की 69 हजार सहायक शिक्षक भर्ती में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए निर्धारित सीटों का पूरा लाभ अभ्यर्थियों को नहीं मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत के बजाय बहुत कम प्रतिनिधित्व दिया गया, जबकि अनुसूचित जाति के आरक्षण में भी कटौती हुई। अखिलेश यादव ने कहा कि आरक्षित वर्गों के हजारों पदों के साथ अन्याय हुआ और अनुसूचित जनजाति के कई पद खाली छोड़ दिए गए। सपा प्रमुख ने कहा कि अगर युवाओं और अभ्यर्थियों को अपने संवैधानिक अधिकारों के लिए अदालतों का सहारा लेना पड़े तो यह सरकार की पक्षपातपूर्ण कार्यप्रणाली को दर्शाता है। उन्होंने कहा, 'जो सरकार पक्षपाती होती है, वह न्याय नहीं दे सकती। आरक्षण सामाजिक न्याय और समान अवसर का माध्यम है।' उन्होंने कहा कि अगर बुलडोजर चलाना ही है तो उसका इस्तेमाल समाज में फैली गैर-बराबरी को खत्म करने और सभी को बराबरी का अधिकार दिलाने के लिए होना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि 2014 के बाद से आरक्षण व्यवस्था को कमजोर करने की कोशिशें तेज हुई हैं।

एआई मिशन को गति देगा यूपी डाटा सेंटर क्लस्टर : सीएम योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को प्रदेश के भविष्य की अर्थव्यवस्था से जुड़े तीन महत्वपूर्ण विषयों, उत्तर प्रदेश डाटा सेंटर क्लस्टर (यूपीडीसीसी), प्रोजेक्ट गंगा तथा गेहूं के इन-हाउस प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए मंडी शुल्क एवं मंडी सेस में संभावित छूट जैसे महत्वपूर्ण विषयों की उच्च स्तरीय समीक्षा की।

सीएम योगी ने यूपी डाटा सेंटर क्लस्टर (यूपीडीसीसी) की समीक्षा करते हुए कहा कि यह परियोजना उत्तर प्रदेश के एआई मिशन की बुनियादी संरचना तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि डाटा सेंटर क्लस्टर केवल एनसीआर क्षेत्र तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि प्रदेश के अन्य हिस्सों को भी इससे जोड़ा जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि इसकी शुरुआत बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) क्षेत्र से की जा सकती है, जहां बड़े पैमाने पर भूमि उपलब्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि टाटा समूह सहित बड़ी टेक कंपनियों से संवाद स्थापित कर लखनऊ को 'एआई सिटी' के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किया जाए। बैठक में बताया गया कि उत्तर प्रदेश डाटा सेंटर क्लस्टर प्रदेश को भारत और ग्लोबल साउथ का सबसे बड़ा एआई कंप्यूट पावर सेंटर बनाने की दीर्घकालिक रणनीति है। इसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा सेंटर, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर और हाई-टेक डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग का वैश्विक केंद्र बनाना है। प्रस्तुतीकरण में कहा गया कि यह केवल एक परियोजना नहीं, बल्कि अगले 50 वर्षों के लिए उत्तर प्रदेश की नई आर्थिक संरचना का खाका है। इसके तहत वर्ष 2040 तक 5 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था, 1.5 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार और 5 गीगावॉट एआई कंप्यूट कॉरिडोर विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है।

गुजरात के डांग में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिला तो स्ट्रॉबेरी की खेती बढ़ी, किसान हुए मालामाल

गांधीनगर। डांग जिला गुजरात का सबसे बड़ा स्ट्रॉबेरी उत्पादक क्षेत्र बनकर उभरा है। राज्य की प्राकृतिक खेती की पहल के तहत यहां इसकी खेती लगातार बढ़ रही है और किसान इस फसल से प्रति हेक्टेयर सालाना आठ लाख रुपये तक की कमाई कर रहे हैं।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, जिले में स्ट्रॉबेरी की खेती का क्षेत्रफल 2022-23 में 20 हेक्टेयर से बढ़कर 2025-26 में लगभग 33 हेक्टेयर हो गया है। इसका उत्पादन जो 2022-23 में 140 मीट्रिक टन था, 2024-25 में बढ़कर 196 मीट्रिक टन हो गया और 2025-26 के दौरान इसके 233 मीट्रिक टन तक पहुंचने का अनुमान है। राज्य सरकार ने बताया कि यह बढ़ोतरी अनुकूल जलवायु परिस्थितियों, बाजार में बढ़ती मांग और इस आदिवासी जिले में प्राकृतिक खेती के तरीकों को अपनाने के कारण हुई है। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में डांग को देश का पहला प्राकृतिक खेती वाला जिला घोषित किया गया था, जिससे स्थानीय किसानों के बीच रसायन-मुक्त खेती के तरीकों को बड़े पैमाने पर अपनाया जाने लगा।

अधिकारियों ने कहा कि स्ट्रॉबेरी इस जिले की ठंडी जलवायु और जैविक तत्वों से भरपूर रेतीली और दोमट मिट्टी के लिए बहुत उपयुक्त है। इस फसल के लिए अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी की जरूरत होती है, जिसका पीएच स्तर 5.5 से 7.0 के बीच हो।

टीआरई-4 अभ्यर्थी आंदोलन छोड़कर करें परीक्षा की तैयारी : मिथिलेश तिवारी

पटना। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की शिक्षक भर्ती परीक्षा टीआरई 4.0 के विज्ञापन जारी करने की मांग को लेकर अभ्यर्थी जहां आंदोलनरत हैं, वहीं प्रदेश के शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने आंदोलन कर रहे अभ्यर्थियों से आंदोलन का रास्ता छोड़कर परीक्षा की तैयारी करने की अपील की है।

मंत्री मिथिलेश तिवारी ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि सरकार टीआरई-4 भर्ती को लेकर लगातार तैयारी कर रही है। आंदोलन करने से कोई फायदा नहीं है। जो चीज होने जा रही है, उसी के लिए आंदोलन यह ठीक नहीं लग रहा है। वैसे किसी को आंदोलन करने से रोका नहीं जा सकता है। उन्होंने अभ्यर्थियों से आंदोलन छोड़कर परीक्षा की तैयारी करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कुछ बाहरी लोग छात्रों को भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। मंत्री के मुताबिक, सरकार इस बात पर भी नजर रख रही है कि आंदोलन में कौन-कौन लोग शामिल हो रहे हैं। इस बीच, बिहार में बुधवार को भी टीआरई 4 शिक्षक भर्ती नोटिफिकेशन को लेकर छात्रों का गुस्सा एक बार फिर सड़कों पर दिखा। पटना में बड़ी संख्या में अभ्यर्थी प्रदर्शन करने पहुंचे, लेकिन प्रदर्शन शुरू होने से पहले ही पुलिस ने कई छात्र नेताओं को हिरासत में ले लिया।

छात्र जंजीर पहनकर विरोध जता रहे थे और सरकार से जल्द वैकेंसी जारी करने की मांग कर रहे थे। अभ्यर्थी बड़ी संख्या में पटना कॉलेज पहुंचे थे, लेकिन कॉलेज और आसपास के इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात रहा। कई जगह छात्रों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। अभ्यर्थियों का कहना है कि सरकार लंबे समय से सिर्फ आश्वासन दे रही है, लेकिन अब तक परीक्षा का स्पष्ट शेड्यूल जारी नहीं हुआ। अभ्यर्थियों की मुख्य मांग है कि बीपीएससी जल्द से जल्द टीआरई 4.0 का आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी करे। अभ्यर्थियों का कहना था कि लंबे समय से भर्ती प्रक्रिया को लेकर केवल आश्वासन दिए जा रहे हैं, लेकिन अब तक विज्ञापन जारी नहीं हुआ है। अभ्यर्थियों का कहना है कि बीपीएससी ने पहले कहा था कि 19-20 अप्रैल को विज्ञापन जारी होगा और 26 अप्रैल से आवेदन प्रक्रिया शुरू होगी। इससे पहले भी कहा गया था कि विभाग से रिक्विजिशन मिल चुका है, लेकिन अब तक नोटिफिकेशन जारी नहीं किया गया।

बहु-विषयक नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एएनआरएफ ने 10 रिसर्च सेंटर्स का किया चयन

नई दिल्ली। भारत की शीर्ष शोध वित्तपोषण संस्था अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ) ने वैज्ञानिक ज्ञान को सामाजिक विज्ञान और मानविकी के साथ गहराई से जोड़ने के उद्देश्य से 10 कन्वर्जेंस रिसर्च सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) का चयन किया है। यह जानकारी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में बुधवार को दी।

मंत्रालय ने बयान में कहा है कि इस पहल का उद्देश्य ऐसे अग्रणी केंद्र स्थापित करना है जो सामाजिक विज्ञान, मानविकी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी को एक साथ लाकर जटिल सामाजिक चुनौतियों का समाधान एकीकृत और बहु-विषयक शोध के जरिए करें।

चयनित संस्थानों में आईआईटी गांधीनगर, एनआईएएस बेंगलुरु, आईआईटी मद्रास, एनआईटी अगरतला, आईएचडी दिल्ली, आईआईटी धारवाड़, आईआईएम जम्मू, आईआईटी कानपुर, चाणक्य विश्वविद्यालय और पीएसजीआर कृष्णम्मल कॉलेज फॉर वूमेन शामिल हैं।

ये केंद्र पुरातत्व, पारंपरिक ज्ञान प्रणाली, डिजिटल मानविकी, ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य और कम्प्यूटेशनल इकोनॉमिक्स जैसे विभिन्न विषयों पर काम करेंगे।

इस कार्यक्रम के तहत यह जरूरी किया गया है कि हर केंद्र में एक ही संस्थान के भीतर या अलग-अलग शैक्षणिक संस्थानों, सार्वजनिक वित्तपोषित संगठनों, विभिन्न मंत्रालयों और निजी संस्थानों के बीच अंतर-विषयक सहयोग हो।

इन केंद्रों से जुड़े सह-प्रधान अन्वेषक (को-पीआई) विविध संस्थानों के नेटवर्क का प्रतिनिधित्व करते हैं। कुल मिलाकर ये 20 सहयोगी संस्थानों से जुड़े हैं, जिनमें राज्य विश्वविद्यालय, केंद्रीय विश्वविद्यालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), निजी विश्वविद्यालय, कॉलेज और मान्यता प्राप्त अनुसंधान एवं विकास संस्थान शामिल हैं।

इस कार्यक्रम को शैक्षणिक और शोध संस्थानों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जिसमें कुल 945 प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए, जो इसकी राष्ट्रीय महत्व और प्रासंगिकता को दर्शाता है।

वैज्ञानिक ज्ञान और सामाजिक समझ को एक साथ जोड़ते हुए यह कार्यक्रम क्षेत्रीय और राष्ट्रीय चुनौतियों का समग्र समाधान खोजने का प्रयास करेगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), रोबोटिक्स और बिग डेटा एनालिटिक्स के दौर में इस तरह का समन्वय सामाजिक-आर्थिक प्रगति के नए रास्ते खोल सकता है और सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने में मदद कर सकता है। एएनआरएफ का कन्वर्जेंस रिसर्च सेंटर ऑफ एक्सीलेंस कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से प्रेरित है और 'विकसित भारत 2047' के विजन के अनुरूप तैयार किया गया है।

मॉड्यूल की छत से लटककर फोटो लेते नजर आए शुभांशु शुक्ला, बोले- स्पेस में दिशा बस आपसी सहमति की बात

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा करने वाले पहले भारतीय ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला स्पेस से जुड़े अनोखे अनुभवों को प्रशंसकों के साथ साझा करते रहते हैं। साल 2025 में 18 दिन के सफल मिशन के बाद भारत लौट चुके शुभांशु ने इंस्टाग्राम पर एक दिलचस्प पोस्ट किया है, जिसमें वह आईएसएस मॉड्यूल की छत से लटकते हुए फोटो खिंचते नजर आ रहे हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि आईएसएस पर कोई निश्चित ऊपर या नीचे नहीं होता बल्कि अंतरिक्ष यात्री आपस में तय करते हैं कि किस दिशा को क्या मानना है।

शुभांशु ने इंस्टाग्राम पर फोटो को पोस्ट करते हुए लिखा, 'ऑर्बिट में दिशा का मतलब ही पूरी तरह बदल जाता है। ग्रैविटी न होने की वजह से 'ऊपर', 'नीचे' और 'फर्श' जैसे शब्द बस पुरानी यादों से ज्यादा कुछ नहीं रह जाते।'

उन्होंने बताया कि स्पेस में आप खुद को ऐसी जगहों पर आराम करते पाते हैं, जहां धरती पर होने पर लोग आपकी परवरिश पर सवाल उठा सकते हैं। अपनी शुरुआती दिनों की एक रोचक घटना का जिक्र करते हुए शुभांशु ने बताया, 'स्टेशन पर शुरुआती दिनों में मेरा दिमाग फर्श पर चलने की आदत पर अड़ा रहता था, भले ही वहां कोई खास फर्श होती ही नहीं। एक बार जब मैं एक मॉड्यूल से गुजरने का इंतजार कर रहा था, तभी एक अनुभवी अंतरिक्ष यात्री ने मेरा हाथ पकड़ लिया और मुझे छत की तरफ ले जाकर कहा- 'यहां चलो।'

शुभांशु ने लिखा, 'बस उसी पल मुझे समझ आ गया कि अंतरिक्ष में दिशा का मतलब बस आपसी सहमति की बात है।' उन्होंने इस पोस्ट में छत से लटकते हुए अपनी फोटो भी शेयर की है और कहा कि यह फोटो तो अच्छी आई है, लेकिन जो उन्होंने खुद खींची थी, वह इससे कहीं बेहतर थी।

वजन नियंत्रण से हड्डियों की मजबूती तक, पोषक तत्वों का पावरहाउस 'श्री अन्न', गर्मियों में ऐसे करें सेवन

नई दिल्ली। गर्मियों के मौसम में स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए श्री अन्न को रोजाना के भोजन में शामिल करने की सलाह दी जाती है। बाजरा, रागी, ज्वार और अन्य मिलेट्स न सिर्फ पौष्टिक होते हैं बल्कि शरीर को स्वस्थ, ऊर्जावान और मजबूत बनाए रखने में भी मदद करते हैं।

नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) श्री अन्न यानी मिलेट्स को पोषण का पावरहाउस बताता है। श्री अन्न में फाइबर, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन और आवश्यक खनिज तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। ये शरीर की पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ कई स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव में भी सहायक हैं।

हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, श्री अन्न वजन नियंत्रण में बेहद उपयोगी है। इनमें मौजूद फाइबर पेट को लंबे समय तक भरा रखता है, जिससे अनावश्यक भूख नहीं लगती और वजन बढ़ने की समस्या पर नियंत्रण रहता है। श्री अन्न कैल्शियम और फॉस्फोरस का भी बेहतरीन स्रोत है। ये दोनों खनिज हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाते हैं। खासकर बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए यह बहुत फायदेमंद है।

वहीं, गर्मियों में श्री अन्न के सेवन को लेकर भ्रांति भी है कि इसका सेवन नहीं करना चाहिए। हालांकि, एक्सपर्ट बताते हैं कि शरीर में पोषक तत्वों की कमी जल्दी हो सकती है, ऐसे में श्री अन्न एनर्जी बनाए रखने और डिहाइड्रेशन से बचाने में मदद करता है।

एक्सपर्ट्स की सलाह है कि श्री अन्न को इस्तेमाल करने से पहले अच्छी तरह भिगोकर रखना चाहिए। भिगोने से इसमें मौजूद एंटी-न्यूट्रिएंट्स कम हो जाते हैं और पाचन आसान हो जाता है। आप इसे दलिया, खिचड़ी, रोटी, इडली, डोसा या ठंडाई के रूप में शामिल कर सकते हैं। बाजरा की खीर या रागी का सत्तू गर्मियों के लिए अच्छा विकल्प है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि रोजाना के आहार में श्री अन्न को शामिल करने से शरीर को संपूर्ण पोषण मिलता है। गर्मी के मौसम में थकान, कमजोरी और पाचन संबंधी समस्याओं से बचने के लिए श्री अन्न का नियमित सेवन बेहद उपयोगी साबित हो सकता है।

भारत में एआई नौकरियों की मांग में जबरदस्त उछाल, 2019 के मुकाबले लगभग 6 गुना बढ़ीं जॉब पोस्टिंग: रिपोर्ट

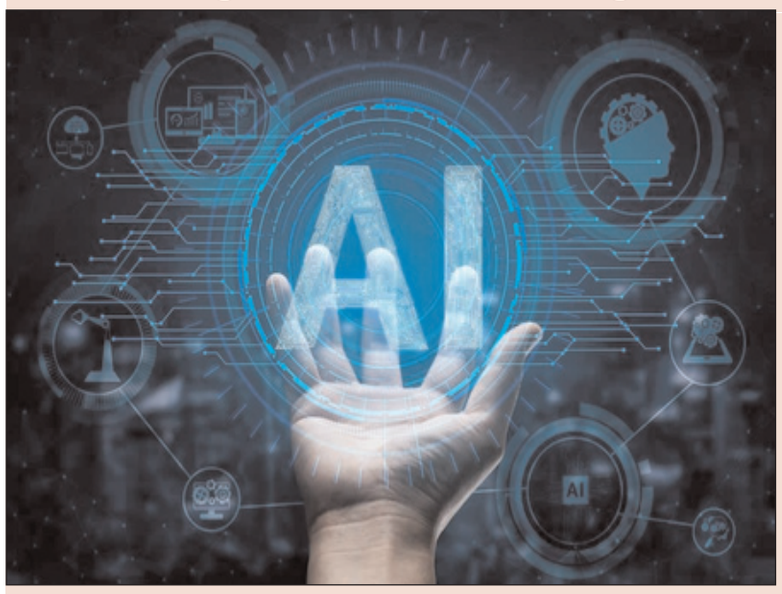

नई दिल्ली। भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़ी नौकरी की पोस्टिंग 2019 के मुकाबले लगभग छह गुना बढ़ गई है। बुधवार को जारी स्ट्रैटेजी कंसल्टिंग फर्म रेडसीर स्ट्रैटेजी कंसल्टेंट्स की रिपोर्ट के अनुसार, भारत तेजी से वैश्विक एआई टैलेंट और एआई कार्यान्वयन केंद्र के रूप में उभर रहा है।

इस रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई-आधारित भर्ती में तेजी आने से भारत के ऑफिस बाजार में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। आने वाले वर्षों में फ्लेक्सिबल वर्कस्पेस की मांग में भी मजबूत बढ़ोतरी होने की संभावना है।

'एआई एंड द फ्यूचर ऑफ फ्लेक्सिबल वर्कस्पेसेस' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 से 2030 के बीच भारत के नॉलेज-इकोनॉमी ऑफिस स्पेस में लगभग 7.9 करोड़ वर्ग फुट अतिरिक्त मांग पैदा हो सकती है। यह मांग एआई से पहले अनुमानित वृद्धि से भी ज्यादा होगी।

रेडसीर स्ट्रैटेजी कंसल्टेंट्स की एसोसिएट पार्टनर छवि सिंह ने कहा, 'अब तक एआई को लेकर चर्चा मुख्य रूप से रोजगार पर पड़ने वाले असर तक सीमित थी, लेकिन जमीन पर हम ऑफिस स्पेस के उपयोग के तरीके में बड़ा संरचनात्मक बदलाव देख रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'एआई-आधारित टीमें अब ज्यादा विशेषज्ञता वाली, सहयोग आधारित और तेजी से बदलने वाली हो गई हैं। इससे 'कोर प्लस फ्लेक्स' वर्कप्लेस मॉडल की मांग बढ़ रही है, जहां कंपनियां बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और कर्मचारियों के अनुभव से समझौता किए बिना लचीलापन चाहती हैं।'

रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 2025 तक एआई से जुड़ी जॉब पोस्टिंग 2.9 लाख के पार पहुंच गई हैं। इसकी मुख्य वजह मशीन लर्निंग, जेनरेटिव एआई और एमएल ऑप्स जैसे क्षेत्रों में प्रतिभाओं की बढ़ती मांग है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई टैलेंट कंसंट्रेशन ग्रोथ के मामले में भारत अब दुनिया में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। इसके पीछे वैश्विक स्तर पर एआई में बढ़ता निवेश है, जो लगभग 582 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि भारत ने पहले भी तकनीकी बदलावों को रोजगार और आर्थिक विकास के अवसरों में बदला है।

भारत का ऑफिस स्पेस 2025 तक बढ़कर लगभग 91.5 करोड़ वर्ग फुट हो गया है, जबकि कुल रोजगार संख्या करीब 33 करोड़ कामगारों तक पहुंच चुकी है।

रीढ़ को मजबूत कर पाचन को बेहतर बनाता है अर्ध मत्स्येंद्रासन, आयुष मंत्रालय ने गिनाए फायदे

नई दिल्ली। योगासन के महत्व को रेखांकित करते हुए हर साल 21 जून को विश्व योग दिवस मनाया जाता है। दिवस को कुछ ही दिन शेष रह गए हैं। ऐसे में भारत सरकार का आयुष मंत्रालय लोगों को रोजाना योग अभ्यास करने की सलाह दे रहा है। मंत्रालय के अनुसार, अर्ध मत्स्येंद्रासन एक आसान लेकिन बेहद प्रभावी योगासन है, जो रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाता है और पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में कई लोग पीठ में अकड़न, कमर दर्द और पाचन संबंधी समस्याओं से परेशान रहते हैं। आयुष मंत्रालय का कहना है कि शरीर आपको संकेत दे रहा होता है। अगर पीठ अकड़ रही है, पेट ठीक से काम नहीं कर रहा या रोजमर्रा की थकान बढ़ रही है, तो अर्ध मत्स्येंद्रासन नियमित अभ्यास से इन समस्याओं में राहत दिला सकता है।

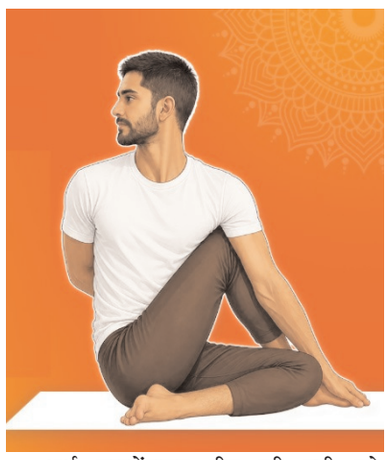

अर्ध मत्स्येंद्रासन रीढ़ की हड्डी को लचीला और मजबूत बनाता है, कमर और पीठ के निचले हिस्से की मांसपेशियों को मजबूती देता है, पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है और कब्ज जैसी समस्याओं में राहत देता है। इसके अभ्यास से पेट के अंगों को मसाज मिलती है जिससे भोजन अच्छे से पचता है, शरीर में संतुलन बढ़ाता है। यही नहीं, तनाव कम कर मन को शांत रखता है और डायबिटीज कंट्रोल में भी मदद करता है।

अर्ध मत्स्येंद्रासन को 'हाफ स्पाइनल ट्विस्ट पोज' के नाम से भी जाना जाता है। इसमें शरीर को घुमाकर रीढ़ को मोड़ दिया जाता है, जिससे रीढ़ की हर हड्डी को व्यायाम मिलता है। इसके नियमित अभ्यास से रीढ़ की कमजोरी, धीमी पाचन प्रक्रिया और ब्लड शुगर से जुड़ी परेशानियों में सुधार आता है।

मंत्रालय सभी उम्र के लोगों से अपील करता है कि वे इस आसन को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। हालांकि कुछ सावधानी बरतनी भी जरूरी है। गर्भवती महिलाएं, हर्निया या गंभीर पीठ समस्या वाले लोग इस आसन को डॉक्टर या योग विशेषज्ञ की सलाह से ही करें।

योग सिर्फ व्यायाम नहीं, मन की शांति और संतुलन का भी जरिया : आयुष मंत्रालय

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के करीब आने के साथ ही भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने योग को अपनाने और अपनी दिनचर्या में शांति लाने की अपील की है। 21 जून को मनाए जाने वाले योग दिवस से पहले मंत्रालय ने लोगों को जागरुक करते हुए बताया कि योग सिर्फ शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मन की शांति, संतुलन का एक मजबूत जरिया है।

मंत्रालय के अनुसार, आज की तेज रफ्तार वाली दुनिया में संतुलन बनाए रखना चुनौती बन गया है और शांति एक सतत अभ्यास है। योग हमारे शरीर की हलचल से कहीं आगे जाता है। यह मन को शांत करता है, करुणा जगाता है और हमारे अस्तित्व को गहराई प्रदान करता है। मंत्रालय ने लोगों से अपील की है कि वे रोज कुछ पल रुककर गहरी सांस लें और उन मूल्यवान चीजों से दोबारा जुड़ें जो जीवन में सचमुच मायने रखती हैं।

हेल्थ एक्सपर्ट का मानना है कि 'जब हमें अपने भीतर शांति मिलती है, तो हम अपने आस-पास भी शांति का निर्माण करते हैं।' शोर, टकराव और लगातार प्रतिक्रियाओं से भरी दुनिया में योग हमें 'ठहरने' की शक्ति सिखाता है। हर सचेत सांस और हर योग अभ्यास तालमेल, करुणा तथा सामूहिक भलाई की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

साथ ही, योग एक्सपर्ट्स नागरिकों से आग्रह करते हैं कि वे अपनी दिनचर्या में योग को शामिल करें। चाहे सूर्य नमस्कार हो, ध्यान हो या प्राणायाम छोटे-छोटे अभ्यास भी जीवन में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। योग न सिर्फ शारीरिक स्वास्थ्य सुधारता है बल्कि मानसिक तनाव कम करता है, भावनात्मक संतुलन बनाता है और सेहतमंद रखता है।

मंत्रालय के मुताबिक, योग का अभ्यास व्यक्ति को अपनी प्रतिक्रियाओं पर नियंत्रण सिखाता है। जब हम शांत रहते हैं तो बेहतर फैसले ले पाते हैं और दूसरों के प्रति अधिक सहानुभूति रखते हैं।

जकड़न से पाना है छुटकारा? रोज सुबह खाली पेट करें 'मलासन', मिलेंगे ये गजब के फायदे

नई दिल्ली। भारतीय योग परंपरा में शरीर की वृद्धि और ऊर्जा के प्रवाह को संतुलित बनाए रखने के लिए कई महत्वपूर्ण आसनों का वर्णन मिलता है, जिनमें 'मलासन' भी एक प्रभावी योगासन है।

इस आसन के नियमित अभ्यास से शरीर का लचीलापन और संतुलन बेहतर होता है। यह पाचन तंत्र को बेहतर बनाने के साथ रीढ़ की हड्डी को मजबूत करता है और शरीर के निचले हिस्से को प्राकृतिक रूप से स्वस्थ रखने में मदद करता है। साथ ही, यह शरीर की सही मुद्रा और सांसों के साथ बेहतर तालमेल भी बनाता है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने भी इसके अभ्यास को लेकर जानकारी दी है। मंत्रालय के अनुसार, यह 'स्क्वाट' मुद्रा वाला योगासन है, जिसमें घुटनों को मोड़कर और कूल्हों को जमीन की ओर लाकर बैठा जाता है। इसे करने के लिए पैरों को कंधों की चौड़ाई जितना फैलाकर धीरे-धीरे स्क्वाट की मुद्रा में आना चाहिए। मलासन की मुद्रा में छोटे-छोटे संतुलित कदमों के साथ शरीर को स्थिर रखा जाता है। यह आसन सुबह के समय खाली पेट करना सबसे अच्छा माना जाता है, क्योंकि इससे पाचन तंत्र सक्रिय होता है।

यह एक ऐसा योगासन है, जो शरीर को स्थिरता देता है और मन को एकाग्र रखने में मदद करता है। यह आसन मूलाधार चक्र को सक्रिय करता है, जिससे मन में सुरक्षा, संतुलन और जागरूकता की भावना बढ़ती है। शारीरिक रूप से मलासन शरीर के कई हिस्सों को मजबूत और लचीला बनाता है। यह नितंब, जांघ, पिंडलियों और कूल्हों की मांसपेशियों को मजबूत करता है।

आईपीएल 2026: केकेआर ने मुंबई इंडियंस को 4 विकेट से हराया

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का 65वां मुकाबला अपने नाम किया। ईडन गार्डन्स स्टेडियम में मुंबई इंडियंस (एमआई) को 4 विकेट से शिकस्त देने के साथ केकेआर ने प्लेऑफ की रेस में खुद को बनाए रखा है।

मैच में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी मुंबई इंडियंस 8 विकेट खोकर 147 रन बना सकी। इस टीम ने 41 के स्कोर तक अपने 4 विकेट खो दिए थे। जब पारी के 8 ओवर पूरे हो गए थे, बारिश ने दखल दिया, लेकिन ब्रेक के बावजूद ओवरों में कटौती नहीं की गई।

कप्तान हार्दिक पांड्या ने तिलक वर्मा के साथ पांचवें विकेट के लिए 49 गेंदों में 43 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की। तिलक वर्मा 20 रन बनाकर आउट हुए, जबकि पांड्या ने 26 रन का योगदान टीम के खाते में दिया।

कॉर्बिन बॉश ने दीपक चाहर के साथ आठवें विकेट के लिए 20 गेंदों में 42 रन की साझेदारी करते हुए टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। बॉश 18 गेंदों में 2 छक्कों और 3 चौकों के साथ 32 रन बनाकर नाबाद रहे। विपक्षी खेमे से सौरभ दुबे, कैमरून ग्रीन और कार्तिक त्यागी ने 2-2 विकेट हासिल किए, जबकि सुनील नरेन ने 1 विकेट निकाला।

इसके जवाब में केकेआर ने 18.4 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस टीम ने पहले ही ओवर में फिन एलन (8) का विकेट गंवा दिया। यहां से कप्तान अजिंक्य रहाणे ने मनीष पांडे के साथ 28 गेंदों में 38 रन की साझेदारी की।

रहाणे 17 गेंदों में 4 चौकों के साथ 21 रन बनाकर आउट हुए। कुछ देर बाद कैमरून ग्रीन (4) भी पवेलियन लौट गए। टीम ने 7.1 ओवरों में 54 के स्कोर तक अपने 3 विकेट खो दिए थे। यहां से रोवमैन पॉवेल ने मनीष पांडे के साथ चौथे विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी करते हुए टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया।

मनीष 33 गेंदों में 6 चौकों के साथ 45 रन बनाकर पवेलियन लौटे। यहां से टीम को जीत के लिए 30 गेंदों में 30 रन की दरकार थी। 16वें ओवर की दूसरी गेंद पर पॉवेल कैच आउट हुए। उन्होंने इस पारी में 2 छक्कों और 4 चौकों के साथ 40 रन बनाए।

अंतिम ओवरों में रिंकू सिंह (9) और अनुकूल रॉय (4) ने नाबाद पारी खेलते हुए टीम को 7 गेंदें शेष रहते जीत दिलाई। विपक्षी खेमे से कॉर्बिन बॉश ने सर्वाधिक 3 विकेट निकाले। दीपक चाहर, गजनफर और जसप्रीत बुमराह को 1-1 विकेट हाथ लगा।

जिनेवा ओपनः रूड की आसान जीत, पोपीरिन और मुनार पहले राउंड में आगे बढ़े

जिनेवा । जिनेवा ओपन में मंगलवार को कैस्पर रूड ने आत्मविश्वास भरी शुरुआत की। क्ले-कोर्ट के इस माहिर खिलाड़ी ने जेन्सन ब्रुक्सबी को सीधे सेटों में हराकर स्विट्जरलैंड में दूसरे राउंड में जगह बना ली है।

वर्ल्ड नंबर-17 खिलाड़ी को 6-3, 7-5 से जीत हासिल करने में सिर्फ 92 मिनट लगे। उन्होंने अपने खास 'हेवी टॉपस्पिन' और 'बेसलाइन कंट्रोल' का इस्तेमाल करते हुए पूरे मैच पर दबदबा बनाए रखा, जो कभी भी उनके हाथ से बाहर नहीं निकला।

रूड की यह ताजा जीत उनके व्यस्त और सफल क्ले-कोर्ट सीजन के दौरान आई है, जिसमें उन्होंने एक थकाने वाले शेड्यूल के बाद अपनी लय फिर से हासिल की है। कुछ ही दिन पहले, वह रोम में एक बड़े फाइनल में पहुंचे थे, जहां उन्हें वर्ल्ड नंबर 1 खिलाड़ी जानिक सिनर ने हराया था। सिनर हाल ही में इतिहास के सिर्फ दूसरे ऐसे खिलाड़ी बने हैं जिन्होंने 'करियर गोल्डन मास्टर्स' का खिताब पूरा किया है।

लगातार मैच खेलने के बावजूद, रूड जिनेवा में शारीरिक रूप से तरोताज़ा और रणनीतिक रूप से बेहद चुस्त नजर आए। उन्होंने मैच के अहम पलों पर अपना पूरा नियंत्रण बनाए रखते हुए 21 'विनर्स' लगाए और अपनी तरफ से होने वाली गलतियों को सिर्फ 12 तक सीमित रखा।

60वीं रैंक वाले ब्रुक्सबी को एक बार फिर क्ले-कोर्ट पर अपनी लय बनाए रखने में काफी संघर्ष करना पड़ा। इस सीजन में इस सतह पर यह इस अमेरिकी खिलाड़ी की लगातार पांचवीं हार है।

भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम ने सीरीज के आखिरी मैच में ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हराया

भोपाल । भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम ने बुधवार को उद्धव दास मेहता (भाई जी) सेंट्रल साई सेंटर में सीरीज के चौथे और आखिरी मैच में ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हरा दिया।

ऑस्ट्रेलिया ने पहले क्वार्टर की शुरुआत में ही ऑरोरा कोवासेविच (8') के गोल से बढ़त बना ली। भारतीय टीम ने जल्द जवाब दिया और कप्तान स्वीटी कुजूर (13') ने शुरुआती क्वार्टर खत्म होने से पहले पहला गोल कर टीम को बराबरी दिलाई।

दूसरे क्वार्टर में भारत की दीया (25') ने गोल दागा। इस गोल से भारतीय टीम हाफटाइम तक 2-1 से आगे रही।

भारतीय टीम ने दूसरे हाफ में नियंत्रण बनाए रखा और तीसरे क्वार्टर में प्रियंका मिंज (44') के गोल से अपनी बढ़त 3-1 की कर ली। नौशीन नाज (50') ने आखिरी क्वार्टर में एक और गोल किया और भारत की बढ़त 4-1 करते हुए जीत पक्की कर दी।

भारतीय टीम के लिए यह जीत बहुत अहम रही। इस जीत के बाद इस महीने के आखिर में जापान में शुरू होने वाले अंडर-18 एशिया कप के लिए भारतीय टीम का आत्मविश्वास बढ़ेगा।हालांकि 4 मैचों की इस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने 1-3 से जीत दर्ज की। सीरीज के पहले मैच में भारत को 3-4 से हार का सामना करना पड़ा था। दूसरे मैच में भारतीय टीम को 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। तीसरे मैच में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया ने 1-2 से हराया था।भारतीय टीम को निश्चित रूप से शुरुआती तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन टीम ने दमदार खेल का प्रदर्शन किया और ऑस्ट्रेलयाई टीम को मैचों के दौरान मुश्किल में रखा। पहला और तीसरा मुकाबला बेहद कांटे वाला रहा। चौथे मैच में ऑस्ट्रेलिया को भारतीय टीम ने पूरी तरह उन्नीस साबित किया और मैच 4-1 से जीत हासिल करते हुए सीरीज का समापन धमाकेदार अंदाज में किया।

सीनियर क्रिकेटरों से बात कर मुझे आत्मविश्वास मिलता हैः वैभव सूर्यवंशी

जयपुर । आईपीएल 2026 में मंगलवार को जयपुर का सवाई मानसिंह स्टेडियम 15 साल के विस्फोटक बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की तूफानी पारी का गवाह बना। राजस्थान रॉयल्स के इस तूफानी बल्लेबाज ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ हुए मैच में 38 गेंदों पर 93 रनों की तूफानी पारी खेल अपनी टीम को 7 विकेट से जीत दिलायी। वैभव को उनकी पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

मैच के बाद आईपीएल द्वारा एक्स पर जारी एक वीडियो में सूर्यवंशी ने कहा, 'अच्छा लग रहा है। यह गर्व का पल है। अच्छा लगता है जब इतने सारे सीनियर, क्रिकेटर, एक्स-क्रिकेटर और हमारे कोच मुझसे बात करते हैं। इससे मुझे आत्मविश्वास मिलता है, और खेल में मदद मिलती है।'

वैभव ने कहा, 'वह अपनी रिदम बनाए रखने और आने वाले मैचों में सकारात्मक तरीके से खेलने पर फोकस कर रहे हैं।'

बाएं हाथ के बल्लेबाज ने कहा, 'मेरा फ्लो चल रहा है। यह अगले मैच में भी चलेगा। मैं टीम में जितना ज्यादा योगदान दूंगा, उतनी ही मदद मिलेगी।'

वैभव ने कहा, 'हम सभी वही करना चाहते थे जो हम कर रहे हैं। हम एन्जॉय करना चाहते थे और दबाव नहीं डालना चाहते थे। हमारा लक्ष्य अच्छा खेलना और अपनी ताकत पर ध्यान देना है। अगले मैच में यही फोकस है। हमारा क्वालिफिकेशन पर कोई फोकस नहीं है। यह सबके दिमाग में है कि क्या कोई चांस है। लेकिन हम दिन-ब-दिन बेहतर करने की कोशिश कर रहे हैं।' वैभव सूर्यवंशी ने अपनी विस्फोटक और निडर बल्लेबाजी से पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है।

प्रीमियर लीगः आर्सेनल ने जीता खिताब, खत्म हुआ 22 साल का इंतजार

नई दिल्ली। आर्सेनल एफसी ने प्रीमियर लीग का खिताब जीत लिया है। टीम ने 22 साल बाद यह खिताब जीता है। इसलिए यह उपलब्धि बेहद खास है। आखिरी बार टीम ने 2004 में ट्रॉफी उठाई थी।

मंगलवार रात को इंग्लैंड के बोर्नमाउथ के वाइटैलिटी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में गत चैंपियन मैनचेस्टर सिटी एफसी को एएफसी बोर्नमाउथ ने 1-1 की बराबरी पर रोक दिया। पेप गार्डियोला की टीम को टाइटल रेस में बने रहने के लिए हर हाल में जीत चाहिए थी, लेकिन बोर्नमाउथ के शानदार प्रदर्शन ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

मैच का सबसे अहम पल 39वें मिनट में आया, जब 19 वर्षीय फ्रेंच खिलाड़ी एली जूनियर क्रुपी ने शानदार गोल कर बोर्नमाउथ को बढ़त दिलाई। एड्रियन ट्रफर्ट के पास पर क्रुपी ने बेहतरीन पहला टच लिया और फिर एक कर्विंग शॉट लगाकर गेंद को गोलपोस्ट के अंदर पहुंचा दिया। गोलकीपर जियानलुइगी डोनारुम्मा इस शॉट को रोक नहीं सके। एर्लिंग हालैंड ने बराबरी का गोल कर सिटी की वापसी के साथ ही जीत की उम्मीदें जगाई थीं, लेकिन मैनचेस्टर की खुशी अधिक समय तक नहीं रह सकी। कुछ ही सेकंड बाद मैच समाप्त करने की घोषणा हुई और मैनचेस्टर सिटी का लगातार दूसरा खिताब जीतने का सपना टूट गया।

इसके साथ ही आर्सेनल को विजेता घोषित किया गया।

मिकेल आर्टेटा की अगुवाई में आर्सेनल ने शानदार खेल दिखाया। टीम ने एक दिन पहले पहले से रेलीगेट हो चुकी बर्नले एफसी को 1-0 से हराकर खुद को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया था। सीजन में आर्सेनल ने कॉर्नर से सबसे ज्यादा गोल करने का प्रीमियर लीग रिकॉर्ड भी बनाया। मैनचेस्टर सिटी और बोर्नमाउथ के बीच हुए मैच के ड्रॉ होने की खबर आते हीं एमिरेट्स स्टेडियम के बाहर हजारों आर्सेनल समर्थकों ने जश्न मनाना शुरू कर दिया। अब आर्टेटा की टीम के पास इतिहास रचने का एक और मौका है। आर्सेनल 30 मई को बुडापेस्ट में यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल 2025 में पेरिस सेंट-जर्मेन एफसी से भिड़ेगी।

'हम भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड के खिलाफ ज्यादा टेस्ट खेलना चाहते हैं': बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो

सिलहट । बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ खेली गई 2 टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज 2-0 से जीत ली है। अपने घर में पाकिस्तान के खिलाफ बांग्लादेश की यह पहली टेस्ट सीरीज जीत है। दूसरा टेस्ट जीतने के बाद बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने कहा कि हम भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ घर में और उनकी जमीन पर टेस्ट सीरीज खेलना चाहते हैं।

मैच के बाद मीडिया से बात करते हुए शांतो ने कहा, 'हम अब ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, और भारत के साथ घर और बाहर ज्यादा टेस्ट खेलना चाहते हैं। जब हमें मैच खेलने का मौका मिलता है, जब हमें वे नए अनुभव मिलते हैं, तो टीम धीरे-धीरे बनती है। नहीं तो, बार-बार एक ही टीम के साथ खेलने, एक ही हालात में खेलने से टीम बनाने में मुश्किल होती है।'

बांग्लादेश के कप्तान ने कहा, 'उम्मीद है कि आईसीसी हमें सभी टीमों के साथ और टेस्ट मैच खेलने का मौका देगी। अब जब हमें और मैच खेलने का मौका मिल रहा है, तो यह एक अच्छी बात है। अगर हम ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, और इंडिया के साथ खेल पाते हैं, तो यह हमारी टीम के लिए बेहतर होगा। एक टेस्ट देश के तौर पर हमें अभी भी बहुत कुछ करना है।'

मैच के आखिरी घंटे पर बात करते हुए शांतो ने कहा, 'मुझे लगता है कि आखिरी घंटे में इमोशन को समझाना मुश्किल है। सच कहूं तो वे अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे और हम पर थोड़ा दबाव था। लेकिन पिछले टेस्ट मैचों के मुकाबले, उस भावना को नियंत्रित करना और नहीं घबराना थोड़ा बेहतर हो गया है। इस एरिया में थोड़ा और सुधार की जरूरत है।'

उन्होंने कहा कि एक कप्तान के तौर पर मैं खुश हूं। हम दोनों मैच मिलाकर 10 दिन टेस्ट खेल पाए, यह निश्चित रूप से गर्व की बात है। आम तौर पर हम पहले इस तरह का क्रिकेट ज्यादा नहीं खेलते थे। हम पूरी टीम के तौर पर खेले। हर खिलाड़ी ने कड़ी मेहनत की। बल्लेबाज, गेंदबाज और कोचिंग स्टाफ का सबका योगदान रहा।

वनडे रैंकिंग में नेपाल के खिलाड़ियों ने लगाई छलांग

दुबई। आईसीसी मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 में शानदार प्रदर्शन की बदौलत नेपाल के कई खिलाड़ियों की रैंकिंग में सुधार देखने को मिला है। नेपाल ने बीते हफ्ते अगले साल होने वाले आईसीसी मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप की राह पर यूएसए और स्कॉटलैंड के खिलाफ लगातार जीत हासिल की थी, जिसमें उसके गेंदबाजों की अहम भूमिका रही।

इस दौरान अनुभवी ऑलराउंडर दीपेंद्र सिंह ऐरी का प्रदर्शन सबसे शानदार रहा, जिन्होंने यूएसए के खिलाफ चार विकेट हासिल किए। इस शानदार प्रदर्शन के साथ 26 वर्षीय दीपेंद्र वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में तीन स्थान की छलांग लगाते हुए 79वें स्थान पर पहुंच गए हैं। हरफनमौला प्रदर्शन के साथ उन्होंने वनडे ऑलराउंडर्स की लिस्ट में भी तीन स्थान की छलांग लगाई, जिसके साथ वह 25वें स्थान पर पहुंच गए।

नेपाल की स्पिन जोड़ी ने भी रैंकिंग में सुधार किया है। संदीप लामिछाने छह स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 36वें पायदान पर पहुंच गए हैं, जबकि ललित राजबंशी 16 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 53वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

इन बदलावों के बावजूद, अफगानिस्तान के ऑलराउंडर राशिद खान 705 रेटिंग अंकों के साथ वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में अपना दबदबा बनाए हुए हैं, जबकि उनके साथी खिलाड़ी अजमतुल्लाह उमरजई वनडे में नंबर 1 ऑलराउंडर बने हुए हैं।

स्कॉटलैंड के शानदार फॉर्म में चल रहे खिलाड़ी ब्रैंडन मैकमुलन ने भी रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार किया है। नेपाल के खिलाफ अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 73 रनों की पारी खेलने के बाद वे ऑलराउंडर्स की सूची में दो स्थान ऊपर चढ़कर कुल मिलाकर छठे स्थान पर पहुंच गए हैं।

इस पारी की बदौलत मैकमुलन वनडे बल्लेबाजों की सूची में भी छह स्थान ऊपर चढ़कर 53वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

नेपाल के बल्लेबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन के साथ रैंकिंग में सुधार किया है। ताजा वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में साईतेजा मुक्कमल्ला 5 स्थान ऊपर चढ़कर 61वें पायदान पर पहुंच गए हैं, जबकि आसिफ शेख 7 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 86वें पायदान पर पहुंच गए हैं।

वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर डेरिल मिशेल शीर्ष पर काबिज हैं। विराट कोहली, इब्राहिम जादरान, रोहित शर्मा और शुभमन गिल क्रमशः दूसरे, तीसरे, चौथे और पांचवें पायदान पर हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीत डब्ल्यूटीसी रैंकिंग में भारत से आगे निकली बांग्लादेश

दुबई। सिलहट में खेले गए दूसरे टेस्ट में पाकिस्तान पर 78 रन की जीत हासिल कर सीरीज 2-0 से अपने नाम करने के बाद बांग्लादेश को डब्ल्यूटीसी (2025-27) की रैंकिंग में बड़ा फायदा हुआ है। बांग्लादेश ने भारत को पीछे छोड़ दिया है।

पाकिस्तान के खिलाफ बुधवार को दूसरा टेस्ट जीतने के साथ ही बांग्लादेश डब्ल्यूटीसी (2025-27) की रैंकिंग में पांचवें स्थान पर पहुंच गया। भारतीय टीम छठे स्थान पर पहुंच गई है, वहीं पाकिस्तान आठवें नंबर पर चली गई है।

भारतीय टीम ने पिछले साल से कोई टेस्ट नहीं खेला है। भारतीय टीम का अगला टेस्ट अफगानिस्तान के खिलाफ है, जो डब्ल्यूटीसी का हिस्सा नहीं है।

ऑस्ट्रेलिया 8 टेस्ट में 7 जीत के साथ पहले, न्यूजीलैंड 3 टेस्ट में 2 जीत के साथ दूसरे, दक्षिण अफ्रीका 4 टेस्ट में 3 जीत के साथ तीसरे, श्रीलंका 2 टेस्ट में 1 जीत के साथ चौथे, बांग्लादेश 4 टेस्ट में 2 जीत के साथ पांचवें, भारत 9 टेस्ट में 4 जीत के साथ छठे, इंग्लैंड 10 टेस्ट में 3 जीत के साथ सातवें, पाकिस्तान 4 टेस्ट में 1 जीत के साथ आठवें और वेस्टइंडीज 8 टेस्ट में बिना किसी जीत के नौवें नंबर पर है।

मैच पर नजर डालें तो बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 278 रन बनाए थे। पाकिस्तान पहली पारी में 232 रन पर सिमट गई थी। पहली पारी के आधार पर बांग्लादेश को 46 रन की बढ़त मिली थी।

बांग्लादेश ने दूसरी पारी में 390 रन बनाकर पाकिस्तान को जीत के लिए 437 रन का लक्ष्य दिया। पाकिस्तान 358 रन पर सिमट गई और 78 रन से मैच हार गई।

बांग्लादेश के विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास को प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। लिटन ने पहली पारी में 126 और दूसरी पारी में 69 रन बनाए थे। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे। 2 टेस्ट मैचों की इस सीरीज में रहीम ने 253 रन बनाए।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415